



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 6] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 10, 1979 (भाघ 21, 1900)  
No. 6] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 10, 1979 (MAGHA 21, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

#### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं  
(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 12 जनवरी 1979

सं० पी०/1867-प्रशा० I—उम कार्यालय की अपरमंडल अधिकृत दिनांक 29-1-77 के आदेश में ड० प्रवेश एन० कपूर को संघ लोक सेवा आयोग (सपक) विनियम 1958 के विनियम 4 के परन्तु की शर्तों के अनुसार पढ़ती तद्वत्तर 1978 के पूर्वोक्त से 6 माह की अवधि के लिए, अवकाश आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है।

एन० बाबुलक्ष्मी

अवर सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

संघ लोक सेवा आयोग

लोक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस उप-महानिरीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 जनवरी 1979

सं० के०-3/70-प्रशासन-5—केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त हो जाने पर, श्री के० के० पुरी भारतीय पुलिस सेवा (मध्य प्रदेश) ने दिनांक 10 जनवरी, 1979 के आदेश से पुलिस उप-महानिरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना का कार्यभार त्याग दिया और 120 दिन की अवधि छुट्टी पर चले गए। छुट्टी समाप्त हो जाने पर पद-स्थापना हेतु वह राज्य सरकार को रिपोर्ट करेंगे।

एस० के० शा

उप-निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

सूक्ष्म संवत्सय

का० एवं प्र० मु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 16 जनवरी 1979

सं० ए०-19020/1/79-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रवाद से श्री आर० सी० शा, भारतीय पुलिस सेवा (1961-मध्यप्रदेश) को दिनांक 9-1-1979 के अपराह्न से अगले आदेश  
—45601/78

नई दिल्ली, दिनांक 16 जनवरी 1978

सं० ए०-6/71 प्रशा०-5—शाह जांच आयोग से प्रत्यावर्तन हो जाने पर श्री ए० डब्ल्यू० डेवेंडर, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने दिनांक 2-1-79 के पूर्वोक्त में पुलिस उप-अधीक्षक के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 18 जनवरी, 1979

सं० ए०-8/71-प्रशासन-5—मानि जांच आयोग से प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री एच० पी० सिंह, पुलिस, उप-

अग्रोडा, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने दिनांक 3-1-79 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने पुनः उप-अधीक्षक के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

जरनैल सिंह  
प्रशासनिक अधिकारी (स्था.)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 18 जनवरी 1979

सं० डी० एफ०-18/78-स्थापना—श्री ए० सी० शर्मा, उप पुलिस प्रबन्धक, ई० डी० पी० नौ, महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की सेवाओं 7/12/78 से महानिदेशालय समन्वय पुलिस कम्प्यूटिंग, गृह मंत्रालय को सौंपी जाती है।

दिनांक 20 जनवरी 1979

सं० एफ० 2/25/78-स्थापना—राष्ट्रपति श्री एम० एन० हुब्बल, राजपत्र राज्य पुलिस अधीक्षक के निदेशीय रिजर्व पुलिस बल में डी० एफ० पी० के पद पर प्रतिष्ठित पर हैं, को आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में संकुचन महानिदेशालय (निदेश) के पद पर प्रतिष्ठित पर तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

2. श्री हुब्बल ने डी० एफ० सी०/78 महानिदेशक (विधे) महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, के पद का कार्यभार दिनांक 22/11/78 के पूर्वाह्न से छड़ा तथा संकुचन सहायक निदेशक (विधे) महानिदेशालय, महानिरीक्षक सेक्टर 3 सी० आर० पी० एफ०, नई दिल्ली के पद का कार्यभार दिनांक 22/11/78 के पूर्वाह्न से सम्भाला।

दिनांक 22 जनवरी 1979

सं० ओ०-बो० 1039/78-स्थापना—राष्ट्रपति ने, सैनियर मैजिस्ट्रेट आफफार डाक्टर सुमन चन्द्र, के० हारिपटल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, नई दिल्ली का त्यागपत्र दिनांक 3-1-1979 अपराह्न से स्वीकृत कर लिया।

एन० के० बायोगाध्याय  
महायुक्त निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 20 जनवरी 1979

सं० ई०-38013/3/2/78-नामिका—कोबारी से स्तनांतरित होने पर श्री आर० एम० उपाध्याय ने श्री शिव राज सिंह के स्थान पर 8 जनवरी, 1979 के पूर्वाह्न से महायुक्त कमांडेंट के० श्री० सु० ब० काबाला, नई दिल्ली के पद का कार्यभार संभाल लिया और श्री शिव राज सिंह, महायुक्त कमांडेंट ने

कार्यभार के लिए स्थानान्तरित होने पर उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

आर० सी० गोपाल  
महानिरीक्षक  
के० श्री० सु० ब०

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी 1979

सं० 10/38/78-प्रशा०—भारत के महापंजीकार, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में वरिष्ठ भूगोचरता, श्री महेश राम को उसी कार्यालय में तारीख 1 जनवरी, 1979 से तारीख 28 फरवरी, 1979 तक दो महीनों की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, इन में से जो भी समय कम हो, पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर मानचित्र विभाग के पद पर नर्हय नियुक्त करते हैं। श्री राम का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

2. मानचित्र-विभाग के पद पर तदर्थ नियुक्त, श्री राम को उक्त पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेंगी। मानचित्र-विभाग के पद पर तदर्थ आधार पर उनकी सेवाएं उन ग्रेड पर वारंशता और किसी अन्य उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनती जाएगी। इन तदर्थ नियुक्ति को निष्का-प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रद्द किया जा सकता है।

विजय पाल पाण्डे  
भारत के उप महापंजीकार

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय : महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी, 1979

सं० क्रमांक प्रशासन-1-कार्यालय आदेश सं० 502/5-5/प्रयोग/77-79/2239—वरन सरकार, गृह मंत्रालय जपन संख्या 25013/7/77-एन० डा० (ए) दिनांक 26-8-77 की शर्तों के अन्तर्गत 20 वर्ष से अधिक की अर्हक सेवा पूरी करने के बाद 30 नवम्बर, 1978 अपराह्न में इस कार्यालय के नियुक्त लेखा अधिकारी राजकीय सेवा से स्वेच्छा से सेवा-निवृत्त हो गये हैं।

नाम

1. श्री ए० आर० चोपरी स्थायी लेखा अधिकारी
2. श्री डी० एन० गुप्ता स्थानापन्न लेखा अधिकारी

दिनांक 19 जनवरी 1979

सं० प्रशा० I/ग० आ०/483/5-5/पदोन्नति/77-79/2129—इस कार्यालय के स्थानापन्न लेख अधिकारी श्री एस के० वस्तो 20 वर्ष की सरकारी सेवा के बाद 30/9/78 के (प्रारह्न) ने भारत सरकार के गृह मंत्रालय के आदेश सं० 25013/7/77-प्रशा० (I) दिनांक 23-8-78 के अनुसार स्वेच्छा से पद मुक्त हो गये हैं।

श्री वत्सा ने सरकारी सेवा में 7/3/52 से प्रवेश लिया और उनकी जन्म तिथि 15/9/1928 है।

(हम्) अरुणोप  
व० उप-महालेखाकार (प्र०)

कार्यालय महालेखाकार उत्तर प्रदेश—प्रथम  
इलाहाबाद, दिनांक 9 जनवरी 1979

सं० प्रशासन/ 11/144/XV/250—महालेखाकार उत्तर प्रदेश (प्रथम) इलाहाबाद ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को उनके नामों के आगे प्रोक्त तिथि से आगामी आदेश पर्यन्त इस आदेश में स्थापित लेखाधिकारियों नियुक्त किया है।

- |                               |                    |
|-------------------------------|--------------------|
| 1. गोकर्ण नाथ दिक्षित         | 31-7-78 पूर्वाह्न  |
| 2. भगवान सिंह चौहान           | 16-10-78 पूर्वाह्न |
| 3. विरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव | 11-12-78 पूर्वाह्न |
| 4. जमुना प्रसाद कुरील         | 16-12-78 पूर्वाह्न |

उ० रामचन्द्र राव  
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय, महालेखाकार प्रथम, मध्य प्रदेश  
ग्वालियर, दिनांक 11 जनवरी 1979

सं० स्थापना-1/397—महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश ने श्री पी० के० तिवारी स्थाई अनुभाग अधिकारी (02/243) को स्थापनापत्र क्षमता में लेखा अधिकारी के पद पर 30-12-78 पूर्वाह्न से वेतनमान रुपये 840-40-1000-द० अ०-40-1200 म पदोन्नत किया है।

कृष्ण गोपाल, वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

श्रम मंत्रालय

(श्रम ब्यूरो)

शिमला-171004, दिनांक 3 फरवरी 1979

सं० 23/3/78-सी० पी० आई०—दिसम्बर, 1978 में औद्योगिक श्रमिकों का अबिल भारतीय उपभाक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960-100) नवम्बर, 1978 के स्तर से पाँच अठारह घट कर 335 (तीन सौ पैंतास) पर स्थिर रहा है। 1 दिसम्बर, 1978 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 407 (चार सौ सात) आता है।

आनन्द स्व० भ रू.ज  
संयुक्त निदेशक

रक्षा मंत्रालय

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा

महानिदेशालय, आर्डनर्स फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी 1979

सं० 1/73/1/ई०-I—कार्यक्रम नियुक्ति अनु प्राप्त कर, श्री सुधांशु कुमार दत्ता, मौलिक एवं स्थायी सहायक, अस्थायी ए०

एस० ओ० दिनांक 31-12-1978 (अग्रह) से सेवा नियुक्त हुए।

डी० पी० चक्रवर्ती,  
ए डी जी ओ एफ/प्रशासन  
को महानिदेशक आर्डनर्स फैक्टरियां

वाणिज्य, नगरिय आपूर्ति एवं सहकारिता मन्त्रालय  
(वाणिज्य विभाग)

मुख्य निदेशक, आपूर्ति-नियंत्रण का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 जनवरी 1979

आगत ए० पी० आर निबंधन (स्थापन)

सं० 1/17/78-न्या० (रज०)/490—मुख्य निबंधन, आपूर्ति नियंत्रण द्वारा जारी ए० ए० दुर्गे कनिष्ठ (रज० पवित्र गुण 'ख' को मुख्य निबंधन, आपूर्ति नियंत्रण, नई दिल्ली के कार्यालय में 1 दिसम्बर, 1978 से सेवा में नियुक्त किया है।

राजेश्वर सिंह, उप मुख्य निबंधन

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (नव उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 जनवरी 1979

सं० 12(155)/61-प्रशासन (रज० प्रश्रित)—रष्ट्राति, एट्टुमपुर एवं तिरुवना उत्तर केन्द्र निदेशालय एट्टुमपुर के निदेशक, ग्रेड 1 (मात्रिक) श्री प्र० न० तिरुमूर्ति को दिनांक 1 जनवरी, 1979 (पूर्वाह्न) से ए० वर्ष की अवधि के लिए विकास आयुक्त (नव उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली में निदेशक, ग्रेड 1 (इंजीनियर उद्योगों को सहायता) के पद में प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त करी है।

2. नियुक्ति होने पर श्री लक्ष्मी तिरुमूर्ति ने दिनांक 8 दिसम्बर, 1978 (अग्रह) से एट्टुमपुर एवं तिरुवना उत्तर केन्द्र निदेशालय, एट्टुमपुर में निदेशक, ग्रेड 1 (मात्रिक) पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा दिनांक 1 जनवरी, 1979 (पूर्वाह्न) से विकास आयुक्त (नव उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली में निदेशक, ग्रेड 1 (इंजीनियर उद्योगों को सहायता) पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 12(538)/66-प्रशासन (रज० प्रश्रित)—नगर-महानगरीय क्षेत्रों में एकीकृत औद्योगिकरण से प्रेरित आर्थिक और सामाजिक परिवर्द्ध (एग्रीज एवं पैकोफि), विकास की परियोजना हेतु भारतीय विशेषज्ञ के रूप में दो माह के लिए प्रति नियुक्ति पर चले जाने के कारण श्री ए० पी० पी० ने दिनांक 5 जनवरी, 1979 (अग्रह) से विकास आयुक्त (नव उद्योग) नई दिल्ली के कार्यालय में औद्योगिक सलाहकार (स्थापन) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 17 जनवरी 1979

सं० ए-19018 (18)/73-प्रशासन (राजपत्रित)—  
राष्ट्रपति, दिनांक 4 दिसम्बर, 1978 (अपराह्न) से विस्तार  
केन्द्र, पांडिचेरी के सहायक निदेशक, ग्रेड 1 (वैद्युत)—श्री के०  
दुरायस्वामी का सरकारी सेवा से त्याग पत्र स्वीकार करते हैं।

2. इस कार्यालय की दिनांक 19 दिसम्बर, 1978 की  
समसंख्यक अधिसूचना इसके द्वारा निरस्त की जाती है।

महेन्द्र गुप्त, उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1979

सं० प्र० 1/1(1130)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान  
एतत् द्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशक, बम्बई के कार्यालय में  
अधीक्षक श्री के० वी० शिवरामकृष्णन को दिनांक 26-12-1978  
के पूर्वाह्न से निदेशक पूर्ति तथा निपटान, मद्रास के कार्यालय में  
सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड II) के पद पर नियमित आधार  
पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सूर्य प्रकाश, उपा निदेशक (प्रशासन)

छूते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

विस्फोटक सामग्री विभाग

नागपुर, दिनांक 18 जनवरी 1979

सं० ई० II (7)—इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई 1969  
के अधिसूचना सं० ई० II (7) में :

श्रेणी 2 नाइट्रेट मिश्रण के अधीन

(i) प्रविष्टि "मोनोएथानोल अमिन बेस्ड स्लरी एक्स-  
प्लोजिव" में "30-6-1978" अंकों के स्थान पर "31-3-1980"  
अंक प्रति स्थापित किये जायेंगे ;

और

(ii) प्रविष्टि "ट्रायएथानोल अमिन बेस्ड स्लरी एक्स-  
प्लोजिव" में "30-6-1978" अंकों के स्थान पर "31-3-1980"  
अंक प्रति स्थापित किये जायेंगे।

हंगुव नरसिंह मूर्ति, मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

उत्पात और खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक जनवरी 1979

सं० ए-19011/(239)/78-स्था० ए—राष्ट्रपति श्री  
अलोक नासु को दिनांक 14 दिसम्बर, 1978 के अपराह्न से  
स्थानापन्न रूप से भारतीय खान ब्यूरो में सहायक खान नियंत्रक

के पद पर सं० 700-40-900-३० रो०-40-1100-50-1300/-  
के वेतन पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान की जाती है।

सं० ए-19011/(249)/78-स्था० ए०—राष्ट्रपति, श्री  
अलोक नासुजीमदार, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (अयस्क प्रसाधन)  
को दिनांक 7 दिसम्बर, 1978 के अपराह्न से स्थानापन्न रूप से  
भारतीय खान ब्यूरो में सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारी के  
पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान की जाती है।

दिनांक 17 जनवरी 1979

सं० ए 19011/250/78/स्था० ए०—राष्ट्रपति, श्री  
केमव बमधंत राव देशमुख स्थानापन्न सहायक अनुसंधान अधिकारी  
(अयस्क प्रसाधन) को दिनांक 7 दिसम्बर, 1978 के अपराह्न  
से स्थानापन्न रूप से भारतीय खान ब्यूरो में सहायक अयस्क प्रसाधन  
अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान की जाती है।

एस० बालागोपाल, कार्यालय अध्यक्ष  
छूते नियंत्रक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 20 जनवरी 1979

सं० गो-5456/707—1. इस कार्यालय की अधिसूचना  
सं० गो-5447/707 तारीख 21 दिसम्बर 1978 में अधि-  
सूचि श्री एम० एस० रावत सर्वेक्षक सेलेक्शन ग्रेड के सामने  
दिनांक कालमें "यूनिट/कार्यालय और तारीख से" में संशोधित  
किया जाता है। इन प्रविष्टियों में "सं० 26 (फोटो) पार्टी  
(परिचयी सं०) देहरादून एवं 13 नवम्बर 1978 (पूर्वाह्न)"  
के बजाए क्रमशः सं० 26 (फोटो) पार्टी (उ०स०) देहरादून  
एवं 7 नवम्बर 1978 (पूर्वाह्न) पढ़ा जाए।

2. निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के सामने दी  
गई तारीखों से भारतीय सर्वेक्षण विभाग में अधिकारी सर्वेक्षक  
के पद (ग्रुप 'बी' पर) पर 650-30-740-35-810-३० रो०-  
35-880-40-1000 ३०-रो०-40-1200 ३० के वेतनमान में  
पूर्णरूप से तदर्थ अनन्तिम आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त  
किया जाता है :—

क्रम सं०	नाम एवं पद	यूनिट/कार्यालय	तारीख से
1	2	3	4
1.	श्री हर्षगयाद, सर्वेक्षक सेलेक्शन ग्रेड	सं० 65 (टी०सी० एम०) पार्टी (सर्वेक्षण हवाई) नई दिल्ली	28-10-78 (पूर्वाह्न)
2.	श्री गीता राम सर्वेक्षक सेलेक्शन ग्रेड	सं० 28 पार्टी (परिचयी सं०) देहरादून	13-11-78 (पूर्वाह्न)



(1)	(2)	(3)	(4)
3.	श्री वारेन्द्र सिंह राजन डाक्टरसमैत, डिवीजन 1 सेलेक्शन ग्रेड	सं० 1 प्रारक्षण कार्यालय (मानचित्र प्रकाशन) देहरादून	7-2-78 (पूर्वाह्न)
4.	श्री सदन लाल शर्मा सर्वेक्षण सहायक सेलेक्शन ग्रेड	सं० 1 पार्टी (उ०स०) देहरादून	21-12-78 (पूर्वाह्न)
5.	श्री केशवराम सर्वेक्षण सहायक सेलेक्शन ग्रेड	सं० 33 पार्टी (उ०स०) देहरादून	22-12-78 (पूर्वाह्न)

क० एल० खोमला  
मेजर-जनरल  
भारत के महामन्त्र

## राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 23 जनवरी, 1979

सं० एक० 11-9/78-ग-1—श्री बी० एस० कालड़ा,  
तदर्थ आधार पर स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी 1 जून, 1978 से  
आगामी आदेशों तक निम्नलिखित स्थायी आधार पर प्रशासन अधि-  
कारी नियुक्त किया जाना है।

हस्ताक्षर अवैतनीय  
अभिलेख निदेशक

## आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी, 1979

सं० ए-12026/1/78-स्टाफ-5—महानिदेशक, आकाश-  
वाणी, एनड्रारा श्री आर० के० शर्मा, स्थानापन्न रूप से कार्य  
कर रहे वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी, आकाशवाणी, नई दिल्ली  
को, तदर्थ आधार पर, 6 जनवरी, 1979 से, अगले आदेश होने  
तक, आकाशवाणी, नई दिल्ली में लेखा निरीक्षक के पद पर  
नियुक्त करते हैं।

एस० वी० रोपाड़ी  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते महानिदेशक

## सूचना और प्रसारण मन्त्रालय

## फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 12 जनवरी 1979

सं० ए० 12026/1/77-सिबन्दी 1—फिल्म प्रभाग के  
मुख्य निर्माता ने फिल्म प्रभाग नई दिल्ली के स्थानापन्न सहायक  
समाचार चित्र अधिकारी श्री एस० आर० नायडू को दिनांक

28-12-78 के आराह्न में तदर्थ आधार पर ठाढ़ायायाहक के  
पद पर नियुक्त किया है।

एस० चन्द्रन नायर  
प्रशासकीय अधिकारी  
कृते मुख्य निर्माता

बम्बई-26, दिनांक 10 जनवरी 1979

सं० 5/6/62 सिबन्दी 1 (भाग)—फिल्म प्रभाग के  
मुख्य निर्माता ने फिल्म प्रभाग नई दिल्ली के स्थानापन्न अधीक्षक  
श्री के० सी० विक्रमचन्दानी को दिनांक 1-12-1978 के पूर्वाह्न  
में अगले आदेश तक समान कार्यालयों में सहायक प्रशासकीय  
अधिकारी के पद पर नियुक्त किया।

एस० के० राय,  
सहायक प्रशासकीय अधिकारी  
कृते मुख्य निर्माता

## विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 जनवरी 1979

सं० ए-12026/20/78-स्थापना—विज्ञापन और दृश्य  
प्रचार निदेशक, श्री कृष्ण दास, स्थायी सहायक को 1 जनवरी,  
1979 से अगले आदेश तक, इस निदेशालय में सुपरवाइजर  
के पद पर डिप्यूटेशन नियमों के अनुसार नियुक्त करने हैं।

आर० देवासर  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

## कृषि एवं सिंचाई मन्त्रालय

## ग्रामीण विकास विभाग

## विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 18 जनवरी, 1979

सं० ए० 19025/112/78-प्र० 3—श्री चन्द्र मोहन  
गिरधर, वरिष्ठ निरीक्षक को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय,  
नई दिल्ली में दिनांक 3-11-78 (अराह्न) से 31-3-79 तक  
या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, दोनों में से  
जो भी पहले पदित हो, स्थानापन्न रूप में सहायक विपणन अधि-  
कारी (वर्ग 1) पदोन्नत किया गया है।

दिनांक 19 जनवरी, 1979

सं० ए० 19023/35/78-प्र० III—विभागीय पदोन्नति  
समिति की संस्तुतियों के आधार पर निम्नलिखित अधिकारियों  
को, जो तदर्थ आधार पर विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के रूप  
में काम कर रहे हैं, दिनांक 18-12-78 से अगले आदेश होने

तक नियमित प्रचार पर स्थापनापत्र विपणन अधिकारी (वर्ग 1) पदोन्नत किया गया है:—

1. श्री एम० पी० सिंह
2. श्री एस० पी० भसीन
3. श्री के० सूर्यनारायण
4. श्री एस० के० मवरवाल
5. श्री एस० सुब्बा राव
6. श्री आर० सुब्रह्मण्यम
7. श्री बी० बालारामा मूर्ति
8. श्री ए० सी० गुडन
9. श्री फिलिन इटारिया
10. श्री एम० के० पी० मनन
11. श्री टी० एस० कृष्णाकरण
12. श्री आर० नरसिम्हन

सं० ए० 19023/57/78-प्र० 3—विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के पद पर निम्नलिखित अधिकारियों की अल्पकालीन नियुक्ति को दिनांक 31-3-79 तक या जब तक नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है।

1. श्री एम० चक्रवर्ती
2. श्री एम० बी० चक्रवर्ती
3. श्री आर० बी० कुरुप
4. श्री एम० बी० कृष्णमूर्ति

दिनांक 20 जनवरी, 1979

सं० ए० 19023/75/78-प्र० 3—निम्नलिखित अधिकारियों का विपणन अधिकारी (वर्ग 2) में अल्पकालीन नियुक्ति को उनके समक्ष दर्शित अवधि या नियमित प्रबन्ध होने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाया गया है:—

1. डा० जी० के० पल्लन 11-12-78 से 31-3-79 तक
2. डा० (श्रीमती) आर० एस० नेहते 12-12-78 से 31-3-79 तक

बी० एल० महिहार  
निदेशक, प्रशासन  
कृ० कृ० विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई 400001, दिनांक 10 जनवरी, 1979

सं० डी० पी० एस०/23/2/77-संस्थापन/1285:—  
निदेशक, क्रय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री मोहन सिंह, सहायक भंडार अधिकारी को अवकाश स्वीकृति होने के कारण, इस निदेशालय के अस्थाई भंडारी श्री एल० एच० बागे को सहायक भंडार अधिकारी पद पर स्थानापन्न

रूप में रुपये 650-30-700-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनक्रम से 23 अप्रैल 1978 से 27 अक्टूबर 1978 तक इसी निदेशालय में तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15 जनवरी, 1979

सं० डी० पी० एस० /23(4)/77-संस्थापन/1955:—  
निदेशक, क्रय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, निम्नलिखित क्रय सहायकों को, सहायक क्रय अधिकारी पद पर स्थानापन्न रूप से, इसी निदेशालय में रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनक्रम में, उनके नामों दिखाई गई तिथिधी तक तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

1. श्री के० टी० परमेश्वरन—18-11-78 से 6-1-79 तक
2. श्री ए० एच० मदारंगानी—7-11-78 से 16-12-78 तक
3. श्री आर० के० पैयार—1-12-78 से 6-1-79 तक
4. श्री के० एल० अहूजा—26-12-78 से 25-1-79 तक

बी० जी० कुवर्गी,  
सहायक कार्मिक अधिकारी

बम्बई 400001, दिनांक 17 जनवरी, 1979

सं० डी० पी० एस०/4/3(5)/77-प्रमाणन/2104:—  
निदेशक, क्रय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग एन० द्वारा, निम्नलिखित अधिकारियों को संचालन में, लेखा प्रविष्टिरी II पद पर रुपये 840-40-1000-द० रो०-1200 के वेतनक्रम से 1 अप्रैल, 1978 से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं:—

क्रमांक	नाम	वर्तमान पद
1.	श्री कुवलीनन अष्टवसुतु श्रीनिवासन	लेखा प्रविष्टिरी III
2.	श्री निम्मायनम स्वामी रायन गणपि	लेखा अधिकारी III

के० पी० जोरु,  
सहायक कार्मिक अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 16 जनवरी, 1979

सं० पत्र/1/29/78-प्रमाणन:—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एन० द्वारा श्री के० महेन्द्र कुमार को परमाणु खनिज प्रभाग में एक स्थापनापत्र पद पर वैज्ञानिक अधिकारी/प्रमाणन प्रेड 'एम बी०/के रूप में, दिनांक 30-12-78 को पूर्वाज्ञाप अवधि आदेश तक, नियुक्त करते हैं।

एन० वाई० गोविले,  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

## भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनांक 16 जनवरी, 1979

सं० भापाप/स्था/1/थी-19/253—भारी पानी परियोजना के, विशेष कार्य अधिकारी श्री कोचुपुन्डोन थोमस, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र के स्थाई अवर श्रेणी निमित्त तथा भारी पानी परियोजना (मुख्य कार्यालय) के स्थानापन्न वरुण्य श्रेणी निमित्त को, उसी कार्यालय में तदर्थ आधार पर एक नवम्बर, 1978 (पूर्वा०) से 2 दिसम्बर, 1978 (अप०) तक के निम्न, श्रीमती के० पी० कल्याणी वृद्धी, सहायक कार्मिक अधिकारी, जो स्थानापन्न रूप से प्रशासन अधिकारी नियुक्त की गई है के स्थान पर, स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 जनवरी 1979

सं० 05052/78/339—भारी पानी परियोजना के विशेष कार्य अधिकारी, श्री जितेन्द्र मनीनाल शाह, अस्थायी फौरमैन, भारी पानी परियोजना (बड़ौदा) को, उसी परियोजना में एक अग्रस्त पूर्वाह्न, 1978 से आगे आदेश होने तक के लिये स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/प्रभिन्याता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

के० शंकर नारायणन,  
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

## महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1979

सं० ए० 12034/4/78-ई० ए०:—श्री अमर शर्मा, सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी, कलकत्ता विमानक्षेत्र, निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप 31 दिसम्बर, 1978 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

एच० एल० कोहली, निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 3 जनवरी 1979

सं० ए० 3101/4/1/78-ई० डब्ल्यू०/78—नागर विमानन के महानिदेशक निम्नलिखित अधिकारियों को 1-5-1978 से नागर विमानन विभाग में सहायक अग्निशमन अधिकारियों के ग्रेड में मूल रूप से नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	वर्तमान तैनाती का स्टेशन	सहायक अग्निशमन अधिकारी के रूप में स्थाई- करण की तारीख
----------	-----	-----------------------------	--

(1)	(2)	(3)	(4)
-----	-----	-----	-----

1.	श्री आर० के० सरीत	क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, दिल्ली क्षेत्र, सफदरजंग	1-5-78
----	-------------------	---	--------

(1)	(2)	(3)	(4)
2.	श्री के० पी० घोष दस्तीदर	क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, कलकत्ता क्षेत्र, कलकत्ता	1-5-78
3.	श्री जी० बी० देव	विमानक्षेत्र अधिकारी का कार्यालय, हैदराबाद	1-5-78

सत्यदेव शर्मा,  
उपनिदेशक प्रशासन  
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 16 जनवरी 1979

सं० ए० 12025/1/78-ई० सी०—राष्ट्रपति, निम्नलिखित चार अधिकारियों को नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में, प्रत्येक के नाम के आगे दिखाई गई तारीख से, स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं और उन्हें उनके नाम के आगे अंकित स्टेशन पर तैनात करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	पदनाम	स्टेशन जहां तैनात किया	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1.	श्री रवि प्रकाश	तकनीकी अधिकारी	निदेशक रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली	25-11-78 (पूर्वाह्न)
2.	श्री अरविन्द कुमार	तकनीकी अधिकारी	नियंत्रक संचार, वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	15-12-78 (पूर्वाह्न)
3.	श्री टी० एन० वेंकटरमन	संचार अधिकारी	नियंत्रक संचार, वै० सं० स्टेशन, मद्रास	6-12-78 (पूर्वाह्न)
4.	श्री पिताकीनाथ सनियाल	संचार अधिका	नियंत्रक संचार, वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	14-12-78 (पूर्वाह्न)

सं० ए० 32013/7/78-ई० सी०—राष्ट्रपति, निम्न दो तकनीकी अधिकारियों को, उनके नाम के आगे दी गई तारीखों से छः माह की प्रवृत्ति के लिये प्रवृत्ति पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त करते हैं।

हैं, तथा उन्हें उनके नाम के सम्मुख दिये गये स्टेशन पर तैनात करते हैं :—

क्रम सं०	नाम व पदनाम	स्टेशन जहां अब तैनात है	स्टेशन जहां तैनात किया गया	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1.	श्री पी० एम० मल्लिक तकनीकी अधिकारी	निदेशक, रेडियो निर्माण एवं विकास यूनिट नई दिल्ली	निदेशक, रेडियो निर्माण (पूर्वाह्न) रेडियो निर्माण यूनिट, नई दिल्ली	2-11-78
2.	के० के० नारायण, तकनीकी अधिकारी	नियंत्रक संचार, वैमानिक संचार, केन्द्र, कलकत्ता	नियंत्रक संचार, वैमानिक संचार, केन्द्र, कलकत्ता	2-12-78

त्य देव शर्मा,

म उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1979

सं० ए० 32013/3/78-ई० 1—राष्ट्रपति, श्री आई० आर० मैनन उपनिदेशक (विनियम एवं सूचना) को, श्री आर० बी० रणदिवे, निदेशक विनियम एवं सूचना, जो दिनांक 31 जुलाई, 1978 (अपराह्न) से छः माह के लिये विदेश में प्रतिनियुक्ति पर गये हैं के स्थान पर तदर्थ आधार पर निदेशक, विनियम एवं सूचना के पद पर नियुक्त करते हैं।

सी० के० वत्स,  
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 16 जनवरी 1979

सं० 1/3/78-स्था—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्वारा नई दिल्ली शाखा के पर्यवेक्षक, श्री एम० एल० गांधी को तदर्थ आधार पर अल्पकालिक छाती जगह पर 16-11-77 से 10-12-77 (दोनों दिनों समेत) तक की अवधि के लिये उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उपपरिचात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 17 जनवरी 1979

सं० 1/452/78-स्था—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्वारा स्विचन समूह, बम्बई के तकनीकी सहायक, श्री एच० बालमुग्रहण्यन को तदर्थ आधार पर अल्पकालिक रिक्त स्थान पर 21-3-78 से 29-9-78 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिये उसी कार्यालय/मुख्य कार्यालय बम्बई में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियन्ता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/470/78-स्था—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्वारा श्री बी० सेतवम को 16 अक्टूबर, 1978 के पूर्वाह्न

से आगामी आदेशों तक डिजिटिंग कामप्लेक्स, बम्बई में सहायक अभियन्ता नियुक्त करते हैं।

पा० कि० गोविन्द नाथर,  
निदेशक (प्रशा०)  
कृते महानिदेशक

वन अनुसन्धान संस्थान एवं महानिदेशक

देहरादून, दिनांक 22 जनवरी 1979

सं० 16/220/74-स्थाना-1—रक्षिणी वन राजिक महाविद्यालय, कोयम्बटूर में सहायक शिक्षक पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि के समाप्त होने पर, केएन वन विभाग के अधिकारी श्री पी० ए० अश्वाम की मेरगें दिनांक 30 जून, 1978 के अपराह्न से राज्य सरकार को सौंप दी गई है।

गुरदयाल मोहन,  
कुलसचिव,

वन अनुसन्धान संस्थान एवं महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहर्तलिय

नागपुर, दिनांक 16 जनवरी 1979

क्रमांक 1—दम समाहर्तलिय के (प० श्रे०) निरीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्री ए० एम० लोता ने, उनकी स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी "ख" के पद पर पदोन्नति होने पर, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी "ख" बहुपदीय अधिकारी रैंज-1, नागपुर का दिनांक 1-12-78 के पूर्वाह्न से, श्री एम० उब्थू० अग्रवाल को अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त कर, कार्यभार संभाल दिया।

माधव परलकर,  
समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नागपुर

कानपुर, दिनांक 19 जनवरी 1979

सं० 2/79—श्री एम० पी० सक्सेना, निरीक्षक (प्रवरण कोटि) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के पद पर अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप—देखिए इस कार्यालय के पृष्ठांकन सं० सं० 11/22-स्था०/78/57941/दिनांक 28-11-78 के अन्तर्गत निर्गत कार्यालय स्थापना आदेश सं० 1/ए०/39/78, दिनांक 28-11-78 अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' (निवारक) कानपुर के पद का कार्यभार दिनांक 1-12-78 (पूर्वाह्न) को ग्रहण किया।

कृ० ल० रेखी समाहर्ता

दिनांक 15 जनवरी 1979

सं० 5/79—श्री ए० एन० दूर, स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' ने अधीक्षक मण्डल कार्यालय आगरा के पद का कार्यभार दिनांक 31-12-78 (अपराह्न) को त्याग दिया और अधिवर्षिता की आयु प्राप्त होने पर सरकारी सेवा से दिनांक 31-12-78 (अपराह्न) को सेवा निवृत्त हो गये।

दिनांक 16 जनवरी 1979

सं० 06/79—श्री कुलवंत सिंह स्थानापन्न प्रशासनिक अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' गाजियाबाद प्रथम मण्डल ने प्रशासनिक अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' के पद का कार्यभार दिनांक 30-11-78 (अपराह्न) श्री सी० बी० सैली, अधीक्षक को सौंप दिया और अधिवर्षिता की आयु प्राप्त होने पर सरकारी सेवा से दिनांक 30-11-78 (अपराह्न) को सेवा से निवृत्त हो गये।

सं० 7/79—श्री टिका मुरजीत सिंह बेदी निरीक्षक (प्रवरण कोटि) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-रु० रो०-35-880-40-1000-रु० रो०-40-1200 के पद पर अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप देखिए—छाहाबाद समाहृतलय के पृष्ठांकन प० सं० 11(39) 28-स्था०/78/14766, दिनांक 17-7-78 के अन्तर्गत निर्गत कार्यालय स्थापना आदेश सं० 131/1978, तथा इस कार्यालय के पृष्ठांकन प० सं० 11/22-स्था०/78, दिनांक 21-10-78 के अन्तर्गत निर्गत कार्यालय स्थापना आदेश सं० 1/ए०/316/78, दिनांक 21-10-78 अधीक्षक (प्राविधिक) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' आगरा के पद का कार्यभार दिनांक 15-12-78 (पूर्वाह्न) ग्रहण किया।

कु० ल० रेखी,  
समाहृति

उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 1 जनवरी, 1979

नोटिस 1/1979—डा० एस० के० बासू मलिक के स्थानापन्न मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निजी सहायक का दिनांक 7-1-79 (एफ० एन०) को देहान्त हो गया है।

दिनांक 10 जनवरी 1979

सं० 2/1979—सामान्य प्रशासन के विधि अधिकारी/सम्पदा अधिकारी श्री अमोलक राम जी बामर लारी एण्ड कम्पनी लिमिटेड, कलकत्ता में प्रतिनियुक्त थे, 2-456GI/78

31-12-78 अपराह्न से उत्तर रेलवे की रेल सेवा से अन्तिम रूप में सेवा निवृत्त हो गये हैं।

आर० श्रीनिवासन  
महाप्रबन्धक

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

महा प्रबन्धक का कार्यालय

कार्मिक शाखा

पांडु, दिनांक 18 जनवरी 1979

सं० ई०/283/III/11(अ०)—1. पी० एन० ओ०/ए० डी०/65/215-भाग-IV—श्री ए० एल० बरुआ, सहायक लेखा अधिकारी (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 8-5-78 से प्रवर वेतनमान में प्रवर लेखा अधिकारी के रूप में बिल्कुल तदर्थ रूप से स्थानापन्न किया जाता है।

2. सं० पी० एन० ओ०/ए० डी०/65/215-भाग IV—श्री बी० एम० दुआ, सहायक लेखा अधिकारी (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 1-7-78 से प्रवर वेतनमान में प्रवर लेखा अधिकारी के रूप में बिल्कुल तदर्थ रूप से स्थानापन्न किया जाता है।

3. ई०/283/142-भाग-II-(ओ०)—श्री बी० एल० दाम, सहायक सुरक्षा अधिकारी (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 1-7-78 से प्रवर वेतनमान में सुरक्षा अधिकारी के रूप में स्थानापन्न किया जाता है।

4. ई०/283/111/142-भाग-III(ओ०)—श्री जी० सी० कुन्नेती, सुरक्षा दल निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 1-7-78 से द्वितीय श्रेणी सेवा में सहायक सुरक्षा अधिकारी के रूप में बिल्कुल तदर्थ रूप में स्थानापन्न किया जाता है।

5. ई०/283/30-भाग-VI(ओ०)—श्री ए० एन० सुर, सहायक प्रोग्रामर (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 7-7-78 से द्वितीय श्रेणी सेवा में प्रोग्रामर के रूप में बिल्कुल तदर्थ रूप से स्थानापन्न किया जाता है।

6. ई०/283/30 भाग-VI(ओ०)—श्री आर० एन० गुप्ता, कार्यालय अधीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 5-8-78 से द्वितीय श्रेणी सेवा में सहायक उप महाप्रबन्धक के रूप में बिल्कुल तदर्थ रूप से स्थानापन्न किया जाता है।

7. ई०/283/30-भाग-VI(ओ०)—श्री बी० एल० चटर्जी, मुख्य वाणिज्य अधिकारी के गोपनीय सहायक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 8-8-78 से द्वितीय श्रेणी सेवा में सहायक कार्मिक अधिकारी के रूप में स्थानापन्न किया जाता है।

8. ई०/283/30-भाग-VI(ओ०)—श्री ए० के० घोष, मुख्य निगनल एवं दूर संचार इंजीनियर के गोपनीय सहायक

(तृतीय श्रेणी) को दिनांक 10-8-78 से द्वितीय श्रेणी सेवा में सहायक कार्मिक अधिकारी के रूप में स्थानापन्न किया जाता है।

9. ई०/283/120-भाग—III(प्र०)—श्री सुकुमार राय, मुख्य लिपिक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 11-8-78 से द्वितीय श्रेणी सेवा में सहायक भंडार नियंत्रक के रूप में बिल्कुल तदर्थ रूप से स्थानापन्न किया जाता है।

10. ई०/283/30-भाग—VI(प्र०)—श्री पी० के० मित्रा प्रवर श्रम कल्याण निरीक्षक, (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 14-8-78 से द्वितीय श्रेणी सेवा में सहायक कार्मिक अधिकारी के रूप में स्थानापन्न किया जाता है।

11. ई०/283/148/(प्र०)—श्रीमती लतिका मुखर्जी, प्रधानाध्यापिका (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 27-8-78 से प्रवर वेतनमान में प्रधानाचार्य के रूप में स्थानापन्न किया जाता है।

12. ई०/283/148(प्र०)—श्री के० के० मुखर्जी, प्रधानाध्यापक (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 27-8-78 से प्रवर वेतनमान में प्रधानाचार्य के रूप में स्थानापन्न किया जाता है।

13. ई०/283/143(प्र०)—श्री सी० सी० रथ, प्रधानाध्यापक (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 27-8-78 से प्रवर वेतनमान में प्रधानाचार्य के रूप में स्थानापन्न किया जाता है।

14. ई०/283/111/54-भाग—VIII—श्री बी० सी० सेनगुप्ता, मुख्य यांत्रिक नक्शानवीश (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 1-9-78 से द्वितीय श्रेणी सेवा में सहायक यांत्रिक इंजीनियर के रूप में स्थानापन्न किया जाता है।

15. ई०/283/111/54-भाग—VIII(प्र०)—श्री ए० सी० दास, सहायक यांत्रिक इंजीनियर (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 7-9-78 से प्रवर वेतनमान में मुख्य यांत्रिक इंजीनियर के निजी सहायक के रूप में स्थानापन्न किया जाता है।

16. ई०/283/111/129-भाग—III(प्र०)—श्री बी० के० सेनगुप्ता, सहायक भंडार नियंत्रक (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 15-9-78 से प्रवर वेतनमान में जिला भंडार नियंत्रक के रूप में स्थानापन्न किया जाता है।

17. पी० एन० ओ०/ए० डी०/65/215-भाग—V श्री बी० एन० भट्टाचार्य, मुख्य सांख्यिकीय निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 16-9-78 से द्वितीय श्रेणी सेवा में संकलन अधिकारी के रूप में बिल्कुल तदर्थ रूप में स्थानापन्न किया जाता है।

18. ई०/283/30-भाग—VI-(प्र०)—श्री ए० के० सेन, कार्यालय अधीक्षक, (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 18-9-78 से द्वितीय श्रेणी सेवा में सहायक कार्मिक अधिकारी के रूप में स्थानापन्न किया जाता है।

19. पी० एन० ओ०/ए० डी०/65/215-भाग—IV—श्री एच० एन० दत्ता, अनुभाग अधिकारी (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 18-9-78 से द्वितीय श्रेणी सेवा में सहायक लेखा अधिकारी के रूप में बिल्कुल तदर्थ रूप से स्थानापन्न किया जाता है।

20. पी० एन० ओ०/ए० डी०/65/215-भाग—IV—श्री ए० एच० खां, सहायक लेखा अधिकारी (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 25-9-78 से प्रवर वेतनमान में प्रवर लेखा अधिकारी के रूप में बिल्कुल तदर्थ रूप से स्थानापन्न किया जाता है।

बी० वेंकटरमणी  
महाप्रबन्धक

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

कम्पनी विधिबोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स दी फैमिली रिलीफ सोसाइटी लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, दिनांक 15 जनवरी 1979

सं० 141—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दि फैमिली रिलीफ, सोसाइटी लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना  
कम्पनी रजिस्ट्रार  
मध्य प्रदेश ग्वालियर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेफिनरी ग्रंथ फौन्ड्री वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 22 जनवरी 1979

सं० 1316/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेफिनरी ग्रंथ फौन्ड्री वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण ध्वस्त न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा। और उक्त कंपनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कर्नाटिका फौन्ड्रीस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 22 जनवरी 1979

सं० 1388/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान

पर कर्नाटका फौन्डीस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और इंजीनियरिंग कास्टिंग्स ग्रुप कांपोनेन्ट्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 22 जनवरी 1979

सं० 2969/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर इंजीनियरिंग कास्टिंग्स ग्रुप कांपोनेन्ट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कामधेनु कन्सट्रक्शंस कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 22 जनवरी 1979

सं० 3072/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्व-

धारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कामधेनु कन्सट्रक्शंस कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० एन० गुप्ता  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
कर्नाटक

#### शुद्धिपत्र

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त

अर्जुन रेंज धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 9 जनवरी 1979

नोटिस सं० 241/78-79/एक्वी०—सेक्शन 269(डी०) इनकम टैक्स एक्ट 1961 दिनांक 25-10-78 कृपया दूसरे पेज में "श्रीमती प्रभा गजानन नगवेकर" के बदले "श्रीमती प्रभा गजानन नगवेकर" पढ़ें।

पी० रंगनाथम  
सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जुन रेंज, धारवाड़

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 17 जनवरी 1979

निर्देश सं० 243/78-79/एक्यू—यतः मुझे पी० रंगनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 37/ए/ए1/ए/5-B/D है, जो डा० तावरगेरी नसिग होम के नजदीक और पुराना महा डाकघर के सामने, धारवाड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धारवाड़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन डाक्युमेंट नं० 331 दिनांक 24-6-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बालनगोपा पाटील के दत्तक पुत्र बालनगोपा पाटील, टीकेदार, दरोगागली मंगलवारपेट, धारवाड़ (अन्तरक)

(2) श्री प्रशोक श्रीनिवास कुलकर्णी डा० तावरगेरी नसिग होम के पास धारवाड़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रमाण—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पि० एम० नं० 37/ए/ए1/ए/5-B/D पर मकान एवं जगह संपत्ति, डा० तावरगेरी नसिग होम और पुराना महा डाकघर के सामने में धारवाड़ स्थित है

पी० रंगनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज धारवाड़

दिनांक 17 जनवरी 1979  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 जनवरी 1979

निर्देश सं० एग्रार III/एपी 284/78-79--अतः मुझे  
ह्वी० आर० जेसाद्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एडमोजरिंग 2144 स्वचायर आर्ड है तथा जो गांव कुर्ला में स्थित है (और 2144 स्वचायर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकारी अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-7-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) जूलियस रोबिन्सन रोड्रिक्स, क्लगु हेवन, बान्द्रा  
टी० पी० एस०-4, बम्बई 400050

(अन्तरक)

(2) 1. श्री शैहजादअली अमजदअली  
2. श्री बाजीदअली रेवाभाई खान

3. श्री मनसुद अहमद मुनीर अहमद

4. देहीखान बकुल्लाखान

5. श्री बरकतअली तालुकदार

6. श्री बमहीरअहमद मुनीर अहमद

7. श्री अब्दुल मजीद मोहमद मीडीक

8. श्री नकमुदअली हाजी मुस्ताफा

9. श्री मोहम्मद रफी अब्दुल करीम

10. श्री अब्दुल शकुर फौजदार

11. श्री रफी अहमद मौलाबख

12. श्री अब्दुल मनवान हाजी अब्दुल सत्तार

13. श्री रेहमतअली बेकार

14. श्री बाफातुल ईमामुद्दीन

15. श्री महमद नसीम गुलाम महमद

16. श्री अब्दुला जानमोहमद

17. श्री आफतअली मोहम्मदअली

18. श्री महमद बमहीर महमद यामीन

19. श्री महमद यामीन हाजी शाहादत

20. श्रीमती मीरमोव्वी, गयद अगफरअली की पत्नी  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तदसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कुर्ला की जमीन का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो कुर्ला गांव दक्षिण मस्जिद बम्बई नगर व उपनगर (उत्तर बम्बई महानगर) जिले में कुर्ला में न्यू आगरा रोड पर मौजूद है, माप से 2144 वर्ग गज यानी 1945.67 वर्ग मीटर के बराबर या उसके लगभग है, जिसका सर्वे नं० 320 हिस्सा नं० 9 (भाग) है और यह इस प्रकार सीमाबद्ध है:—

कि उत्तर में डा० सावलानी की सम्पत्ति सर्वे नं० 320 हिस्सा नं० 19 (भाग) पश्चिम में आगरा रोड

दक्षिण में सर्वे नं० 320 हिस्सा नं० 19 (भाग) और सर्वे नं० 303 हिस्सा नं० 3 (भाग) कुर्ला मिल्स की सम्पत्ति पूर्व में कुर्ला मिल्स की सम्पत्ति सर्वे नं० 320 हिस्सा नं० 19 (भाग)

ह्वी० एस० जेसाद्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III बम्बई

दिनांक : 25 जनवरी 1979

मोहूर :

प्रश्न आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज क्षेत्र, 57 रामतीर्थ मार्ग लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 जनवरी 1978

निर्देश नं० आर129/अर्जन—अन: मुझे, अमर सिंह बिसेन, शंकर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मं० नं० मो-15/274 है तथा जो मो० लल्लापुरा वाराणसी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13/5/1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:—

(1) श्री सीताराम

(अन्तरक)

(2) श्री रामलाल त्रिपाठी

(अन्तरिती)

(3) श्री सीताराम

(वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 15/274 जिसका क्षेत्रफल 169.63 वर्गमीटर बाकें मोहल्ला लल्लापुरा वाराणसी में स्थित है । व इस सम्पत्ति का वह सब विवरण जो कि सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 3157 में वर्णित है और सब रजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 15-5-78 को दर्ज है ।

अमर सिंह बिसेन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 18 जनवरी 1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

जयपुर अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जनवरी 1979

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन—यतः मुझे हरी शंकर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० मकान नं० 72/32 है तथा जो अजमेर में स्थित है, (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजमेर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 29-5-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

एतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मे. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती रानी साहिबा जोधीजी विधवा ठाकुर बृजराज सिंह, सिवाइहाउस अजमेर  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती आनन्द कंवर पत्नी श्री उदय भान सिंह एवं श्री मंग्राम सिंह पुत्र श्री फतेह सिंह, श्रीनगर रोड, अजमेर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 72/32, श्रीनगर रोड, सिवाइहाउस, अजमेर जो उप पंजीयक, अजमेर द्वारा क्रम संख्या 1855 दिनांक 29-5-1978 द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

(हरी शंकर)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 16 जनवरी 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 जनवरी 1979

निर्देश संख्या राज०/सहा०आ० अर्जन/577—यतः मुझे, हरी शंकर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो फतेहपुर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8 जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) सर्वश्री जुगल किशोर जालान, 7 दिगम्बर जैन मंदिर, रोड, कलकत्ता-7
2. लक्ष्मीदत्त जालान, जलन्धर, पंजाब
3. हरी प्रसाद जालान, 4 जयपुर, राजस्थान

4. पुरुषोत्तम लाल जालान, 7 दिगम्बर जैन मंदिर रोड, कलकत्ता

5. किशन देव जालान, 109 एम० जी० रोड कलकत्ता-7 (अन्तरक)

(2) 1. सर्वश्री अब्दुल अजीज

2. मोहम्मद एलियाज

3. गुलाम नबी

4. गुलाम सग्वर

5. अब्दुल अजीज

6. अब्दुल जब्बर

7. लियाकत अली

8. मोहम्मद अली

9. फतेह मोहम्मद

10. इसमायल

11. मोहम्मद हुसैन

12. जफर

13. बशीर

14. सूबेदार दगब खां सभी निवासी फतेहपुर, जिला सीकर (राज०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वार्ड नं० 1, फतेहपुरा, जिला सीकर में स्थित 5 बीघा 17 बिस्वा कृषि भूमि जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, कलकत्ता द्वारा क्रमसंख्या 2884 दिनांक 8-6-78 द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और बिस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 22 जनवरी 1979

मोहर :

## प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर दिनांक 22 जनवरी 1979

निर्देश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/576—यतः मुझे, हरी शंकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० कृषि भूमि है तथा जो फतेहपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7 जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) सर्वश्री जुगल किशोर जालान, 7 दिगम्बर जैन मंदिर रोड, कलकत्ता-7
2. लक्ष्मीदत्त जालान, जलन्धर, पंजाब
3. हरी प्रसाद जालान, 4 जयपुर, राजस्थान

4. पुरुषोत्तम लाल जालान, 7 दिगम्बर जैन मंदिर रोड, कलकत्ता

5. किशन देव जालान, 109 एम० जी० रोड, कलकत्ता-7

(अन्तरक)

(2) 1. सर्वश्री अब्दुल अजीज

2. मोहम्मद एलियाज

3. गुलाम नबी

4. गुलाम सरवर

5. अब्दुल अजीज

6. अब्दुल जम्बर

7. लियाकत अली

8. मोहम्मद अली

9. फतेह मोहम्मद

10. इसमायल

11. मोहम्मद हुसैन

12. जफर

13. बशीर

14. सूबेदार दराब खां सभी निवासी फतेहपुर, जिला सीकर (राज०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

न्यू वार्ड नं० 1, फतेहपुर में स्थित कृषि भूमि जो रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, कलकत्ता द्वारा क्रमांक 2858 दिनांक 7-6-78 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 22 जनवरी 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर दिनांक 22 जनवरी 1979

निर्देश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/606—यतः मुझे,  
हरी शंकर !

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 122 है तथा जो कोटा में  
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 24-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिनों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री बी० के० लोडिया, डिप्टी मैनेजर, डी० सी० एम०  
कोटा

(अन्तरक)

(2) श्री मैजर जनरल एफ० भाटिया पुत्र ई०सी० भाटिया  
माला रोड़, कोटा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 122 क्षेत्रफल 9600 वर्गफीट जो दशहरा  
ग्राउन्ड स्कीम, कोटा में स्थित है और उप पंजीयक कोटा  
द्वारा क्रमांक 691 दिनांक 24-5-78 द्वारा पंजीबद्ध विक्रय  
पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 22 जनवरी 1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—  
 प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 जनवरी 1979

निवेश सं० लुधियाना/4/78-79—अतः मुझे ओ० पी०  
 बंसल

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
 रुपये से अधिक है

और जिस की सं० कोठी नं० 167-जे, क्षेत्रफल 383 वर्गगज  
 है तथा जो करतार सिंह सराभा नगर, लुधियाना में स्थित  
 है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण  
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1978  
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
 तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण  
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
 मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

(1) श्रीमति गुरदेव कौर पत्नी करतार सिंह पुत्र  
 नरंजन सिंह वासी बुर्ज नलकियां, तहसील जग-  
 राओं, जिला लुधियाना, द्वारा श्री अमरजीत  
 सिंह पुत्र बचन सिंह गांव डांगो तहसील व जिला  
 लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री हरदेव सिंह पुत्र श्री बक्सीस सिंह वासी गांव  
 गगड़ा, तहसील जगराओं, जिला लुधियाना,  
 द्वारा श्री सुरिन्दर सिंह, अटरानी, 167-जे,  
 सराभा नगर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

(3) श्री बसंत सिंह, 167-जे, सराभा नगर, लुधि-  
 याना।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग  
 में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

### अनुसूची

मकान नं०-167-ज, क्षेत्रफल 383 वर्ग गज है जो  
 करतार सिंह सराभा नगर लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना  
 के कार्यालय के विलेख सं० 442, मई, 1978 में दर्ज  
 है।)

ओ० पी० बंसल  
 सक्षम प्राधिकारी

तारीख: 8-1-1979  
 मोहर:

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जुन रेंज, लुधियाना।

प्रकरण आई.टी.डी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 जनवरी 1978

निदेश सं० एल०डी०एच०/5/78-79—अतः मुझे  
ओ० पी० बंसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 57-डी, जिसका क्षेत्रफल 1003 वर्ग गज है तथा जो करतार सिंह सराभा नगर, लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, जोर/बा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को; जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री मनजिन्दर सिंह पुत्र उजागर सिंह वासी गांव नारंगवाल, जिला लुधियाना, द्वारा श्री धन्ना सिंह पुत्र चनन सिंह, गांव नारंगवाल, जिला लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती परमजीत कौर पत्नी परितम सिंह वासी 57-डी, सराभा नगर लुधियाना, व श्री दर्शन सिंह, पुत्र संतोष सिंह वासी गांव बसराओं, तहसील जगराओं, जिला लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अनुच्छेद 20-क में यथा परिभाषित हैं; वही अर्थ होगा जो उस अनुच्छेद में दिया गया है।

अनुसूची

अनैक्सी नं० 57-डी, जिसका क्षेत्रफल 1003 वर्ग गज है और जो करतार सिंह सराभा नगर, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख सं० 462 मई, 1978 में दर्ज है)।

ओ० पी० बंसल

सक्षम प्राधिकारी

तारीख : 8-1-1979.

मोहर :

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना



प्ररूप आई० टी० एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

289-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 जनवरी 1979

निदेश सं० सी० एच० डी०/45/78-79—अतः मुझे ओ० पी० बंसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 118, सैक्टर 18-ए, है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :

(1) श्री अवतार सिंह मेखों, वासी 118, सैक्टर 18-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) डा० सवर्ण सिंह आहलूवालिया व श्री चरणजीत सिंह आहलूवालिया, माडल टाउन, लिक रोड, भारत नगर चौक, लुधियाना।

(अन्तरिती)

(3) श्री एम० एम० यादव व श्री एन० सी० टंडान, वासी 118, सैक्टर 18-ए, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्त :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रिदबद्ध अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 118, सैक्टर 18-ए, चण्डीगढ़।

(जयदेव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के बिलेख संख्या 154/1, मई 1978 में दर्ज है)

ओ० पी० बंसल,

सक्षम प्राधिकारी,

तारीख : 8-1-1979. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

मोहर :

अर्जन रेंज, लुधियाना।

प्रकृष धाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 जनवरी 1979

निदेश सं० सी० एच० डी०/15/78-79—अतः मुझे

ओ० पी० बंसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 3101, सैक्टर 21-डी, है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती माया चावला मारफत मसर्ज चावला कलाथ हाऊस, सैक्टर 22-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) लै० क० सरक्षण सिंह, मकान नं० 3001; सैक्टर 21-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3101, सैक्टर, 21-डी; चण्डीगढ़।

(जोयवाद जैसाकि रजिस्ट्रीकृत अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 193/1 मई, 1978 में दर्ज है)

ओ० पी० बंसल,

सक्षम प्राधिकारी;

तारीख: 8-1-1979

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

मोहर:

अर्जन रेंज, लुधियाना।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज; आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 जनवरी 1979

निदेश सं० पी० टी० ए०/118/78-79—अतः मुझे ओ० पी० बंसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि योग्य भूमि जिसका क्षेत्रफल 46 कनाल 19 मरले, है तथा जो गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती वलीप कौर विधवा महाराजा भूपिन्दर सिंह, वासी कोठी लाल, बाग, पटियाला ।

(अन्तरक)

(2) श्री जमविन्दर सिंह पुत्र श्री परितम सिंह वासी गांव घलोड़ी (पटियाला) व श्री गुरमीत सिंह पुत्र तेजा सिंह वासी गांव रणवीरपुरा, तहसील पटियाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

रजिस्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

कृषि योग्य भूमि जिसका क्षेत्रफल 46 कनाल 16 मरले है और जो गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है ।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 782, मई, 1978 में दर्ज है)।

ओ० बी० बंसल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8-1-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1979

निदेश सं० एल० ए० एच०/33/78-79—अतः मुझे  
ओ० पी० बंसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-20-1192 सराभा नगर,  
(प्लॉट नं० 38-डी), है तथा जो लुधियाना में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख मई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में;  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्री प्रशोतम सिंह पुत्र श्री गुरचरण सिंह वासी  
4708 रिज करेट वरजीना, 23803 यू० एस०  
ए० द्वारा मुख्तार ग्राम श्री मीन सिंह वैनीपाल  
पुत्र श्री गुरचरण सिंह वामी 4-डी, 16-ए,  
जनकपुरी, विद्या मार्ग, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सवर्ण सिंह पुत्र श्री दर्नाप सिंह व श्रीमती  
सविन्द्र कौर पत्नी सवर्ण सिंह वासी 38-डी,  
सराभा नगर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 38-डी (नं० बी-20-1192) सराभा नगर,  
लुधियाना।

(जायेंवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना  
के कार्यालय के विलेख सं० 792, मई, 1978 में दर्ज  
है)

ओ० पी० बंसल

मक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10-1-1979

मोहूर :

प्रारूप भाई० टी० एन० एस०—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 जनवरी 1979

निर्देश सं० सी० एच० डी०/140/78-79—अतः मुझे

नत्थूराम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रिहायसी प्लॉट नं० 35 (नया नं० 168) सेक्टर  
19-ए, है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1978  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य धातुओं को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

4-456GI/78

(1) श्री प्रकाश चन्द जयरथ पुत्र श्री संतार चन्द  
जयरथ, बासी 40-साईद, अमीर अला अवधू,  
कलकत्ता ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरिन्द्र कुमार जैन, पुत्र श्री भूमर चन्द जैन,  
बासी 36, सेक्टर 19-ए, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्न के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संवत्ति के अन्तर्न के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायसी प्लॉट नं० 35 (नया नं० 168) जिसका  
क्षेत्रफल 1305.3 वर्ग गज है और जो सेक्टर 19-ए  
चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायेदाव जज्ञा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के  
कार्यालय के विलेज संख्या 107, मई, 1978 में दर्ज है)

नत्थूराम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 22-1-1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 जनवरी 1979

निदेश सं० सी० एच० डी०/154/78-78—प्रतः मुझे, नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० मकान नं० 202, सेक्टर 19-ए, है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती हरबत्स कौर पत्नी श्री प्रसाद सिंह, बासी 202, सेक्टर 19-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री डी० एन० भासीन पुत्र श्री नानक चन्व भासीन व श्रीमती कान्ता भासीन पत्नी श्री डी० एन० भासीन, बासी 202, सेक्टर 19-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सं० 202, सेक्टर 19-ए, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 221/1, मई, 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेन रेंज, लुधियाना

तारीख : 22-1-1979

मोहर :

प्रारूप भाई० टी०एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, प्रायकर वन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 जनवरी, 1979

निदेश सं० ए० एम० एल०/39/78-79—अतः मुझे,  
नरथू राम

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 बीघा है तथा जो  
गांव जसरां नजदीक गोविन्दगढ़, जिला पटियाला में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख मई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों की,  
जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
म उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती सरला देवी पत्नी श्री राज पाल, वासी  
पटियाला।

(अन्तरक)

(2) सर्व श्री गुरमीत सिंह, रविन्दर सिंह, गुरदीप सिंह,  
चरण सिंह, पुत्र श्री मांग सिंह, फोरमैन, मैसर्स  
कौसल स्टील रोलिंग मिल्स, गांव जसरां, मण्डी  
गोविन्दगढ़, जिला पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 बीघा है और जो गांव जसरां  
नजदीक मण्डी गोविन्दगढ़ तहसील अमलोह, जिला पटियाला  
में स्थित है।

(जायेबाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
के विलेख संख्या 137. मई 1978 में दर्ज है)

नरथू राम  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेज, लुधियाना

तारीख : 22-1-1979.

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 जनवरी, 1979

निर्देश सं० डी० एस०/22/78-79—अतः, मुझे नत्थ

राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 बीघा है तथा जो राम नगर चनी वाला बनाम देवीगढ़, सब-तहसील दूधन सूधन, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपरबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दूधन सूधन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राम लाल पुत्र श्री बाधवा, वासी राम नगर चनी वाला बनाम देवीगढ़, जिला पटियाला। (अन्तरक)

(2) श्री उजागर सिंह पुत्र श्री दलीप सिंह, श्री रमेश कुमार पुत्र श्री वेद प्रकाश, सैराज राम स्वरूप व सत्सज द्वारा श्री रामस्वरूप

पुत्र श्री सौधी राम,  
श्री मुखी राम पुत्र हन्सा राम,  
श्री राम किशन पुत्र श्री चरणजी लाल व केवल कृष्ण पुत्र दया राम,  
2. श्री श्रीम प्रकाश पुत्र श्री राम धारी,  
श्री बाबू राम पुत्र श्री सोहन लाल व सर्वर्ण सिंह पुत्र वरयाम सिंह, अमीर चन्द, सत पाल पुत्र श्री गुरदियाल व विजय कुमार पुत्र श्री देस राज,  
श्री पृथ्वी चन्द पुत्र छत्तर मल,  
श्री श्रीम प्रकाश पुत्र श्री मंगल राम व श्री सोहन लाल पुत्र बदरीमल  
श्री राम दया पुत्र गंगा राम,  
श्री गोपाल चन्द व जगदीश चन्द पुत्र राम चन्द,  
श्री कुलवन्त राय पुत्र रौनक राम,  
श्री पवन कुमार व सत पाल पुत्र बनारसी दास,  
श्री हन्स राज व बलदेव राज पुत्र श्री तीथ राम,  
श्री मदन लाल पुत्र श्री सन्त राम, सारे वासी अड्डा, दवीगढ़ सब-तहसील दूधन सूधन, जिला पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 बीघा है और जो राम नगर चनी वाला बनाम देवीगढ़, सब-तहसील दूधन-सूधन, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, दूधन-सूधन के कार्यालय विलेख संख्या 93, मई, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज, लुधियाना

तारीख : 22-1-1979.

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

श्री मुखी राम पुत्र श्री हंसाराम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

दिनांक 22 जनवरी 1979

निर्देश सं० डीएस/21/78-79—अतः मुझे नत्थू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 बिघा 7 बिस्वा है तथा जो राम नगर वाला (देवीगढ़) सब-तहसील दुधां सौधां, तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुधां सौधां में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बन्ता सिंह पुत्र श्री बाधवा, वासी राम नगर चूनी वाला (देवीगढ़) जिला पटियाला ।

2. श्री उजागर सिंह पुत्र श्री दलीप सिंह,

श्री रमेश पुत्र श्री वेद प्रकाश,

मैसर्स राम स्वरूप एण्ड सन्स द्वारा श्री राम स्वरूप पुत्र

सौधी राम,

(2) श्री राम किशन पुत्र चरनजी लाल व केवल कृष्ण पुत्र श्री दया राम, श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री राम धारी, श्री बाबू राम पुत्र सोहन लाल व श्री स्वर्ण सिंह पुत्र श्री बरयाम सिंह, अमीर चन्द, सत पाल पुत्र गरदिसा मल व विजय कुमार पुत्र देश राज, पृथी चन्द पुत्र छत्तरमल, ओम प्रकाश पुत्र श्री मंगल राम व सोहन लाल पुत्र बदरीमल, राम दया पुत्र श्री गंगा राम, श्री गोपाल चन्द व जगदीश चन्द पुत्र राम चन्द, श्री कुलबन्त राय पुत्र रौनक राम, श्री पवन कुमार व सत पाल पुत्र बनारसी दास, श्री हंस राज व बलदेव राज पुत्र तीर्थ राम, श्री मदन लाल पुत्र श्री सन्त राम, सारे वासी अडडा देवीगढ़, सब-तहसील दुधां सौधां, जिला पटियाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 बिघा 7 बिस्वा है और जो राम नगर चूनी वाला (देवीगढ़) सब-तहसील दुधां सौधां, तहसील पटियाला में स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, दुधां सौधां के कार्यालय के विलेख संख्या 92, मई 1978 में दर्ज है )

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 22 जनवरी 1979

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

दिनांक 25 जनवरी, 1979

निदेश सं० पटियाला/71/78-79—अतः मुझे नत्थू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 5238 वर्ग गज है तथा जो गांव अलीपुर अरीआं तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्मा—

(1) श्री अमर सिंह पुत्र श्री झंडा सिंह,  
प्रीतपाल सिंह पुत्र अमर सिंह  
गांव अलीपुर अरीआं, तहसील पटियाला।

(अन्तरक)

(2) श्री साहिब राय खोसला पुत्र श्री खिवमत राय खोसला  
करन भूशन पुत्र श्री मुनी लाल, राधुमाजरा,  
पटियाला। बलदेव सिंह पुत्र गंगा राम, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 5238 वर्ग गज है और जो गांव अलीपुर अरीआं, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 1951, जून, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

दिनांक 25 जनवरी 1979  
मोहर

प्रकरण आई० टी० एन० एन०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

दिनांक 25 जनवरी 1979

निवेश सं० पटियाला/72/78-79—अतः मुझे नत्थू राम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिस की सं० प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 4190 वर्ग गज है तथा  
जो गांव अलीपुर अरीआं, तहसील पटियाला में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1978 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री कुलवन्त सिंह पुत्र श्री अमर सिंह, वासी गांव  
अलीपुर, अरीआं, तहसील पटियाला  
(अन्तरक)

(2) श्री सोहन सिंह पुत्र श्री गन्डा सिंह, श्रीमती अमृत  
कौर पत्नी श्री कुलवन्त सिंह वासी अलीपुर अरीआं,  
तहसील पटियाला श्री साहिब राय पुत्र श्री खिदमत  
राय गांव राघुमाजरा, तहसील पटियाला।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेन :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 4190 वर्ग गज है और जो गांव  
अलीपुर अरीआं, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के  
कार्यालय के बिलेख संख्या 1952, जून, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

दिनांक 25 जनवरी 1979  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 25 जनवरी 1979

निदेश सं० लुधियाना/17/78-79—अतः मुझे नत्थू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जायेदाद नं० बी-20-1065 है तथा जो फिरोजपुर रोड, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1978 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मादा—

(1) मसजि पदम दास एण्ड कम्पनी (बूलन मिलज), फिरोजपुर रोड, लुधियाना द्वारा श्री सतीश कुमार ठंडा पुत्र श्री गुरनरन दाम व श्रीमती सुदर्शन ठंडा विधवा नाम अधार ठंडा, विजय कुमार, सुरिन्दर कुमार, इन्दर कुमार पुत्र श्री पदम दास व श्री सरबजीत पुत्र नाम अधार, श्रीमती फुलन रानी विधवा नन्द किशोर व श्री इन्दरपाल धीर पुत्र श्री मिलखी राम, श्री प्रमोद कुमार धीर पुत्र श्री इन्दर पाल धीर, वासी लुधियाना (अन्तरक)

(2) मैसर्ज रामा जैन होजरी कुम्हा नं० 2, माधोपुरी, लुधियाना द्वारा श्री राम कुमार जैन, श्रीम प्रकाश जैन, जैन्दर कुमार जैन, सुरिन्दर कुमार जैन, पुत्र श्री अमर नाथ व श्रीमती सतवन्ती विधवा अमर नाथ जैन, हिस्सेदार फर्म।

(अन्तरिती)

(3) श्री श्रीम प्रकाश जैन व मैसर्ज अमर सन बूलन मिलज, फिरोजपुर रोड, लुधियाना।

(वह व्यक्ति जिनके अधिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायेदाद नं० बी-20-1065, जो फिरोजपुर रोड, लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 566, मई, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

दिनांक : 25 जनवरी 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 25 जनवरी 1979

निदेश सं० लुधियाना/21/78-79—अतः मुझे नत्थू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 17322 वर्ग गज है तथा जो गांव भौरा, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

5-456 GI/78

(1) मैसर्स दिवान किरपा राम सरन दास, मण्डी केसर गंज, लुधियाना द्वारा दिवान राम सरन दास, रजिस्टर कुमार, सुभाष अन्वर, लक्ष्मण पुत्र दिवान राम सरन दास पुत्र किरपा राम व मैसर्स सगड़ मल राम दास द्वारा दिवान गिरधारी लाल व दिवान थोम प्रकाश पुत्र दिवान राम दास, गुड़ मण्डी लुधियाना ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स नव भारत बनस्पती व अलाईड इंडस्ट्री, टांग किशोरी लाल पुत्र राम रत्न वासी दोराहा ।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसाबद किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 17322 वर्ग गज है और जो गांव भौरा, तहसील लुधियाना में स्थित है ।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विनोद संख्या 601, मई, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 25 जनवरी 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 नवम्बर 1978

निर्देश सं० सी०आर० 62/18014/78-79/एफ्यू/(बी)---

यतः मुझे जे० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 32, कुबेर साहूजी लेन, है, तथा जो दिवान सुरप्पा लेन, चिकपेट लेन, क्रास, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर सं० 434/78-79 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में तमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)

(1) श्रीमती सोना बाई उर्फ वेंकम्मा पत्नी श्री श्री० जी० सुब्बाराव साहूजी

2. श्री गणेश साहूजी उर्फ बी० एस० गणेश राव पुत्र श्री बी० जी० सुब्बाराव साहूजी नं० 8, 1 ब्लाक iii क्रास, जयनगर, बंगलूर-560011

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पेरियानायकी पत्नी श्री के० रामास्वामी, पी/आर मैसर्ज अफ्सरा ट्रेडर्स, 1-18, दिवान सुरप्पा लेन, चिकपेट क्रास, बंगलूर-53 (अन्तरिती)

(3) मेन टेनेट—मैसर्ज देवीचंद पन्नाजी और कं० सबटेनेट (1) मैसर्ज पी० टी० कंडास्वामी मुदालियर 2. मैसर्ज पन्ना टेक्सटाइल्स

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

(4) श्री पी० प्रयागचन्द हाडोड पुत्र लेट पुनम चंद, डेरियोपेट आर० टी० स्ट्रीट क्रास, बंगलूर ।

2. श्री मूलचंद पुत्र जेठमल डी० एस० लेन, चिकपेट क्रास, बंगलूर ।

3. श्री मोहन लाल डी० जैन पुत्र स्वर्गीय देवीचन्द पी/आर मैसर्ज देवीचंद पन्नाजी एण्ड कम्पनी नं० 32, डी० एस० लेन, चिकपेट क्रास, बंगलूर-53

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा दूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 434/78-79 दिनांक 5-5-78)

सारा संपत्ति का नं० 32, कुबेर साहूजी लेन, नाड काल्ड दिवान सुरप्पा लेन, चिकपेट क्रास, बंगलूर-53

चकबंदी

पूर्व : पामाडी सुबा राम सेट्टी की दुकान,

पश्चिम : हिमतमल की दुकान

उत्तर : कुबेर साहूजी लेन और

दक्षिण : देवी चंद पन्नालाल बिल्डिंग्स (या मकान )

जे० एस० राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर,

दिनांक : 10 नवम्बर 1978

मोहूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 30 नवम्बर 1978

निर्देश सं० सी० आर० 62/18562/78-79 एक्यु/बी—

यतः मुझे, पी० रंगानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 417, 18th मेन, है, तथा जो IVth ब्लॉक जयनगर बेंगलूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-5-1978 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० ह्री सुब्रमण्यम पुत्र श्री के० एस० वेंकटराम नं० 417, 18th मेन VIth ब्लॉक, जयनगर, बल्लूर (अन्तरक)

(2) श्रीमती आर० एन० गंगाप्पा पत्नी श्री एच० दासप्पा नं० 3, कृष्णा रोड, बल्लूर-4

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 391/78-79 दिनांक 4-5-1978)

सारा सम्पत्ति का नं० 417, 18th मेनशस, IVth ब्लॉक, जयनगर बेंगलूर-II

चकबंदी:—

पूर्व : 18 मेन रोड

पश्चिम : खाली जगह का नं० 392

उत्तर : खाली जगह का नं० 418

दक्षिण : खाली जगह का नं० 416

पी० रंगानाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 30 नवम्बर 1978

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस.—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० सी० आर० 62/18137/78-79/एक्यू/बी—

यतः मुझे पी० रंगनाथन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 90.00 एकड़ सागु कार्डम्म है तथा जो जमीन सर्वे नं० 6/1, थन्नीमन्नी गांव, मडिकेरी तालुक कुर्ग में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची स और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मडिकेरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-5-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

(1) श्री एस० बी० एस० राव

पुत्र एस० वेंकटरमन भट्ट

2. अरविन्द एस० राव

3. वसंत एस० राव

4. रमण एस० राव

5. भास्कर एस० राव

6. चन्द्रशेखर एस० राव

श्री एस० बी० एस० राव के बच्चे

नं० 2 से 6 के पत्तः नं० 11, चंद्रिका 9वीं रोड, चेंबूर, बम्बई-71 और रिप्रेजेंटेटिव वाई देयर एक्टिंग एटार्नी श्री एस० बी० एस० राव

7. श्री गणेश एस० राव पुत्र श्री एस० बी० एस० राव नं० 1708, 2 फ्लोर, सेक्टर 22-बी, चंडीगढ़, और रिप्रेजेंटेटिव वाई हिज एक्टिंग एटार्नी श्री एस० बी० एस० राव

(8) श्री एस० वेंकटराव पुत्र स्वर्गीय एस० सुब्रह्मा भट्ट, प्लॉट नं० 5, वसुधा, 7 क्रॉस रोड, चेंबूर बम्बई-71

(9) श्री एस० गणेश राव पुत्र स्वर्गीय एस० सुब्रह्मा भट्ट, नं० 59/सी, सुन्दर अपार्टमेंट, साइन ट्रावे रोड, चेंबूर बम्बई-71 नं० 8 और 9 रिप्रेजेंटेटिव वाई देयर एक्टिंग एटार्नी श्री एस० बी० एस० राव

(10) श्री एस० मुकुमार

(11) श्री एस० मोहन

(12) श्री एस० सुधाकर

स्वर्गीय एस० सुब्रह्मा भट्ट के बच्चे

पता : भागमंडला, मडिकेरी तालुक कोडागू जिला

(13) श्रीमती बी० सुब्बाम्मा पत्नी स्वर्गीय श्री एस० सुब्रह्मा भट्ट

(14) कुमारी एस० सुमंगला

(15) मिस एस० कल्पना

(16) श्रीमती सत्यवती पत्नी श्री बी० बी० राधाकृष्ण टीचर, दवरायन हंडी, नाचानहल्ली, पालया पोस्ट, मैसूर जिला

(17) श्रीमती वत्सला पत्नी श्री आर० के० नारायण, परिमला निलाय, गुंडलू पेट मैसूर जिला

(18) श्रीमती वनमाला, पत्नी श्री कुमारस्वामी बैपाडिथ्या थोडिकना गांव, सुलया तालुक, एस० के० जिला

नं० 14 से 18 स्वर्गीय एस० सुब्रह्मा भट्ट के बच्चे, उनके पत्ते : भागमंडला मेडिकेरी तालुक, कुर्ग जिला और वेंडर्ज 13 से 18 रिप्रेजेंटेटिव वाई देयर एक्टिंग एटार्नी श्री एस० बी० एस० राव

(19) श्रीमती बी० निर्मला प्रभाकर पत्नी श्री बी० बी० प्रभाकर बी० ड० एल०, जालहल्ली बेंगलूर, पुत्री स्वर्गीय एस० सुब्रह्मा भट्ट और रिप्रेजेंटेटिव वाई देयर एक्टिंग एटार्नी श्री एस० बी० एस० राव

(अन्तरक)

(2) श्री जार्ज जाकब पुत्र पी० जे० जाकब, प्लॉटर "कैनाडि घर" कूडाथार्ड पोस्ट, थामाराणेरी कालिकट, केरला स्टेट, आप के आज का पता "कैनाडी एस्टेट", चारमबाने पोस्ट मेडिकेरी तालुक, कोडागू जिला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 196/78-79/मर्करा 1सी० दिनांक 10-5-1978)

90.00 एकड़ सागु कार्डम्म जमीन, सर्वे नं० 6/1, थन्नीमन्नी गांव, मेडिकेरी, तालुक, कुर्ग जिला चंकवदी

पूर्व : सर्वे नं० 10/ए

पश्चिम : रिमेनिंग पार्ट का सर्वे नं० 611



उत्तर : सख नं० 10/ए और

दक्षिण : सर्वे नं० 8

पी० रंगनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 15-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 16 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० सी० आर० 62/18382/78-79/एक्यू/बी—

मत: मुझे, पी० रंगनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 76.40 एकड़ है, तथा जो सागु कडम्म जमीन, सर्वे नं० 6/1, थर्मिमन्नी गांव, माडिकेरी तालुक, कुर्ग जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मर्करा में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-5-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त, अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री एस० बी० एस० राव पुत्र एस० वेंकटरमन भट
- (2) अरविंद एस० राव
- (3) वसंत एस० राव

(4) रमेश एस० राव

(5) भासकर एस० राव

(6) चन्द्रशेखर एस० राव

श्री एस० बी० एस० राव के बच्चे

नं० 1 से 6 के पत्ता : नं० 11, चंद्रिका, 9 रोड, चेंबूर बम्बई-71 और नं० 2-6 रिप्रेजेंटेटिव वाई देयर एक्टिंग एटार्नी श्री एस० बी० एस० राव

(7) श्री गणेश एस० राव पुत्र एस० बी० एस० राव, नं० 1708, 2nd फ्लोर, सेक्टर 22-बी चंडीगढ़ और रिप्रेजेंटेटिव वाई हिज एक्टिंग एटार्नी श्री एस० बी० एस० राव

(8) श्री एस० वेंकटेश राव पुत्र स्वर्गीय श्री एस० सुब्राय भट मकान नं० 5, वसुधा, 7 फ़ास रोड, चेंबूर बम्बई 71

(9) श्री एस० नागेश राव पुत्र स्वर्गीय एस० सुब्राय भट नं० 59 सी० सुन्दर अगार्टमेंट्स साइन ट्राम्बे रोड चेम्बूर बम्बई-71 और नं० 8-9 रिप्रेजेंटेटिव वाई देयर एक्टिंग एटार्नी श्री एस० बी० एस० राव

(10) श्री एस० सुकुमार

(11) श्री एस० मोहन

(12) श्री एस० सुधाकर

स्वर्गीय एस० सुब्राय भट के बच्चे

पत्ता : भागमंडला माडिकेरी तालुक कुर्ग जिला

(13) श्रीमती बी० सुब्बाम्मा पत्नी स्वर्गीय श्री सुब्राय भट

(14) कुमारी एस० सुमंगला

(15) कुमारी एस० कल्पना

(16) श्रीमती सत्यवती पत्नी श्री बी० बी० राधाकृष्ण टीचर, देवरायन हुंडी, नाचानहल्ली, पालया पोस्ट, मसूर जिला,

(17) श्रीमती वत्सला पत्नी श्री आर० के० नारायण, परिमला निलय गुन्डुलपेट, मसूर जिला,

(18) श्रीमती वनमाला पत्नी श्री कुमार स्वामी, वैपाडिया, थोडिकाना गांव, सुलया तालुक, एस० के० जिला

वेंडर्ज 14 से 18 स्वर्गीय एस० सुब्राय भट के बच्चे

उनके पत्ता भागमंडला, मेडिकेरी तालुक, कुर्ग जिला और वेंडर्ज 13 से 18 रिप्रेजेंटेटिव वाई देयर एक्टिंग एटार्नी श्री एस० बी० एस० राव

(19) श्रीमती बी० निर्मला प्रभाकर, पत्नी श्री बी० बी० प्रभाकर, बी० इ० एल०, जालहल्ली, बंगलूर-13, पुत्री स्वर्गीय एस० सुब्राय भट और रिप्रेजेंटेटिव वाई देयर एक्टिंग एटार्नी श्री एस० बी० एस० राव (अन्तरक)

(2) श्रीमती ललिता जार्ज पत्नी श्री जार्ज जाकाब "कैनाडी एस्टेट" चेरंबाने, पोस्ट, माडिकेरी तालुक, कुर्ग (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज 197/78-79/मरकरा 1/0 दिनांक 10-5-78)  
76.40 एकड़ सागु काईम जमीन, सर्वे नं० 6/1 यक्ष्मीमो  
गांव, माडिकेरी तालूक कुर्ग जिला  
चक्रवर्ती दस्तावेज में जैसा लिखा गया है वैसा

पी० रंगनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 16 दिसम्बर 1978

मोहर :

#### रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० सी० आर० 62/19393/78-79/एक्यु/बी—

यतः मुझे पी० रंगनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं० 75, हास्पिटल रोड है, तथा जो बलेपेट क्रॉस, बंगलूर-560002 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री टी० बी० पार्थसारथी सेट्टी पुत्र श्री बी० टी० वेंकटाचल सेट्टी

(2) श्रीमती पी० जमुना पत्नी श्री टी० बी० पार्थसारथी सेट्टी

(3) कुमारी टी० पी० गीता

(4) कुमार टी० पी० श्रीनिवासमूर्ति

(5) कुमार टी० पी० वेंकटेशमूर्ति

(6) कुमारी टी० पी० इन्द्रा

श्री टी० बी० पार्थसारथी के बच्चे

पता नं० 13/2 'पार्वति निलय', II मेन रोड, पार्करोड तुलसीशेट्टी, बंगलूर-सिटी और नं० 3-6 रिप्रेजेंटिव बाई देयर पिता गांडियन श्री टी० बी० पार्थसारथी सेट्टी (अन्तरक)

(2) श्री टी० के० डोरास्वामी पिता पी० एस० कंडास्वामी मुदलियार, रा मिल्क मचेंड, श्री चामूडेश्वरी स्टोर्स, श्री राघवेंद्र मार्केट, एवेन्यू रोड बंगलूर-2 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज 992/78-79 दिनांक 23-6-1978)

सारा संपत्ति का नं० 75, हास्पिटल रोड, बलेपेट क्रॉस, बंगलूर-560002

चक्रवर्ती

उत्तर : हास्पिटल रोड

दक्षिण : श्री डी० एन० आरंगर के घर नं० 11 और 119 म्युनिसिपल लेन,

पूर्व : प्रापटी नं० 58 और म्युनिसिपल लेन; और

पश्चिम : श्री डी० एन० आरंगर की प्रोपर्टी

पी० रंगनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 21-12-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० सी० आर० 62/18562/78-78/एक्यू/बी—

यतः मुझे, पी० रंगनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० जगह का माप 0.53 एकड़ है, तथा जो घर नं० 15-7-403, आर्य समाज रोड़ 15th बन्दुर वार्ड, कदरी गांव, मंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-5-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री यू० एल० नारायण राव पुत्र स्वर्गीय डाक्टर यू० सुन्दर राव, एडवोकेट, नं० 581, 3rd मैन रोड़, सदाशिव नगर, बंगलूर-6 और रिप्रेजेंटिड बाई हिज जी० पी० ओ० ए० होल्ड श्री आर० नारायणा आचार पुत्र स्वर्गीय के० आर० आचार एडवोकेट कादरी रोड़, मंगलूर-575003

(अन्तरक)

(2) श्री ए० एच० कुमोल्ली पुत्र शेख इम्राहिम नं० 68, सेंट्रल मार्केट, मंगलूर-575001

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

(दस्तावेज 167/78-79 दिनांक 19-5-78)

जगह का माप 0.53 एकड़ और घर का नं० 15-7-403, आर० एस० नं० 258 ए, टी० एस० नं० 242-ए, आर्य समाज रोड़ 15 बंदुर वार्ड, कदरी गांव, मंगलूर

चक्रबंदी

उत्तर : टी० एस० नं० 243-ए

दक्षिण : टी० एस० नं० 241,

पश्चिम : टी० एस० नं० 246 और 247 और

पूर्व : आर्य समाज रोड़

पी० रंगनाथन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख 22-12-1978.

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड रोहतक

रोहतक दिनांक 9 नवम्बर 1978

निदेश सं० जे०डी०आर/6/78-79—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 13 बीघा 19 बिसवा है तथा जो गोबिन्दपुरी जगाधरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्मा:—

(1) श्री जोतीराम पुत्र चौधरी नानक चन्द कोम तगा ब्राह्मण सकना गोबिन्दपुरी खुर्द व मुखत्यारे ग्राम श्री ईश्वर दत्त पुत्र श्री गोविन्द राम निवासी गोबिन्दपुरी (जगाधरी)

(अन्तरक)

(2) मै० लक्ष्मी दाम भवन लाल 109-ए, माडल टाउन यमुना नगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका रकबा 13 बीघा 19 बिसवा और जिसका खाता नं० 52, खतोनी, नं० 143, खसरा नं० 176/3-2, 177/3-15 178/5-2, 179/4-14, 180/6-12, 183/5-2, 175/1-8 और जो गोबिन्दपुरी (जगाधरी) में स्थित है (सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता जगाधरी के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 630 मास मई 78 पर दर्ज है)

रवीन्द्र कुमार पठानिया

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 9-11-1978.

मोहर:

अर्जन रेंज, रोहतक

प्रकाश आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 नवम्बर 1978

निदेश सं० के० टी० एल०/4/78-79—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका रकबा 15 कनाल 8 मरले है तथा जो पट्टों चोपारियां क्षेत्र में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्वीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, क्षेत्र में राजस्वीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 78 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बाव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

6-456GI/78

(1) रवीन्द्र कुमार पठानिया, सहायक आयुक्त, कुदरी, गिवासी क्षेत्र।

(अन्तरक)

(2) रै० शिव गेंडर सडीत निव, क्षेत्र।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(ग) इस सूचना के जारी होने की तारीख से 45 दिन के अन्दर उक्त संपत्ति के दृश्यमान प्रतिफल पर सूचना का अन्तर्गत सं० 3/78 का अध्याय, या भाग अध्याय बाधक सम्पत्ति के अन्तर्गत पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(घ) इस सूचना के राजस्वीकरण की तारीख से 45 दिन के अन्दर उक्त संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अयोग्यताधारा के पास लिखित में प्रस्तुत किया।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रस्तुत धारों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अनुसूचा 20-ग, में परिभाषित हैं, वही अर्थ लाएँ, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका रकबा 15 कनाल 8 मरले है और जो पट्टों चोपारियां क्षेत्र में स्थित है।

(नमते जै गणेश राजस्वी की क्षेत्र के कार्यालय में राजस्वी कर्मांक 1550 मान अगस्त, 78 पर दर्ज है)।

रवीन्द्र कुमार पठानिया  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक.

तारीख: 9-11-1978.

मोहर:

प्रमाण सं० टी० एच० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, सोनीपत रोड रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 दिसम्बर, 1978

निदेश सं० टी० एच० एन०/5/78-79—अतः मुझे  
रवीन्द्र कुमार पठानिया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विवक्षित  
करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि 63 कनाल 13 मरला है तथा  
जो टोहाना में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय, टोहाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से अधिकतम  
प्रतिफल के लिए अन्तर्लिप्त हो गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वधापूर्वक सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का नग्न प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
व्यवस्थापन के लिए तय प्राप्त गया प्रतिफल, अन्तर्लिप्त  
उद्देश्य से उक्त व्यवस्थापन निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तर्लिप्त द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

[अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हरिकिशन पुत्र श्री गुरदित्त मल, टी स्टाल,  
मन्जी मंडी, नजदीक गांधी चौक, टोहाना।  
(अन्तरक)

(2) श्री बुधू राम पुत्र श्री गाहना राम, बान मरचेंड,  
गांधी चौक, टोहाना।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के  
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति  
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में  
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 63 कनाल 13 मरला  
और जो टोहाना में स्थित है।

(सम्पत्ति जैसाकि रजिस्ट्रेशन नं० 433 में दी है और  
जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी टोहाना के कार्यालय में 8-6-1978  
को लिखी गई)।

रवीन्द्र कुमार पठानिया  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, रोहतक।

तारीख: 15-12-1978.

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीमत रोड रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 दिसम्बर, 1978

निदेश सं० एम० एच० एम०/1/78-79—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि 113 कनाल 7 मरला है तथा जो गांव बहेलवा तह० माहम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, माहम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मानिक बाबा प्रकाश नाथ, चेला बाबा विद्या नाथ, गांव बहेलवा तह० माहम, हाल गांव मंगरिया, जिला श्री गंगानगर।

(अन्तरक)

(2) जो० दलीप सिंह पुत्र श्री सरूप सिंह, श्री बल-जोत सिंह पुत्र श्री दलीप सिंह, गांव बहेलवा, तह० माहम, जिला रोहतक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 113 कनाल 6 मरला है और जो गांव बहेलवा तह० माहम में स्थित है।

(सम्पत्ति जैनादि रजिस्ट्रेशन नं० 325 में दी है और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी माहम के कार्यालय में 30-6-1978 को लिखी गई)।

रवीन्द्र कुमार पठानिया

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 15-12-1978

मोहर :

प्रश्न आर्टो टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भावन मयकार

कार्यालय, सहकार आयात आयात (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, रोहतास रोड रोहतास

रोहतास, जिला 15-12-1978

निदेश नं० मुद्रा/सं० एन०/178-79—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पट्टनिय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण) अर्जेंट रेंज, रोहतास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूचना प्रकाशित की यह विज्ञापन करने का कारण है कि सहायक आयकर अधिकृत उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये निर्धारित है।

और जिला नं० उचित मूल्य 113 कनाल, 6 मरला है तथा जो गांव बहेनगा तह० महम में स्थित है (और इससे उपायधन अनुदान में भी प्रयोजन के लिए है), राजस्व-निर्वाह प्रशासक के कार्यालय महम में, या राजस्व-निर्वाह अधिनियम, 1993 (1993 का 1) के अन्तर्गत, तारीख जून, 1 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरगत में कोई भी व्यक्ति यह विश्वास करने का कारण कि वयस्कीय सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से कम दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरगत (अन्तरगतों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच होने अन्तरगत के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरगत लिखित में वास्तविक रूप से कर्मित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरगत से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरगत के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी अन्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ दायित्वी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जा सकता था, ठिकाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गणेश बाबा प्रकाश नाथ, चेत बाबा विद्या नाथ, गांव बहेनगा तह० महम, हाल गांव संगरेवा, जिला श्री गंगानगर।

(अन्तरगत)

(2) श्री राज सिंह बलीत, पुत्र श्री हरिदासो सिंह, गांव बहेनगा, तह० महम, जिला रोहतास।

(अन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त-सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहतासरी के पास लिखित में लिखा जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि जिरका क्षेत्रफल 113 कनाल, 6 मरला है और जो गांव बहेनगा तह० महम में स्थित है।

(तारीख नैतिक राजस्व-नं० 326 में दी गई है और जो राजस्व-निर्वाह प्रशासक महम के कार्यालय में 30-6-1973 को लिखी गई)।

रवीन्द्र कुमार पट्टनिय

सहायक आयकर अधिकृत

सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, रोहतास

तारीख : 15-12-1978

माहर :



प्रकाश आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 23 जनवरी, 1979

निदेश सं० के० एन० एन०/5/78-79—प्रतः मुखे  
रवीन्द्र कुमार पटानिया, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जुन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि रकबा 1211 कानून, 3 मरले  
सहित 4 ट्यूबवेल तथा विलिड इत्यादि है तथा जो ग्राम चोपड़ी  
तहसील करनाल में स्थित है (और इसे उपायुक्त अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख सई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि उपायुक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
अधिक, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जहाँ भारत में आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

(1) श्री हरबन्ना सिंह, पुत्र श्री सोहन सिंह, मार्फत  
दुकान नं० 49, पटेल बज़ार मार्केट, जी० टी०  
रोड, करनाल तथा मुख्यद्वारे आम, 2. सर्वश्री  
कुलदीप सिंह, करतार सिंह पुत्रान श्री सोहन  
सिंह, 3. श्री गुरचरण सिंह पुत्र श्री अमर नाथ  
4. श्रीमती वीजोवन कौर पत्नी श्री मोहिन्द  
सिंह, 5. श्रीमती गुरचरण कौर पत्नी श्री अजीत  
सिंह।

(अन्तरक)

(2) तर्जुनी 1. कृष्ण लाल, 2. सेवा राम, 3. दौलत  
राम, 4. ओम प्रकाश, पुत्रान श्री भगवान दास  
5. वेद प्रकाश पुत्र कृष्ण लाल, 6. राजिन्द्र  
पान पुत्र सेवा राम, 7. मनोम कुमार पुत्र दौलत  
राम, 8. महेश कुमार पुत्र ओम प्रकाश,  
9. राज कुमार, 10. प्रेम कुमार, पुत्रान  
नारायण दास, सभी निवासी तरावड़ी, तहसील  
करनाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संरिति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

### अनुसूची

भूमि रकबा 1211 कानून 3 मरले वनय 4 ट्यूबवेल  
4 इंजन, 4 कनरे, कौशिक रिजोर्टर और तथा रिहायशी  
मकान जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री  
क्रमांक 768 तिथि 16-5-78 में दिया है।

रवीन्द्र कुमार पटानिया

सश्रम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख : 23-1-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 24 अगस्त 1978

निर्देश सं० ए-188/धु०/78-79/2202-3—अतः मुझे  
एगवर्ट सिंग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी दाय सं० 183 और पि० पत्ता सं० 298  
है तथा जो परगना जमिरा धुवरि शहर में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्री द्वारा अधिकारी के कार्यालय धुवरि में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
17-5-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य धास्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अमूकरण में,  
अ, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती बेना रानी दास, रजिक चन्द्र दास की  
पत्नी आर०के० रित्त रोड, धुवरि, गोवानवाड़ा जिला।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रभा रानी राय, ब्रोजेन्द्र चन्द्र राय की  
पत्नी, एन० एम० रोड, धुवरि।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृष्टाक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के परिमाण 1 (एक) काथा 15 लेवा, उसमें  
एक भाग आर० मि० मि० मकान जो कि परगना जमिरा,  
दक्कित रोड, वर्ड पं० 6, धुवरि शहर, गोवानवाड़ा, जिला,  
आमाम में स्थित है।

एगवर्ट सिंग  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 24-8-1978

मोहर :

प्रमाण प्राई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 24 अगस्त 1978

निर्देश सं० ए०-189/घु०/78-79/2208-9--अतः मुझे  
एंगवर्ट सिंग

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी दाग सं० 143 और पि० पत्ता सं० 214 है  
तथा जो परगना जमिरा धुबरि शहर में स्थित है (और  
इससे ज्वाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धुबरि में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-5-79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कबित  
नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्रीमती बेना रानी दाम, रशिक चन्द्र दाग,  
की पत्नी, आर० के० मिशन रोड, धुबरि, गोवाल-  
पाड़ा, जिला।

(अन्तरक)

(2) श्री शंकर चन्द्र राय, श्रीजेन्द्र चन्द्र राय का पुत्र,  
एन० एम० रोड, धुबरि।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के परिमाण 1 काथा 10 लेवा इसमें एक भाग  
आर० सि० सि० मकान जो कि परगना जमिरा, वफरिन  
रोड, बार्ड सं० 6, धुबरि शहर, गोवालपाड़ा, जिला, आसाम  
में स्थित है।

एंगवर्ट सिंग  
सक्षम अधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख: 24-8-1978  
मोहर:

प्रारूप ग्राह्य० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269B(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 18 जनवरी 1979

निर्देश सं० ग-205/टी० एस० के०/78-79/6933—अतः

मुझे इ० ज० मावलिंग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269B  
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिनकी सं० पट्टा सं० 435, दाग सं० 3104 और  
3105 है तथा जो तिनकुनिया पोखरी, तिनकुनिया, जिला  
डिब्रुगढ़ के नजदीक में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिक-  
कारी के कार्यालय तिनकुनिया में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
2-5-1978

को पूर्णतः संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वतः संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री जोगिन चन्द्र मुबर्जी, 2. श्री सुजित कुमार  
मुबर्जी, 3. श्री अधीर कुमार मुबर्जी,  
गर्भो 4. श्री प्रद्योत कुमार मुबर्जी, स्व० जमान  
चन्द्र मुबर्जी के पुत्र, उत्पत्तारायण प्रेस,  
तिनकुनिया के नजदीक।

(अन्तरक)

(2) श्री सुब्रह्मण्यु बिदाश सेन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जाये करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए अन्तरण किया गया है।

उक्त धारा के अधिनियम के संबंध में कोई भी प्रार्थना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अध्यादेशकारी के पक्ष लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त  
अधिनियम के अनुच्छेद 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माप 2600 स्क्वायर फीट एतः अंश टाइप  
मकान के साथ जो तिनकुनिया पोखरी, तिनकुनिया टाउन,  
मौजा तिनकुनिया जिला डिब्रुगढ़ असम में स्थित है।

इ० ज० मावलिंग,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, शिलांग।

तारीख : 18-1-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 18 जनवरी 1979

निर्देश सं० ए०-206/टी० एम० के०/78-79/6438—

अतः मुझे इ० ज० मावलीग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी दाग सं० 3104 और 3105 और कच्चा पत्र सं० 435 है तथा जो तीनकुनियां पुखरी मौजा तिनसुकियां, डिब्रुगढ़ जिला के नजदीक में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय तिनसुकियां में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-5-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

7-456GI/78

(1) 1. श्री जीवन चन्द्र मुखर्जी, 2. श्री सुशील कुमार मुखर्जी, 3. श्री यशवीर कुमार मुखर्जी, 4. श्री अजीत कुमार मुखर्जी सभी स्व० जमान चन्द्र मुखर्जी के पुत्र, जी० एन० वी० मार्ग, मन्यनागयण प्रेम के नजदीक, तिनसुकिया।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री शिवा प्रसाद राय, 2. श्री सुभाष कुमार राय, 3. श्री शहमल कुमार राय, सभी स्व० खगेन्द्र कुमार राय का पुत्र, सुबाचनी मार्ग, तिनसुकिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माप चार (4) कट्टा सत्रह (17) लसा जो तीनकुनियां पुखरी, मौजा तिनसुकिया, डिब्रुगढ़ जिला असम के नजदीक स्थित है।

इ० ज० मावलीग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, शिलांग

तारीख : 18-1-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री नाडू रंगमायी (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती के० विजयलक्ष्मी (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

अर्जन रेंज-1, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

मद्रास, दिनांक 5 अक्टूबर, 1978

निर्देश सं० 2/मे०/78—अतः, मुझे, श्री० आनन्दराम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 20 है, जो चतुरम स्ट्रीट, डिन्दुकल डिन्दु-  
कल तालुक, मदुरै डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० ओ०-1 डिन्दुकल  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन 29-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में  
लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाब की बाबत; उक्त अधि-  
नियम, के अधिन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है ।

अनुसूची

भूमि और मकान, सं० 20, चतुरम स्ट्रीट, डिन्दुकल ।

श्री० आनन्दराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास ।

तारीख : 5-10-1978  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

(1) श्री डी० वेंकट राव और चार (अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) सर्वश्री राजन ट्रेडिंग कम्पनी (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

अर्जन रेंज-1, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

मद्रास, दिनांक 1 नवम्बर, 1978

निर्देश सं० 23/मई/78—अतः मुझे, श्री० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 318 है, जो लीमी चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एम० आर० ओ०-II, मद्रास, नार्थ (डाक सं० 1606/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 6-5-1978

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि और घर, 318, लिमी चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1 में।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित:—

श्री० आनन्दराम  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 1 नवम्बर, 1978  
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 नवम्बर, 1978

निर्देश सं० 36/मई/78—अनः मुझे, श्री० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 2/2 है, जो टेईलरस रोड, कीलपाक मद्रास-10 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, मद्रास (डाक सं० 449/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-5-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वात् :—

(1) श्रीमती भूपिन्दर कौर (अन्तरक)

(2) श्रीमती के० नवीतामनी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर, 2/2, टेईलरस रोड, कीलपाक, मद्रास-10111

श्री० आनन्दराम  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 3 नवम्बर, 1978

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती भुपिन्दर कौर ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती कांतीमती ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 नवम्बर 1978

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 37/मई/78—यतः, मुझे, श्री० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2/2 है, जो टेईवरस रोड, मद्रास-10 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (डॉक सं० 450/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-5-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई आय किसी की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

### अनुसूची

भूमि और घर, 2/2, टेईवरस रोड, कोलपाक, मद्रास-10

श्री० आनन्दराम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 3-11-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की तरा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 19/मई/78—यतः, मुझे, ओ० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिनकी सं० — है, जो एरकाड में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एरकाड (डाक सं० 90/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-5-1978 को, पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री डी० सी० टपीन्यू हेल्लिन । (अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० पी० तेयवानै आची और एक । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

15 एकरग काफी एस्टेट, एरकाड में।

ओ० आनन्दराम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 8-11-1978

मोहर :

प्ररूप धार्डि० टी० एन० एस०—

(1) श्री डी० सी० डब्ल्यू० हेल्लीन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० एन० सुब्रमनीयन चेट्टीयार

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

मद्रास, दिनांक 8 नवम्बर, 1978

निर्देश सं० 20/मई; 78-अयतः मुझे, श्री० आनन्दराम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

और जिसकी सं० — है, जो एरकाड में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एरकाड (डाक सं०  
91/78) में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 26 मई, 1978 को  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

अनुसूची

16.51 एकरस काफी एस्टेट और 3 घर एरकाड में ।

श्री० आनन्दराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 8-11-1978  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 13/मई/78—यतः, मुझे, ओ० आनन्दराम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
से अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० 59/60 है, जो मूर स्ट्रीट, मद्रास-1 में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस०  
आर० ओ०-II, मद्रास (डाक सं० 1672/78) में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 15-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रति-  
फल के लिये प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
बास्वविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में;  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एच० एम० मोहम्मद हुसैन साहेद ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० वेंकटरमन आचार । (अन्तरिती)

(3) श्री के० मादव आचार (वह व्यक्ति जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और घर, 59/60, घर स्ट्रीट, मद्रास-1 में ।

ओ० आनन्दराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 10-11-1978

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती के० वी० ए० रुक्या बीबी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्रीमती पी० एम० राजलक्ष्मी

(अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

अर्जन रेंज-1, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

मद्रास, दिनांक 30 नवम्बर 1978

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

निर्देश सं० 33/मई/78—यतः, मुझे, श्री० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्रीर जमकी सं० 15 है, जो मारसेलम रोड, मद्रास-8 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (डाक सं० 394/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-5-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में तथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

4820 एस० एफ० भूमि और घर, 15, मारसेलम रोड, मद्रास-8 में।

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्री० आनन्दराम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

तारीख : 30-11-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 नवम्बर 1978

निदेश सं० 34/मई/78—यत, मुझे, श्री० आनन्दराम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 15 है, जो मारसेलस रोड, मद्रास-8 में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास  
(डायूमेन्ट सं० 395/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-5-78  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(6) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती के० वी० ए० रुकीया बोवी  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती पी० एम० श्रीदेवी  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

बखरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

4820 स्क्वेयर फूट भूमि और घर, 15, मारसेलस रोड,  
मद्रास-8 में।

श्री० आनन्दराम  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास।

तारीख : 30-11-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एस० जी० लोगनादन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री एन० परसुरामन

(अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 दिसम्बर, 1978

निर्देश सं० 11/जून/1978—यत, मुझे ओ० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० — है, जो यररहल्ली गांव 1 कावेरी-पट्टीनम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ओ०, कावेरीपट्टीनम (डाक सं० 821/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-6-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के घायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर, यररहल्ली गांव, कावेरीपट्टीनम म।

ओ० आनन्दराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 1-12-1978  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 दिसम्बर, 1978

निर्देश सं० 31/मई/78—यतः भुक्ते, श्री० आनन्दराम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 4 है, जो वेलायूद मूदली स्ट्रीट, आम्बूर  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
आम्बूर (डाक सं० 800/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
15-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को वाबत, उक्त प्रा-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तर्गत के वायित्य  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री डी० एस० वरवराज चेट्टी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गोवरपती बाई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितग्रस्त किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अभि और घर, 4, वेलायूदम चेट्टी स्ट्रीट, आम्बूर  
में।

श्री० आनन्दराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 1-12-1978

मोहर :



प्रकृष धार्ई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती पातीमा बेगम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

(2) श्री बी० गोपालकृष्णन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 दिसम्बर 1978

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

निर्देश सं० 18/मई/78—यतः मुझे, श्री० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आर जिसकी प्लॉट सं० 49 है, जो बालाजी नगर, सेलम-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जी० एस० आर० ओ०-1, सेलम (डाक सं० 1408/73) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के तारीख 31-5-1978 को

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि और घर, प्लॉट सं० 4, बालाजी नगर, सेलम-4 में।

श्री० आनन्दराम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

अतः धन; उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख : 2-12-1978

मोहर :

प्रारूप धार्मिक टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 दिसम्बर 1978

निदेश सं० 22/मई/78—यतः, मुझे, श्री० आनन्दराम प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5 है, जो आचारण्ण स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर० ओ०-II, मद्रास नार्थ (डाक सं० 1644/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-5-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

- (1) श्री एन० डी० एम० मूस्तफाकमल (अन्तरक)
- (2) श्रीमती जम्भूत बेगम (अन्तरिती)
- (3) श्री राजेश कमानी और आधी (वह व्यक्ति; जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाओप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर, सं० 5, आचारण्ण स्ट्रीट, मद्रास-1 में।

श्री० आनन्दराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 8-12-1978  
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 दिसम्बर, 1978

निदेश सं० 44/मई/78—यत, मुझे श्री० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 25/15-4A है, जो मीना विलास, चेटीयार रोड़, कोडैकानल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, जे० ए० आर० ओ० I, मद्रास नार्थ डाकु० सं० 1091/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य भास्तिगों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री बी० चीदम्बरम

(अन्तरक)

(2) मैसर्स मदन पेट्रो केमिकल इन्डस्ट्रीमल कारपोरेशन लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मोतर् पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मोतर् उक्त स्थावर सम्पत्ति पर हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्राह्यता परीक्षास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1. 86 एकड़स भूमि, नाम 'हमीन् विला', चेटीयार रोड़, कोडैकानल में।

श्री० आनन्दराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 19-12-78  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री के० सठगोपन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री रमेश घान्डी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी, 1979

निदेश सं० 6229—यतः मुझे, टी० बी० जी० कृष्ण-मूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एस०-6, II, एवेन्यू है, जो शास्त्री नगर,  
मद्रास-20 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, चेन्नैपेट्टे, मद्रास (डाकुमेन्ट सं० 508/78) में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए, या छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और घर, एस०-6, II एवेन्यू, शास्त्री नगर,  
मद्रास-20 (डाकुमेन्ट सं० 508/78)।

टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 4-1-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 सितम्बर 1978

निवेश सं० 18240/अर्जन/मेरठ/77-78—अतः मुझे, वी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिनकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और हमसे जिनके अनुसूची में आर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारों के कार्यालय मबाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-5-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविकरूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

9-456GI/78

(1) श्री रामवीर पुत्र बुद्धो, नि० ग्राम नारंगपुर, पोस्ट खाम, जिला मेरठ। (अन्तरक)

(2) श्रीमती पिरथो पत्नी हनुषा सिंह, नि० ग्राम जरीला, प० किथौर, पोस्ट नारंगपुर, जिला मेरठ। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति कृषि भूमि स्थित ग्राम मुजफ्फरपुर खुन्डी, जिला मेरठ 27,000 रु० के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

वी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर।

तारीख : 20-9-1978

मोहर।

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 सितम्बर, 1978

निर्देश सं० 18368/अर्जुन/मेरठ/77-78—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मबाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-5-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री न्यादर पुत्र काले नि० ग्राम शमशपुर, प० किथौर, त० मबाना, जिला मेरठ।  
(अन्तरक)

(2) श्री ब्रह्ममिह एवं प्रीतम मिह, पुत्र खच्चर सिंह, रमेशपाल, पुत्र किशन मिह, सुभाष पुत्र चंदू सिंह, नि० ग्राम शमशपुर, पोस्ट बहसुमा, प० हस्तिनापुर, त० मबाना, जिला मेरठ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति कृषि भूमि स्थित ग्राम नाजपुरा प० हस्तिनापुर त० मबाना, जिला मेरठ 35,000 रु० के विक्रय मूल्य में बेची गई।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 20-9-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 सितम्बर 1978

निर्देश सं० अर्जन/134/छिबरामऊ/78-79—अतः मुझे,  
वी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची  
के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के  
कार्यालय, छिबरामऊ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन मई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्त-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री गद्येश्वर व धनश्याम पुत्र रामेश्वरदयाल  
निवासी ग्राम नौगई परगना, छिबरामऊ, जिला  
फर्रुखाबाद। (अन्तरक)

(2) श्री विमलेश चन्द पुत्र लालना प्रसाद व राम  
प्रकाश पुत्र बालादीन दुबे व मदानन्द पुत्र राम  
भरोसे, निवासी ग्राम नौगई, परगना छिबरामऊ,  
जिला फर्रुखाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

अबत सम्पत्ति कृषि भूमि स्थित ग्राम नौगई तहसील  
छिबरामऊ, जिला फर्रुखाबाद, 31700 रु० में बेची गई।

वी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 20-9-1978  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 मितम्बर 1978

निर्देश सं० 54/अर्जुन/कानपुर/78-79--अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-5-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नारायणदास पुत्र हामानन्द निवासी 101/71, तलाक मोहान, कानपुर। (अन्तरक)

2. श्री नारायण दास पुत्र भीष्मचन्द्र और गंगाराम पुत्र माधुमल, निवासी 123/520, फजलगंज, कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अवत सम्पत्ति भूमि जिसकी माप 800 वर्ग गज है, जिसका नं० 3, ब्लॉक 'के' स्कीम-1, गोविन्दनगर, कानपुर में स्थित है इसका हस्तांतरण 55000/- रु० में हुआ है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, कानपुर।

तारीख . 28-9-1978  
मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 सितम्बर 1978

निर्देश सं० अर्जन/105/78-79-अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिनकी सं० अनुसूची के अनुसार तथा जो अनुसूची के अनुसार में भिन्न है (और इनमें उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-6-1978 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा—

(1) श्री चन्द नारायण माथुर, श्रीम नारायण माथुर, प्रकाश नारायण माथुर, राजेन्द्र नारायण शेर, गुरु प्रताप नारायण शेर, अनुमन्त नारायण माथुर, राजेश नारायण माथुर, कुलदीप नारायण माथुर व प्रदीप नारायण माथुर, सभी निवासी छिनी ईट सड़क, आगरा।

(अन्तरक)

(2) श्री बाल कृष्ण महेश्वरी, पुत्र कपूर चंद महेश्वरी निवासी चित्तीखाना, आगरा।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अर्जन सम्पत्ति भूमि व भवन नं० 17/254 पुराना (नया नं० 17/254-ए) स्थित छिनी ईट रोड, आगरा 90000/-रु० में बेची गई।

बी० सी० चतुर्वेदी

मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-9-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28-9-1978

निर्देश सं० अर्जन/44/कानपुर/78-79—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची में स्थित है (और जहाँ उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्वीय अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, राजस्वीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-4-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री महेन्द्र मिश्र निवामी गर पी० सी० बनर्जी रोड, इलाहाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार अग्रवाल, 3/50, नवाबगंज, कानपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सम्पत्ति से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अवल सम्पत्ति भूमि व भवन नं० 3ए/2 आजाद नगर, कानपुर 95,000रु- में बेची गई ।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-9-78  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 सितम्बर, 1978

निर्देश सं० अर्जन/144/इटावा/78-79—अतः, मुझे वी०

सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इटावा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1978 को को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री छक्कीवाल पुत्र पुत्तु लाल, निवासी नवलपुरा, ग्राम लखौर, जिला इटावा।

(अन्तरक)

(2) श्री आंगन सिंह व कुंवर बहादुर सिंह पुत्रगण मनोहर सिंह, निवासी ग्राम लिंगपुर, जिला इटावा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-अ में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

अवल सम्पत्ति कृषि भूमि 21.63 एकड़ स्थित ग्राम हैवारा जिला इटावा 22750 रु० में बेची गई।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-9-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 मितम्बर, 1978

निर्देश सं० अर्जन/64/इटावा/78-79—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इटावा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जगदीश नारायण पुत्र प्यारे लाल निवासी नगला, रमपुरा, बिसुनपुर, लोहरई, पोस्ट बसरेहर जिला इटावा।

(अन्तरक)

2. श्री मनवान सिंह, बाबू सिंह, सोबरन सिंह पुत्रगण जितवार सिंह, गोपाल सिंह व बृजपाल सिंह (ना०वा) पुत्र सुरेन्द्र सिंह मंगक्षिका श्रीमती ऊषा किरन माता निवासी चट्टी, ग्राम खुर्दिनार, पोस्ट बसरेहर जिला इटावा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मजदूरताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति कृषि भूमि 5-10 एकड़ स्थित ग्राम बिसुनपुर लोहरई जिला इटावा, 32000 रु० में बेची गयी।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख 28-9-78  
मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 सितम्बर, 1978

निदेश सं० 56/अर्जन/कानपुर/78-79—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्धित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 17) के अधीन तारीख 19-5-78 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी जन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्मा :—

10—456GI/78

1. डा० वीरेन्द्र स्वरूप पुत्र विजेन्द्र स्वरूप निवासी 15/96, सिविल लाइन्स, कानपुर।  
(अन्तरक)
2. श्री बृजमोहन किशनानामा पुत्र महाराज किशनानामा निवासी 15/96, सिविल लाइन्स, कानपुर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

अचल सम्पत्ति एक बना हुआ मकान नं० 15/264 जो सिविल लाइन्स कानपुर में स्थित है इसका हस्तान्तरण 70,000/- रु० में हुआ है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 30-19-1978  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर, 1978

निर्देश सं० 82/अर्जन/खैर/78-79--प्रतः मुझे विजय भागवत  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के  
अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 24-5-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य प्राप्ति को  
जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित शर्तियों अधीन :--

1. मेहरबान पुत्र श्री अल्ला राजी  
निवासी ग्राम उतावरा, पो० खैर, अलीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री जाकिर अली व जफर अली पुत्र श्री बाकर अली  
निवासी बड़का, खैर, अलीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 15 बीघा, 18 बिस्वा, 10 बिस्वासी, स्थित  
उतावरा खैर, अलीगढ़, 46000 रु० में बेची गयी जिसका कि  
बाजारी मूल्य 72000 रु० है।

विजय भागवत  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 4-11-78

मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 नवम्बर, 1978

निदेश सं० 197/अर्जन/फिरोजाबाद/78-79—यतः मुझे  
विजय भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के  
अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 27-5-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों  
को; जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दुर्गाप्रसाद पुत्र हीरा लाल निवासी ग्राम ललऊ,  
फिरोजाबाद, जिला आगरा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती चन्द्रादेवी पत्नी श्री अर्जुन सिंह, अनेग सिंह पुत्र  
पीताम्बर सिंह, निवासी ग्राम दीलत पुर, फिरोजाबाद  
जिला आगरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम ललऊ, फिरोजाबाद, जिला आगरा  
43000 रु० में बची गयी जिसका कि मूल्यांकन 80000 रु० में  
किया गया है।

विजय भार्गव

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-11-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 नवम्बर, 1978

निदेश सं० 196/अर्जन/फिरोजाबाद/78-79/4377—यतः  
मुझे विजय भार्गव

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकटित—

1. श्री फूलचन्द पुत्र प्यारे लाल, निवासी आतवाला कस्बा, फिरोजाबाद, व श्रीमती सधू मित्तल पत्नी श्री प्रमोद कुमार व अन्य।

(अन्तरक)

2. सर्वोदय सहकारी गृह निर्माण समिति लि०  
फिरोजाबाद द्वारा श्री हनुमान प्रसाद गर्ग पुत्र श्री अम्बिका प्रसदा, बाग छिनामल आगरा गेट, फिरोजाबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रार्थना:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 4141 वर्ग फुट 41415 ह० में बंटी गयी जिसका कि मूल्यांकन अधिकारी ने मूल्यांकन 95000 ह० में किया है।

विजय भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-11-78  
मोहर :



प्ररूप माई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 नवम्बर, 1978

निर्देश सं० 195/अर्जन/फि० वाद/78-79:—अतः मुझे विजय भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित अप्तियों, अर्थात् —

1. श्री नरायण पुत्र राम रतन शर्मा,  
निवासी ग्राम अम्बरपुर, नागऊ, फिरोजाबाद

2. श्री अशोक कुमार, अरुण कुमार व अन्य  
पुत्रगण श्री छोटे लाल शर्मा निवासी ग्राम अकबरपुर,  
नागऊ, फिरोजाबाद ।

(अन्तरिती)

3. श्री नरायण (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि 38000 रु० में बेची गयी जिसका कि मूल्यांकन अधिकारी आगरा ने मूल्यांकन 60000 रु० में किया है ।

विजय भार्गव

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-11-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 दिसम्बर, 1978

निर्देश सं० 84/अर्जन/खैर/78-79—अतः मुझे विजय भागव  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,  
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के  
अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैर,  
अलीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 31-5-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिये ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
अपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1. सर्वश्री रतबीर, चन्द्रपाल पुत्राण राम सिंह निवासी ग्राम  
बजोता, पी० बजोता जिला अलीगढ़ ।  
(अन्तरक)

2. सर्वश्री अमीचन्द, मनोरलाल शर्मा पुत्र श्री शिवलाल  
निवासी वडा० बिजोता, जिला अलीगढ़ ।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 1 में है ।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा; जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित भूमि व पोस्ट बिजोता, जिला अलीगढ़ 28000  
रु० में बेची गयी जिनका कि उचित बाजारी मूल्य 60000 रु०  
आंका गया है ।

विजय भागव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 6-12-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 दिसम्बर, 1978

निदेश सं० 2920/अर्जन/बु०शहर/78-79—अतः मुझे  
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के  
अनुसार में स्थित है (और जो इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बुलन्दशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 29-5-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
सम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात्:—

1. रामप्रकाश व दयानन्द पुत्रगण ध्योराम ग्राम चितमोना  
पो० स्थाना, बुलन्दशहर।

(अन्तरक)

2. श्री बालेश्वर पुत्र कालीचरण ग्राम थलईनायतपुर,  
परगना, स्थाना व जिला बुलन्दशहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि, ग्राम चितमोना, प० स्थाना, जिला बुलन्दशहर  
45750 रु० के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 22-12-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 दिसम्बर, 1978

निदेश सं० 3088/अर्जन/बु०शहर/78-79—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के अनुसार में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खुर्जा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-5-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में लगे करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

1. श्री लक्ष्मी व सोहन लाल पुद्गण श्री डालचन्द सनी, निवासी मोहल्ला कोट, कस्बा खुर्जा जिला बुलन्दशहर।

(अन्तरक)

2. अशोक कुमार व राकेण कुमार पुद्गण श्री श्याम लालसैनी निवासी मोहल्ला कोट, कस्बा खुरजा, बुलन्दशहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि स्थित कस्बा खुरजा बुलन्दशहर 20,000 रु० के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अजन रेंज, कानपुर

तारीख 22-12-78  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 दिसम्बर, 1978

निपुण सं० 3560/दि० दून/78-79—अतः मुझे बी० सी०  
चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो सूची के अनुसार  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 10-5-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

11-456GI/78

1. श्रीमती सत्यवती गुप्ता,

28-सी, चकराता रोड, यमुना कालोनी, देहरादून।

(अन्तरक)

2. श्री हरी मिह पुत्र श्री गढ़ मिह रघुबीर मिह पुत्र श्री जान  
मिह, नि० ग्राम सरमवाज तहसील नकुड़, जिला  
महाराजपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

मकान नं० 28-सी, चकराता रोड, यमुना कालोनी  
देहरादून, 60,000 रु० के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 22-12-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 जनवरी, 1979

निदेश सं० 258 ए/मेरठ/78-79—अन मझे बी० सी० चयवेंदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मवाता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-5-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी कति आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अन: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री लालसिंह पुत्र गंगा सहाय निवासी ग्राम अटौरा डा० मवाना, पर० हस्तिनापुर तह० मवाना जिला मेरठ ।

(अन्तरक)

2. श्री राम शरणा पुत्र कावे सिंह निवासी ग्राम खडेकी जडी व राम सिंह व मान सिंह व मुन्हेरा व श्याम पत्र पुत्रगण लाल सिंह निवासी ग्राम अटौरा, परगना हस्तिनापुर, डा० मवाना, जिला मेरठ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम अटौरा ख० न० 466 मि./614 है 43,400 रु० में बेची गयी जिसका कि स्टाम्प मूल्य 90113 रु० है ।

बी० सी० चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी,

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 4-1-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 जनवरी, 1979

निदेश सं० 367ण/अर्जन/मेरठ/78-79—अतः मुझे बी०  
सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची  
अनुसार स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण  
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
महाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 11-5-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
गुन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती प्रेमवती विधवा टीकाराम ग्राम व डा०  
परीक्षितगढ़, जिला मेरठ।

(अन्तरक)

2. श्री महेशचन्द्र नरेश चन्द्र पुत्रगण जगन्त सिंह त्यागी व  
शिवचरण शर्मा पुत्र हरस्वरूप शर्मा, निवासी ग्राम  
राजपुर मजरा, परीक्षितगढ़, जिला मेरठ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

कुपि भूमि स्थित ग्राम परीक्षितगढ़, 45,000 रु०  
में बेची गयी जिसका कि स्टाम्प मूल्य 1,22,087 रु० है।

बी० सी० चयवेंदी  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख 4-1-79

मोहर

ग्रहण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ख (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जनवरी, 1979

निर्देश सं० 66/अर्जन/हाथरस/78-79—अन सुझे बी०  
सी० चयवेंदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

आर जिनकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इन्हें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हाथरस में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-5-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने से अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती महादेवी स्त्री श्री छज्जामहव किशनदेव  
राम स्वस्थ निवासी बिसाना तह्० हाथरस,  
जिला अलीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गूलाव देवी पत्नी राममरन व किशनदेवी पत्नी  
श्री मनखान सिंह निवासी बिसाना डा० बिसाना,  
तह्० हाथरस, जिला अलीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जारी किए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित में है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कुछ भूमि स्थित बिसाना तहसील हाथरस, 27000 रु०  
में रंची गयी जिसकी कि स्टाम्प मूल्य 80000 रु० है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 6-1-79

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जनवरी 1979

निर्देश सं० 139/अर्जन/पुरवायां/78-79—अतः मुझ  
वी० सी० चतुर्वेदीआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची में  
में स्थित है (आर इससे उपावद्ध अनुसूची में आर जो पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पुरवायां में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
16-5-78को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—1. श्री छिड़ी आ-मज हरप्रसाद ग्राम बुधड़ा, देरापुर  
परगना, भोलीपुर, जिला कानपुर

(अन्तरक)

2. श्री रामस्वरूप, बाबूराम, व रामसेवक पुत्रगण रामसेवड़ी  
ग्राम बुधड़ा, देरापुर,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांश समान के अर्जन के  
लिये एतद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करना है।

उक्त समान के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पान लिखित में किया जा सके।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम बुधड़ा, देरापुर जिला का कि क्षेत्रफल  
है 44000 रु० में बंटी गयी जिला का कि स्टाम्प मूल्य 88000  
रु० है।

वी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख: 6-1-79

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन क्षत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 दिसम्बर, 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकवी०/भोपाल/78-79/  
1211—अन: मुझे बी० एल० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-5-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय, आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती स्नेहलता बाई पति श्री भूपालसिंह धारीवाल, निवासी भीलवाड़ा हाल मुकाम मनोरमा गंज; इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्री प्रदीप कुमार गया प्रसाद जैन, निवासी 92, जानकी नगर, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अव्योहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वोद्घोषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट नं० 5 ए, एरिया 40' × 180' विकटरी स्टेट, कालोनी, 21, रेमीडेन्सी एरिया, इन्दौर।

बी० एल० राव  
सक्षम प्राधिकारी  
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख : 28-12-1978  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 दिसम्बर, 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/1212—अतः मुझे बी० एल० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०ों अधिक है

और जिसकी सं० सक्कान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के के अधीन, 3-5-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का सन्दर्भ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के प्रसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

(1) 1. श्री चन्द्र सेन राव पिता श्री गोविन्द राव सनकर, 2. श्रीमती निला सूरि पति श्री रमण कुमार सूरि, दोनों निवासी 3. रमिडेन्सा एरिया, ए० बी० रोड, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री ब्रज मोहन पिता श्री भोहू राम जी अग्रवाल निवासी 419, महात्मा गांधी मार्ग, इन्दौर। (अन्तरिणी)

(3) किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोहस्तावरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सक्कान नं० 304 का भाग स्थित जवाहर मार्ग, इन्दौर।

बी० एल० राव

मक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 28-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ख (1) अर्थात् सूची

अनुसूची

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 दिसम्बर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/

1213—अनः मुझे बी० एल० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण व हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;

और/या

(ख) ऐसी क्रिया प्रत्यय किन्ना धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भागना आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रयुक्त किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) 1. श्री चन्द्र सेन राव पुत्र श्री गोविन्द राव मतकर व 2 श्रीमती सीता तुरी पति श्री गणेश कुमार तुरी, निवासी 3, रेसीडेन्सी एंग्वा, ए० बी० रोड, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री मुकेश पिता श्री लक्ष्मी नारायण निवासी 197, तिलक पथ, इन्दौर।

(अन्तरिती)

(3) किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 304 का भाग स्थित जवाहर मार्ग, इन्दौर

बी० एल० राव

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 28-12-1978

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 दिसम्बर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/1214—अतः, मुझे, बी० एल० राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-5-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, उठाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्थातः—

12—456GI/78

- (1) 1. श्री चन्द्र सेन राव पुत्र गोविन्द राव मतकर और 2. श्रीमती नीला सूरि पति श्री रमण कुमार सूरि निवासी 3, रेसीडेन्सी एरिया, ए० बी० रोड, इन्दौर। (अन्तरक)
- (2) श्री प्रथम सुन्दर पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, निवासी 197, तिलक पथ, इन्दौर। (अन्तरिती)
- (3) किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 304 का भाग स्थित जवाहर मार्ग, इन्दौर।

बी० एल० राव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 28-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 दिसम्बर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एकवी/भोपाल/78-79/  
1215—अतः, मुझे बी० एल० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
हसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में  
स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 15-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(i) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

(1) 1. श्री चन्द्रसेन राव पुत्र श्री गोविन्द राव मतकर  
और 2. श्रीमती नीला सूरि पत्नी श्री रमण  
कुमार सूरि, निवासी 3. रेसीडेन्सी एरिया, ए०  
बी० रोड, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री भगवान दाम पुत्र श्री ब्रजमोहन अग्रवाल,  
निवासी 819, एम० जी० रोड, इन्दौर।

(अन्तरिती)

(3) किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं वही प्रयुक्त होंगे जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 304 का भाग स्थित जवाहर मार्ग, इन्दौर।

बी० एल० राव,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 28-12-1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 दिसम्बर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एन्वी०/भोपाल/78-79/  
1216—अतः मुझे बी० एल० राव  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है और

और जिसकी सं० बंगला है तथा जो जबलपुर में स्थित है  
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 6-5-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

- (1) श्री विनय भास्कर पुत्र श्री टी० एन० भास्कर  
निवासी 659 नेपियर टाउन जबलपुर  
(अन्तरक)
- (2) श्री जसवन्त राय हांडा पुत्र स्व० श्री डेरामल  
हांडा निवासी ग्राम पो० ओ० नुकवा जिला  
बालाघाट।  
(अन्तरिती)
- (3) 1. श्रीमती कमला देवी उप्पल- परनी स्व० श्री  
सी० एल० उप्पल, 2. श्री आर० के० उप्पल,  
पुत्र श्री स्व० श्री ऐल उप्पल, 3. श्री जे० एम०  
उप्पल पुत्र श्री स्व० सी० एल० उप्पल।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

संश्लेषणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंगला नं० 650/651, नेपियर टाऊन, जबलपुर।

बी० एल० राव  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
भर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 28-12-1978  
मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

सहायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सह-युक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 दिसम्बर, 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/  
1217—अतः मुझे बी० एल० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० खुली भूमि है, तथा जो इन्दौर में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
21-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री महाराज किशन कौल पुत्र श्री नंद लाल जी  
कौल निवासी 7/1, उषा गंज, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रियाम सुन्दर द्विवेदी, पुत्र स्व० श्री हीरा  
लाल जी द्विवेदी, निवासी 7/1, उषा गंज, इन्दौर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

खुली भूमि माप 4000 वर्ग फुट स्थित 7/1, उषा  
गंज, इन्दौर।

बी० एल० राव  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 28-12-1978

सोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 दिसम्बर, 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एकवी०/भोपाल/78-79/  
1218—अतः मुझे बी० एल० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
2-6-1978 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित क गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिती)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

(1) श्रीमती गिमला देवी पत्नी श्री रमेश चन्द्र जी,  
जनवासीया निवासी 323 एम० जी० रोड,  
इन्दौर। (अन्तरक)

(2) श्री लालाराम जी पुत्र श्री बुदुमल चौरासिया,  
15/1, कृष्णापुरी, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्त धरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सपक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

तीन मंजिल बिल्डिंग बियरिंग नं० 22/2 स्थित देवी  
अहिल्या मार्ग, जेल रोड, इन्दौर।

बी० एल० राव  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 28-12-1978  
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 दिसम्बर, 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/  
1219—अतः मुझे बी० एल० राव  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो धार में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धार में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-6-78  
को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धार की वास्तविक उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

(1) श्री किशोरी लाल सूरज मल द्वारा मैसर्स हजारी  
लाल किशोरी लाल 68, जवाहर मार्ग, धार।

(अन्तरक)

(2) श्री कैलाश कुमार, पुत्र श्री नाथू लाल साहू,  
निवासी ओसान बाग, कन्नोद रोड, इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

## अनुसूची

एक दो मंजिला मकान बियरिंग नं० 188, बार्ड नं०  
7, बख्तावर सिंह मार्ग, धार।

बी० एल० राव

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख : 28-12-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकवी०/भोपाल/78-79/  
1220—अतः मुझे, बी० एल० राव,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० में अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है  
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
7-7-78 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पश्चात् प्रतिफल से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायिन्ब में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों,  
को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए,

(1) श्री बालकृष्ण पुत्र श्री लक्ष्मण दास निवासी  
14/1, शंकर बाजार, इन्दौर।  
(अन्तरक)

(2) 1. चन्द्रकान्त मणी लाल पारेख निवासी 56  
वल्लभ नगर, इन्दौर, 2. श्री सुरेश चन्द्र सुमन-  
लाल, बूड़गर, 3. श्री पंकज कुमार, सुमन लाल,  
बूड़गर, निवासी 84, वल्लभनगर, इन्दौर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रचोदितकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सावधानीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होना जो उस प्रध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 20/1, सियागंज मैन रोड, इन्दौर।

बी० एल० राव,

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक प्रायकर आयुक्त

अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब  
प (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों :—

तारीख : 28-12-1978

मोहर :

प्रारूप धार्मिक टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 दिसम्बर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/  
1221—अतः मुझे बी० एल० राव

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० भूमि व बिल्डिंग है, तथा जो रीवा में  
स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रीवा में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 26-7-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिबोधों, अर्थात्:—

- (1) 1. श्री पवन दाम पुत्र श्री हंसराज सिन्धी,  
(2) श्री प्रीतम दाम सिन्धी दोनों निवासी  
मोहल्ला धोधर, रीवा।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री पुष्पराम सिंह (अवयस्क) पुत्र श्री तीरथ  
राज सिंह, 2. श्रीमती उर्मिला देवी पत्नी श्री  
तीरथराज सिंह, निवासी ग्राम सिन्धी, तहसील  
गोपत बनास, जिला सिन्धी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

पुष्पराम होटल के नाम से प्रसिद्ध बिल्डिंग बियारिंग  
नं० 1/269 स्थित प्लॉट नं० 933 और 935 विक्रम  
पुल के पास, मोहल्ला धोधर, रीवा।

बी० एल० राव,  
सक्षम प्राधिकारी  
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 28-12-1978  
मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एम० आर०-III/  
455/मई/78-79—अतः मुझे, अंजनी ओजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्राम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी संख्या 26/172 है तथा जो जोर बाज, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 6-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्राम करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
गाम्बिरीय रूप से गणित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
राशियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

13—456IG/78

(1) मी० सैफबेए एन्टरप्राइजेज प्रा० लि०, इनके  
डायरेक्टर श्री महेन्द्र कुमार गुप्ता के द्वारा,  
निवासी 1170, कृचा महाजनी, चावनी चौक,  
दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मी कुट्टी पिलाए, विधवा पत्नी श्री  
(श्री०) पी० पी० पिलाए, निवासी एल-1, हाउस  
खाम, नई दिल्ली-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

## अनुसूची

प्लॉट जिसका नं० 26, ब्लॉक नं० 172 है और  
क्षेत्रफल 1666.66 वर्ग गज है, जोर बाग, नई दिल्ली में  
निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : मेन रोड  
पश्चिम : प्लॉट नं० 25, ब्लॉक नं० 172  
उत्तर : लोधी रोड  
दक्षिण : सर्विस रोड

अंजनी ओजा,  
मक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 29-1-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 1

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना दिनांक 28 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० —2971/अर्जन/—अतः, मुझे, ज्योतिन्द्रनाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० पुराना म्युनिमिपल होल्डिंग नं० 59960 है, तथा जो एम० एम० होल्डिंग नं० 147, एम० एम० प्लॉट नं० 267 वार्ड नं० 5 रांची म्युनिमिपल कारपोरेशन रांची में स्थित है (और इसमें उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रांची में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-5-78 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नव पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी कितनी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती मरणा प्रभा बाजपेई पत्नी स्वर्गीय ए० टी० बाजपेई और अनावा पोस्ट—रांची जिला रांची (अन्तरक)

(2) श्री कश्मीरी लाल मलहोत्रा द्वारा मैसर्स कश्मीरी बस्वालय पोस्ट रांची जिला रांची (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरारी जमीन का रकबा 10 कट्टा 10 छटांक जिसका म्युनिमिपल सर्वे होल्डिंग नं० 147, एम० एम० प्लॉट नं० 267 वार्ड नं० 5 रांची के अन्तर्गत है जो पूर्णरूप में दस्तावेज नम्बर 4626 दिनांक 19-5-78 में वर्णित है और जो जिला श्रवर निबन्धन पदाधिकारी पटना द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतिन्द्र नाथ

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 28 दिसम्बर 1978

मोहर :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 12th January 1979

No. P/1867-Admn.I.—In continuation of this office notification of even number dated 29th January 1977, Dr. Pramesh N. Kapoor has been appointed to the post of Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission for a further period of 6 months w.e.l. the forenoon of 1st November, 1978 or until further orders, whichever is earlier, in terms of the proviso to Regulation 4 of the Union Public Service Commission (Staff) Regulations 1958.

S. BALACHANDRAN

Under Secy.

for Chairman.

Union Public Service Commission.

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPTT. OF PERSONNEL &amp; A. R.

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 16th January 1979

No. A-19020/1/79-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri R. C. Jha, IPS (1961—Madhya Pradesh) as Deputy Inspector General of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment with effect from the afternoon of 9th January, 1979 and until further orders.

The 20th January 1979

No. K-3, 70-Ad.V.—On expiry of his term of deputation in the Central Bureau of Investigation, Shri K. K. Puri, IPS (1956—Madhya Pradesh) relinquished charge of Office of the Deputy Inspector General of Police, Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment on the afternoon of 10th January, 1979, and proceeded on 120 days' earned leave. On the expiry of his leave, he will report to the State Government for posting.

S. K. JHA

Deputy Director (Admn.), C.B.I.

New Delhi, the 16th January 1979

No. A-6/71-AD.V.—Consequent on his repatriation from the Shah Commission of Inquiry, Shri A. W. Degwakar, Dy. Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, assumed the charge of the Office of Dy. Supdt. of Police in C.B.I. with effect from the forenoon of 2nd January 1979.

The 18th January 1979

No. H-8/74-AD.V.—Consequent on his repatriation from Commission of Inquiry on Maruti Affairs, Shri H. P. Singh, Dy. Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, assumed charge of the Office of Dy. Supdt. of Police in Central Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 3rd January 1979.

JARNAIL SINGH

Administrative Officer (F) C.B.I.

## DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 18th January 1979

No. D.J-18/78-Fstt.—The services of Shri S. C. Sharma, Dy. S.P., EDP Cell, Directorate General, CRPF are placed at the disposal of Directorate of Co-ordination Police Computers, Ministry of Home Affairs on deputation basis with effect from the forenoon of 7th December 1978.

The 20th January 1979

No. F. 2/25/78-Estt.—The President is pleased to appoint on ad hoc basis Shri M. S. Hundal, an officer of Punjab State Police presently on deputation to CRPF as Dy. S. P., as Joint Assistant Director (Legal) in the CRPF on deputation basis until further orders.

2. Shri M. S. Hundal handed over charge of the post of Dy. S.P./DAD (Legal) in the Dte. Genl., CRPF on the

forenoon of 22nd November 1978 and took over charge of the post of JAD(L.) in the office of IGP S/III, CRPF New Delhi on the forenoon of 22nd November 1978.

The 22nd January 1979

No. O.II-1089/78-Estt.—The President is pleased to accept resignation of Dr. Subhash Chandra, Senior Medical Officer, Base Hospital-I CRPF New Delhi, with effect from 3rd January 1979 (AN).

A. K. BANDYOPADHYAY

Assistant Director (Adm.).

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi, the 20th January 1979

No. E-38013(3)/2/78-Pers.—On transfer from Bokaro Shri R. M. Upadhyay, assumed the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF HQrs, New Delhi with effect from the forenoon of 8th January 1979 vice Shri Sheoraj Singh, Asstt. Commandant, who on transfer to Calcutta relinquished the charge of the said post with effect from the same date.

R. C. GOPAL

Inspector General/CISF.

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 20th January 1979

No. 10-38/78-Ad.I.—The Registrar General, India is pleased to appoint Shri Mahesh Ram, Senior Geographer in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Map Analyst in the same office on a purely temporary and ad hoc basis for a period of two months with effect from 1st January 1979 to 28th February 1979, or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter. The headquarters of Shri Ram will be at New Delhi.

2. The ad hoc appointment as Map Analyst will not bestow on Shri Ram any claim to regular appointment to the post. The services rendered by him as Map Analyst on ad hoc basis will not count for the purpose of seniority in the grade and for eligibility for promotion to any higher post. This ad hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the Appointing Authority without assigning any reason therefor.

V. P. PANDEY

Deputy Registrar General, India.

## OFFICE OF THE A.G.C.R.

New Delhi, the 12th January 1979

No. Admn.I/O.O. No. 502/5-5 Promotion/77-79 2239.—The following Accounts Officers of this office retired voluntarily from Govt. service with effect from the afternoon of 30th November 1978, after completion of more than 20 years of qualifying service, in terms of the Govt. of India, Ministry of Home Affairs O.M. No. 25013/7/77-Estt(A) dated 26th August 1977.

1. Shri H. R. Chaudhary—Permanent Accounts Officer
2. Shri D. N. Gupta—Officiating Accounts Officer.

The 19th January 1979

No. Admn.I/O.O.-483/5-5/Promotion/77-79/2129.—Shri S. K. Bassi, an officiating Accounts Officer of this Office, has retired voluntarily, from Government service with effect from the 30th September, 1978 (A.N.), after completion of more than 20 years qualifying service, in terms of G.I. Ministry of Home Affairs, O.M. No. 25013, 7, 77-Estt(A) 26th March 1977.

Shri Bassi entered Govt. service on 7th March 1952 and his date of birth is 15th September 1928.

Sd/- ILLEGIBLE

Sr. Deputy Accountant General (Admn.).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL UTTAR  
PRADESH-I

Allahabad, the 9th January 1979

No. Adm.I/11-144(XV)/250.—The A.G. U.P. I Allahabad has appointed the following Section Officers to officiate as Accounts Officer in this Office until further orders with effect from the dates noted against each :

1. Gokaran Nath Dixit—31st July 1978 F.N.
2. Bhagwan Singh Chauhan—16th October 1978 F.N.
3. Virendra Kumar Srivastava—11th December 1978 F.N.
4. Jamuna Prasad Kureel—16th December 1978 F.N.

U. RAMACHANDRA RAO  
Sr. Deputy Accountant General (A).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I  
MADHYA PRADESH

Gwalior, the 11th January 1979

No. OE-I/397.—The Accountant General-I, Madhya Pradesh has been pleased to promote Shri P. K. Tiwari, Permanent Section Officer (02/0243) as Accounts Officer w.e.f. 30th December 1978 F.N. in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200.

KRISHNA GOPAL  
Senior Deputy Accountant General (Admn.).

MINISTRY OF LABOUR  
LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 3rd February 1979

No. 23/3/78-CPL.—The All India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 decreased by five points to reach 335 (three hundred and thirty five) during the month of December, 1978. Converted to base 1949=100 the index for the month of December, 1978 works out to 407 (four hundred and seven).

A. S. BHARADWAJ  
Joint Director.

D.G.O.F. HQrs. CIVIL SERVICE  
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES  
Calcutta, the 10th January 1979

No. 1/79/A/E-1.—On attaining the age of superannuation, Shri Sudhansu Kumar Datta, Subst. & Permt. Asstt. Ty. A.S.O. retired from service with effect from 31st December 1978 (A.N.).

D. P. CHAKRAVARTI  
ADGOF/Admin.  
for Director General, Ordnance Factories.

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND  
COOPERATION  
(DEPARTMENT OF COMMERCE)  
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS  
AND EXPORTS

New Delhi, the 17th January 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL  
(ESTABLISHMENT)

No. 1/17/78-Admn(G)/490.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shri K. L. Dube, Junior Analyst (Gazetted—Group 'B') in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi in a substantive capacity with effect from 1st December, 1978.

RAJINDRA SINGH  
Dy. Chief Controller of Imports and Exports  
for Chief Controller of Imports and Exports.

MINISTRY OF INDUSTRY  
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)  
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi-110011, the 15th January 1979

No. 12(155)/61-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri R. Lakshminarasimhiah, Director (Gd. I) (Mechanical), Directorate of Production Centres, Ettumamur and Tiruvalla, Ettumamur as Director (Gd. I) (Assistance to Engineer Entrepreneurs), Office of Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi on deputation basis for a period of one year with effect from the forenoon of 1st January, 1979.

2. Consequent upon his appointment, Shri R. Lakshminarasimhiah relinquished charge of the post of Director (Gr. I) (Mechanical) in Directorate of Production Centres, Ettumamur and Tiruvalla, Ettumamur on the afternoon of 8th December, 1978 and assumed charge of the post of Director (Gr. I) (Assistance to Engineer Entrepreneurs) on the forenoon of 1st January, 1979 in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi.

No. 12(538)/66-Admn.(G).—Consequent upon his proceeding on deputation for two months as Indian Expert for the Project of the Economic and Social Council for Asia and Pacific, Bangkok on the Integrated Industrialisation in Non-Metropolitan Areas, Shri S. C. Pandey relinquished charge of the post of Industrial Adviser (Chemical), in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi on the afternoon of 5th January, 1979.

The 17th January 1979

No. A-19018(18)/73-Admn (G).—The President is pleased to accept the resignation of Shri K. Duraiswamy, temporary Assistant Director (Gr. I) (Electrical) in the Extension Centre, Pondicherry, from Government service with effect from the afternoon of December 4, 1978.

2. This Office Notification of even number dated December 19, 1978 is hereby cancelled.

M. P. GUPTA  
Deputy Director (Admn.).

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS  
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-I, the 10th January 1979

No. A-1/1(1130).—The Director General, Supplies & Disposals hereby appoints Shri K. V. Sivaramakrishnan, Supdt. in the office of the Director of Supplies & Disposals, Bombay, to officiate on regular basis as Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the office of the Director of Supplies & Disposals, Madras with effect from the forenoon of 26th December 1978 and until further orders.

SURYA PRAKASH  
Deputy Director (Administration)  
for Director General of Supplies & Disposals.

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 18th January 1979

No. E.11/(7).—In this Department's Notification No. E. 11/(7) dated 11th July, 1969 :—

- Under Class 2—NITRATE MIXTURE  
(i) in the entry "MONOETHANOL AMINE BASED SLURRY EXPLOSIVES" for the figures "30-6-1978" the figures "31-3-1980" shall be substituted; and



- (ii) in the entry "TRIETHANOL AMINE—BASED SLURRY EXPLOSIVES" for the figures "30th June 1978" the figures "31st March 1980" shall be substituted.

I. N. MURTY  
Chief Controller of Explosives.

MINISTRY OF STEEL AND MINES  
DEPARTMENT OF MINES  
INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 16th January 1979

No. A-19011(239)/78-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri Alok Basu to the post of Assistant Controller of Mines in the scale of pay of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300/- in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 14th December 1978 until further orders.

No. A-19011(249)/78-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri Alokash Majumdar, Senior Technical Assistant (OD) to the post of Assistant Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 7th December, 1978, until further orders.

The 17th January 1979

No. A-19011(250)/78-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri Alokash Majumdar, Senior Technical Assistant Assistant Research Officer (Ore Dressing) to the post of Assistant Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 7th December, 1978, until further orders.

S. BALAGOPAL  
Head of Office.

Survey of India

Surveyor General's Office

Dehra Dun, the 20th January 1979

No. C-5456/707-1. The entries against Shri M. S. Ravi, Surveyor, Sel. Grade under Columns 'Unit/Office' and 'with effect from' as notified vide this office Notification No. C-5456/707 dated the 21st December 1978 are amended to read 'No. 26 (Photo) Part (NC), Dehra Dun' and '7th November 1978 (FN)' instead of 'No. 26 (Photo) Party (NWC), Dehra Dun' and '13th November, 1978 (FN)'.

II. The undermentioned officers are appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as shown against each, purely on *ad-hoc* provisional basis :—

Sl. No.	Name & Designation	Unit/Office	With effect from
1.	Shri Hari Prasad, Surveyor Sel. Gd.	No. 65 (TCM) Party (Surah), New Delhi.	28-10-78 (FN)
2.	Shri Gita Ram, Surveyor Sel. Gd.	No. 28 Party (NWC) Dehra Dun	13-11-78 (FN)
3.	Shri Birendra Singh Rawat, Draftsman Div. I Sel. Gd.	No. 1 Drawing Office (MP) Dehra Dun.	7-12-78 (FN)
4.	Shri Madan Lal Sharma, Survey Asstt. Sel. Gd.	No. 1 Party (NC) Dehra Dun.	21-12-78 (FN)
5.	Shri Keshab Ram, Survey Asstt. Sel. Gd.	No. 33 Party (NC) Dehra Dun.	22-12-78 (FN)

K. L. Khosla  
Major General

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 23rd January 1979

No. F. 11-9/78-A-1.—Shri B. S. Kalra, Offg. Administrative Officer on *ad hoc* basis is appointed as Administrative Officer on regular temporary basis with effect from 1st June 1978, until further orders.

Sd/- ILLEGIBLE  
Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 18th January 1979

No. A-12026/1/78-SV.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri R. K. Sharma, officiating as Senior Administrative Officer, All India Radio, New Delhi to officiate on *ad hoc* basis as Inspector of Accounts in the Directorate General, All India Radio, New Delhi w.e.f. the forenoon of the 6th January, 1979 until further orders.

S. V. SESHADRI  
Deputy Director of Administration  
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING  
FILMS DIVISIONS

Bombay-400 026, the 12th January 1979

No. A-12026/1/77-Est. 1.—The Chief Producer, Films Division has appointed Shri S. R. Naidu, officiating Assistant Newsreel Officer, Films Division, New Delhi to officiate on *ad hoc* basis as Cameraman in the same office with effect from the afternoon of the 28th December, 1978.

M. CHANDRAN NAIR  
Administrative Officer  
For Chief Producer

Bombay-26, the 10th January 1979

No. 5/6/62-Est. 1(Pt).—The Chief Producer, Films Division, Bombay, hereby appoints Shri K. C. Bikhchandani, Offg. Superintendent Films Division, New Delhi to officiate as Asstt. Administrative Officer in the same office with effect from the 1st December, 1978 (FN) until further orders.

N. N. SHARMA  
Assistant Administrative Officer  
for Chief Producer

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL  
PUBLICITY

New Delhi, the 19th January 1979

No. A. 12026/20/78-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri Krishan Dass, a permanent Assistant, to officiate as Supervisor in this Directorate on usual deputation terms with effect from 1st January, 1979 (forenoon), until further orders.

R. DEVASAR  
Deputy Director (Admn.)  
for Director of Advertising &  
Visual Publicity

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION  
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)  
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad-121001, the 18th January 1979

No. A-19025/112/78-A. III.—Shri C. M. Girdhar, Senior Inspector has been promoted to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing and Inspection at New Delhi with effect from 3-11-1978 (A.N.) upto 31-3-1979, or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

The 19th January 1979

No. A-19023/35/78-A. III.—On the recommendations of the D.P.C., the following officers who are working as Marketing Officer (Group-I) on *ad hoc* basis, have been promoted to officiate as Marketing Officer (Group-I) on regular basis with effect from 18-12-1978, until further orders.

1. Shri S. P. Singh
2. Shri S. P. Bhasin
3. Shri K. Suryanarayana
4. Shri S. K. Sabharwal
5. Shri S. Subba Rao
6. Shri R. Subramaniam
7. Shri V. Balaramamurthy
8. Shri A. C. Guin
9. Shri Phillip Ittyerah
10. Shri M. K. P. Menon
11. Shri T. M. Karunakaran
12. Shri R. Narasimhan.

No. A-19023/57/78-A. III.—The short term appointments of the following officers to the posts of Marketing Officer (Group I) have been extended upto 31-3-1979 or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

1. Shri M. Chakraborty
2. Shri S. B. Chakravarty
3. Shri R. V. Kurup
4. Shri S. V. Krishnamurthy.

The 20th January 1979

No. A-19023/75/78-A. III.—The, short term appointments of the following Officers in the posts of Marketing Officer (Group II) have been extended as indicated against each or until regular appointments are made, whichever is earlier :—

1. Dr. G. K. Pallan—from 11-12-1978 to 31-3-1979.
2. Dr. (Smt.) R. S. Nehete—from 12-12-1978 to 31-3-1979.

B. L. MANIHAR  
Director of Administration  
for Agricultural Marketing Adviser

## DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

## DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 10th January 1979

No. DPS/23/77-51-1285.—Director, Purchase & Stores Department of Atomic Energy, appoints Shri L. H. Bagwe, a temporary Storekeeper of this Directorate to officiate as a temporary Assistant Stores Officer on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650—30—760—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in the same Directorate w.e.f. the forenoon of August 28, 1978 to the afternoon of October 27, 1978 *vice* Shri Mohan Singh, Assistant Stores Officer, Central Stores Unit, granted leave.

The 15th January 1979

No. DPS/23(4)/77-1st./1955.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints the following Purchase Assistants to officiate as Assistant Purchase Officers on *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in the same Directorate for the period indicated against each :—

1. Shri K. T. Parmeshwaran—from 18-11-1978 to 6-1-1979.
2. Shri A. H. Sadarangani—from 7-11-1978 to 16-12-1978.

3. Shri R. K. Iyer—from 1-12-1978 to 6-1-1979.

4. Shri K. L. Ahluwalia—from 26-12-1978 to 25-1-1979.

B. G. KULKARNI  
Assistant Personnel Officer

Bombay-400001, the 17th January 1979

No. DPS/4/3(5)/77-Admn/2104.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, hereby appoints the undermentioned officers in a substantive capacity to the posts of Accounts Officer II in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate with effect from April 1, 1978.

Sl. No.	Name	Present post held
1.	Shri Kumbakonam Arabamutu Srinivasan	Accounts Officer III in B.A.R.C.
2.	Shri Thillastanam Swaminathan Ganapati.	Accounts Officer III in D.P.S.

K. P. Joseph  
Asstt. Personnel Officer

## (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 16th January 1979

No. AMD/1/29/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of Department of Atomic Energy hereby appoints Shri K. Mahendra Kumar as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 30-12-1978 until further orders.

S. Y. GOKHALE  
Sr. Administrative & Accounts Officer

## HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 16th January 1979

Ref. No. HWPs: Estt./1/T-19/253.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Kochuthundiyil Thomas a permanent Lower Division Clerk in Bhabha Atomic Research Centre and officiating Selection Grade Clerk in Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Personnel Officer, in the same office in a temporary capacity, on *ad hoc* basis, from November 1, 1978 (FN) to December 2, 1978 (AN) *vice* Smt. K. P. Kallyanikutty, Assistant Personnel Officer, appointed to officiate as Administrative Officer.

The 20th January 1979

No. 05052/78/339.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Jitendra Manilal Shah, a temporary Foreman of Heavy Water Project (Baroda), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, with effect from the forenoon of August 1, 1978 until further orders.

K. SANKARANARAYANAN  
Senior Administrative Officer

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 11th January 1979

No. A. 12034/4/78-EA.—Shri Amar Sharma, Asstt. Aerodrome Officer, Calcutta Airport, retired from Government service on the 31st December, 1978 (AN) on attaining the age of superannuation.

H. L. KOHLI  
Director of Administration

New Delhi, the 3rd January 1979

No. A 31014/1/78-EW.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the undermentioned Officers, in substantive capacity in the grade of Assistant Fire Officer in the Civil Aviation Department with effect from 1-5-1978.

Sl. No.	Name	Station of present posting	Date of confirmation as Asstt. Fire Officer
1.	Shri R. K. Sarin	Office of the Regional Director, Delhi Region Safdarjung.	1-5-78
2.	Shri K. P. Ghosh Dastidar,	Office of the Regional Director, Calcutta Region Calcutta.	1-5-78
3.	Shri B. B. Deb.	Office of the Aerodrome Officer, Hyderabad.	1-5-78

S. D. SHARMA  
Deputy Director of Administration  
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 16th January 1979

No. A 12025/1/78-EC.—The President is pleased to appoint the following four officers in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department in officiating capacity w.e.f. the date indicated against each and to post them to the station indicated against each :—

Sl. No.	Name & Designation	Stn. of posting	Date of taking over charge
S/Shri			
1.	Ravi Prakash Tech. Officer	Director, Radio Const. & Dev. Units, N. Delhi.	25-11-78 (FN)
2.	Arvind Kumar, Tech. Officer	Controller of Comm. Aero. Comm. Stn, Calcutta	15-12-78 (FN)
3.	T.N. Venkataramana, Comm. Officer	Controller of Comm, Aero Comm. Stn, Madras.	6-12-78 (AN)
4.	Pinaki Nath Sanyal, Comm. Officer.	Controller of Comm. Aero. Comm. Stn, Calcutta.	14-12-78 (FN)

No. A. 32013/7/78-EC.—The President is pleased to appoint the following two Technical Officers to the grade of Senior Technical Officer on ad-hoc basis w.e.f. the date indicated against each for a period of six months or till regular appointment to the grade are made, whichever is earlier and to post them to the station indicated against each :—

Sl. No.	Name & Designation	Present Stn. of posting	Stn. to which posted.	Date of taking over
1.	Shri P. S. Mullick, Technical Officer	Director, Radio Const. & Dev. Units, N. Delhi.	Director Radio Const. & Dev. Units, N. Delhi.	21-11-78 (FN)
2.	Shri K. K. Narayan, Technical Officer	Controller of Comm. Aero. Comm. Stn, Calcutta.	Controller of Comm. Aero. Comm. Stn, Calcutta.	2-12-78 (FN)

S. D. SHARMA  
Deputy Director of Admn.

New Delhi, the 18th January 1979

No. A. 32013/3/78-EL.—The President is pleased to appoint Shri I. R. Menon, Deputy Director (Regulations & Information) to the post of Director, Regulations & Information on *ad hoc* basis *vice* Shri R. V. Ranadive, Director, Regulations & Information proceeded on deputation abroad, for a period of six months with effect from the 31st July, 1978 (afternoon).

C. K. VATSA  
Assistant Director of Administration

## OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 16th January 1979

No. 1/3/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri M. L. Gandhi, Supervisor, New Delhi as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 16-11-1977 to 10-12-1977 (both days inclusive), against a short-term vacancy, on *ad hoc* basis.

The 17th January 1979

No. 1/452/78-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri H. Balasubramanian, Tech. Asstt. Switching Complex, Bombay, as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same office/Headquarters office, Bombay for the period from 21-3-1978 to 29-9-1978 (both days inclusive), against short term vacancies on *ad hoc* basis.

No. 1/470/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri B. Selvam, as Assistant Engineer in Switching Complex, Bombay, w.e.f. the forenoon of 16th October, 1978, and until further orders.

P. K. G. NAYAR  
Director (Admn).  
for Director General

## VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHA-VIDYALAYA

Dehra Dun, the 22nd January 1979

No. 16/220/74-Ests-I.—On the expiry of his period of deputation as Assistant Instructor, Southern Forest Rangers College, Coimbatore, the services of Shri P. A. Abraham, an officer of the Kerala Forest Service are replaced at the disposal of the State Government with effect from the afternoon of 30-6-1978.

GURDIAL MOHAN  
Kul Sachiv  
Vana Anusandhan Sansthan Evam Mahavidyalaya

## COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Nagpur, the 16th January 1979

No. 1.—Consequent upon his promotion as Officiating Superintendent of Central Excise, Group 'B', Shri A. M. Loya, Inspector, Central Excise (S.G.) of this Collectorate, has assumed charge of Superintendent of Central Excise, Group 'B', M.O.R.T., Nagpur in the forenoon of 1-12-1978, relieving Shri S. W. Agwan of his additional charge.

M. R. PAROOLAKER  
Collector

Kanpur, the 19th January 1979

No. 2/79.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, Group 'B' *vide* Collector, Central Excise, Kanpur's Estt. Order No. T/A/392/78 dated 28-11-1978 issued endt. C. No. 11-22-Estt/78/57941 dated 28-11-1978, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/— Shri S. P. Saxena assumed the charge of Supdt. (Preventive) Kanpur in the forenoon of 1-12-1978.

The 15th January 1979

No. 5/1979.—Shri A. N. Dar officiating Superintendent, Central Excise, Group 'B' I.D.O. Agra relinquished the charge of Superintendent, I.D.O., Agra in the afternoon of 31-12-1978 to Shri — and retired from government service on the attaining the age of superannuation in the afternoon of 31-12-1978.

No. 6/79.—Shri Kulwant Singh officiating Administrative Officer, Central Excise, Group 'B' Ghaziabad-I division handed over the charge of Administrative Officer, Central Excise, Group 'B' in the afternoon 30-11-1978 to Shri C. B. Celly, Supdt. and retired from government service on the attaining the age of superannuation in the afternoon of 30-11-1978.

The 16th January 1979

No. 7/79.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, Group 'B' vide Collector, Central Excise, Allahabad Estt. Order No. 131/1978 dated 14-7-1978 issued under endt. C. No. II(39)28-ET/78/14766 dated 17-7-1978 and this office Estt. Order No. I/A/316/78 dated 21-10-1978 issued under endt. C. No. II-22-Estt/78/50087 dated 21-10-1978 in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200— Shri T. S. S. Bedi took over the charge of Supdt. (Tech.), Central Excise, I.D.O. Agra in the forenoon 15-12-1978.

K. L. REKHI  
Collector

#### NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 10th January 1979

No. 1/1979.—Dr. S. K. Basu Mallick, officiating P.A. to Chief Medical Officer of this Railway has expired on 7-1-1979 (F.N.).

No. 2/1979.—Shri Amolak Ram, Law Officer/Estate Officer of General Administration who was on deputation in Balmer Lawrie & Co. Ltd. Calcutta has finally retired from Northern Railway w.e.f. 31-12-1978 (A.N.).

R. SRINIVASAN  
General Manager

#### NORTHEAST FRONTIER RAILWAY

##### GENERAL MANAGER'S OFFICE (PERSONNEL BRANCH)

Pandu, the 18th January 1979

No. F/283/III/11(0).—1. PNO/AD/65/215 PIV.—Shri A. L. Barua AAO(Class II) is appointed to officiate in Sr. scale purely on *ad hoc* measure as Senior Accounts Officer with effect from 8-5-1978.

2. PNO/AD/65/215 PIV.—Shri B. S. Dua, AAO (Class II) is appointed to officiate in Senior Scale purely on *ad hoc* measure as Senior Accounts Officer with effect from 1-7-1978.

3. E/283/142 Pt. III(0).—Shri B. L. Das, ASO (Class II) is appointed to officiate in Senior Scale as Security Officer with effect from 1-7-1978.

4. E/283/III/142 PIII(0).—Shri G. C. Kukreti, IPF (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on *ad hoc* measure as Assistant Security Officer with effect from 1-7-1978.

5. E/283/30 PVI(0).—Shri A. N. Sur, Assistant Programmer (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on *ad hoc* measure as Programmer with effect from 7-7-1978.

6. E/283/30 PVI(0).—Shri R. N. Gupta, OS(Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on *ad hoc* measure as ADGM with effect from 5-8-1978.

7. E/283/30 PVI(0).—Shri B. L. Chatterjee, CA to CCO (Class III) is appointed to officiate in Class II service as Assistant Personnel Officer with effect from 8-8-1978.

8. E/283/30 PVI(0).—Shri A. K. Ghosh, CA to CSTE (Class III) is appointed to officiate in Class II service as Assistant Personnel Officer with effect from 10-8-1978.

9. E/283/120 PIII(0).—Shri Sukumar Roy, CC (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on *ad hoc* measure as Assistant Controller of Stores with effect from 11-8-1978.

10. B/283/30 PVI(0).—Shri P. K. Mitra, SLWI (Class III) is appointed to officiate in Class II service as Asstt. Personnel Officer with effect from 14-8-1978.

11. E/283/148(0).—Mrs. Latika Mukherjee, Hd. Mistress (Cl. II) is appointed to officiate in Sr. scale as Principal, w.e.f. 27-8-1978.

12. F/283/148(0).—Shri K. K. Mukherjee, Headmaster (Class II) is appointed to officiate in Senior Scale as Principal with effect from 27-8-1978.

13. F/283/148(0).—Shri C. C. Routh, Head Master (Class II) is appointed to officiate in Senior Scale as Principal with effect from 27-8-1978.

14. E/283/III/54 PVIII(0).—Shri C. Sen Gupta, CMD (Class III) is appointed to officiate in Class II service as Assistant Mechanical Engineer with effect from 1-9-1978.

15. F/283/III/54 PVIII(0).—Shri A. C. Das, AME (Class II) is appointed to officiate in Senior Scale as PA to CME with effect from 7-9-1978.

16. E/283/III/129/PIII(0).—Shri B. K. Sen Gupta, ACOS (Class II) is appointed to officiate in Senior Scale as DCOS with effect from 15-9-1978.

17. PNO/AD/65/215 PIV.—Shri B. N. Bhattacharjee, Chief Statistic (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on *ad hoc* measure as Compilation Officer with effect from 16-9-1978.

18. E/283/30 PVI(0).—Shri A. K. Sen OS (Class III) is appointed to officiate in Class II service as Asstt. Personnel Officer with effect from 18-9-1978.

19. PNO/AD/65/215/PIV.—Shri H. N. Dutta, Section Officer (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on *ad hoc* measure as Asstt. Accounts Officer with effect from 18-9-1978.

20. PNO/AD/65/215/PIV.—Shri A. H. Khan, AAO (Class II) is appointed to officiate in Senior Scale purely on *ad hoc* measure as Sr. Accounts Officer with effect from 25-9-1978.

B. VENKATARAMANI  
General Manager

#### MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

##### DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

##### COMPANY LAW BOARD

##### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act 1956, and of The Family Relief Society Limited*

Gwalior, the 15th January 1979

No. 141-Tech/6819.—Notice is hereby given pursuant to sub-section 5 of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of The Family Relief Society Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. K. SAXENA  
Registrar of Companies,  
Madhya Pradesh, Gwalior

*In the matter of the Companies Act 1956, and of M/s. Machinery & Foundry Works Private Ltd.*

Bangalore, the 22nd January 1979

No. 1316/560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof

the name of M/s. Machinery & Foundry Works Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act 1956, and of M/s. Karnatak Foundries Private Ltd.*

Bangalore, the 22nd January 1979

No. 1388/560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Karnatak Foundries Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act 1956, and of M/s. Engineering Castings and Components Private Ltd.*

Bangalore, the 22nd January 1979

No. 2969/560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Engineering Castings and Components Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act 1956, and of M/s. Kamadhenu Construction Company Private Ltd.*

Bangalore, the 22nd January 1979

No. 3072/560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Kamadhenu Construction company Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. N. GUHA

Registrar of Companies,  
Karnataka, Bangalore

#### OFFICE OF THE ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Dharwar, the 9th January 1979

#### CORRIGENDUM

Notice No. 241/78-79/Acq.—The notice u/s. 269(D) of the Income-tax Act, 1961 dated 25-10-1978 was published in Part-III Section I of the Gazette of India at page No. 7823 (English) and page No. 7701 (Hindi). On page 2 of the notice name of the transferor may be read as "Smt. Panna Gajanana Nagwenkar" instead of "Smt. Prabha Gajanana Nagavekar."

P. RANGANATHAN

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Dharwar

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
DHARWAR-580 004

Dharwar-580 004, the 17th January 1979

Ref. No. 243/78-79/Acq.—Whereas I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 377/A/1A1/A

5-B

D

situated at Opposite to Old Head-Post Office near Dr. Tavargeri's Nursing Home, Dharwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharwar Under Document No. 331/Vol-1053 on 24-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Balanagouda Adopted S/o  
Shri Basanagouda Patil,  
Contractor, Daroga Galli,  
Mangalawar Peth, Dharwar. (Transferor)
- (2) Shri Ashok Shrinivas Kulkarni,  
Near Dr. Tavargeri's Nursing Home,  
Dharwar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 331/vol. 1053 Dated 24-6-1978]  
The Property bearing C. S. No. 37/A/1A1/A consisting

5-B

D

Land and Building in three Blocks situated Opposite to Old Near-Post Office near Dr. Tavargeri's Nursing Home, Dharwar.

P. RANGANATHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Dharwar

Date : 17-1-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 25th January 1979

Ref. No. AR III/AP 284/78-79.—Whereas I, V. S. SHESHADRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 320, Hissa No. 19 (Pt) admeasuring 2144 sq. yds situated at village Kurla

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 10-7-1978 (Doc. No. R 3224/71)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Julius Gabriel Rodrigues,  
Blue Heaven, Bandra T.P.S. 4,  
Bombay-50.

(Transferor)

(2) 1. Shri Shehzadali Amjadali  
2. Shri Wajidali Rowabhai Khan  
3. Shri Mansood Ahmed Munir Ahmed  
4. Chhedikhan Badullakhan  
5. Shri Barkatali Talukdar  
6. Shri Bashirahmed Munir Ahmed  
7. Shri Abdul Majid Mohamed Siddik  
8. Shri Naksoodali Haji Mustafa  
9. Mohamed Rafi Abdul Karim  
10. Shri Abdul Shakoor Foujdar  
11. Shri Rafi Ahmed Moulabux  
12. Shri Abdul Manwan Haji Abdul Sattar  
13. Shri Rehmatuli Bekaru  
14. Shri Bafatul Imamuddin  
15. Shri Mohamed Nizam Gulam Mohamed  
16. Shri Abdulla Janmohamed  
17. Shri Affatali Moharamali  
18. Shri Mohamed Bashir Mohamed Yasin  
19. Shri Mohamed Yasin Haji Shahadat  
20. Shri Mersooobi W/o Sayed Agbfarali.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of agricultural land in the village of Kurla South Salsette Greater Bombay Suburban District (North Greater Bombay) situate at Kurla on New Agra Road, admeasuring 2144 sq. yards equal to 1945.67 sq. metres or thereabout bearing Survey No. 320 Hissa No. 19 part bounded by Dr. Sawlani's property on North by S. No. 320 Hissa No. 19 part on the West by Agra Road, South by S. No. 320 Hissa No. 19 part and S. No. 303 H. No. 3 part property of Coorla Mills East by S. No. 320, Hissa No. 19 part property of Coorla Mills.

V. S. SHESHADRI

Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 25-1-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
57-RAM TIRTH MARG,  
LUCKNOW

Lucknow, the 18th January 1979

Ref. No. R/29/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. C-15/274, situated at Mohalla Lallapura, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Varanasi on 15-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- |                            |  |
|----------------------------|--|
| (1) Shri Sita Ram,         | (Transferor)                           |
| (2) Shri Ram Lal Tripathi, | (Transferee)                           |
| (3) Shri Sita Ram,         | [Person in occupation of the property] |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house No. C-15/274 measuring 169.63 sq. mtr. situated at Mohalla Lallapura, Varanasi and all that description of property which is mentioned in the sale-deed and form 37-G No. 148 duly registered on 15-5-1978 at the office of the Sub-Registrar, Varanasi.

AMAR SINGH BISEN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 18-1-1979  
Seal :



## FORM ITNS ———

(1) Rani Sahiba Jodhiji Wd/o  
Thakur Brijraj Singh  
Siwar House, Ajmer.

(Transferor)

(2) Smt. Anand Kanwar w/o Sh. Udai Bhan Singh and  
Sh. Sangramsingh S/o Sh. Fathesingh,  
Srinagar Road, Ajmer.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 16th January 1979

Ref. No. Raj-IAC(Acq).—Whereas I, HARI SHANKER, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 72/32, situated at Ajmer (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Ajmer on 29-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 72/32, Srinagar Road, Siwar house Ajmer and more fully described in the conveyance deed registered by S.R.A. Ajmer vide registration No. 1855 dated 29-5-1978.

HARI SHANKER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-1-1979  
Seal :

## FORM ITNS.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 22nd January 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/577.—Whereas I, HARI SHANKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. Land, situated at Fatehpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 8-6-1978

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sh. Jugal Kishore Jalan,  
7 Digamber, Jain Temple Road,  
Calcutta.
2. Laxmi Dutt Jalan, Jalandhar, Punjab.
3. Hari Pd. Jalan, Jaipur, Rajasthan.
4. Purshotamlal Jalan,  
7 Digamber Jain Temple Road, Calcutta.
5. Kishan Deo Jalan,  
109 M.G.D. Road, Calcutta-7..

(Transferors)

- (2) 1. Abdul Aziz
2. Mohd Alias
3. Gulam Nabi
4. Gulam Sarwar
5. Abdul Aziz
6. Abdul Gaffar
7. Liyakat Ali
8. Mohd. Ali
9. Fateh Mohammad
10. Esmail
11. Mohd. Hussan
12. Gaffar
13. Bashcer
14. Subedar Darab Khan Fatehpur Sikar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land 5 Bighas 17 Bishwas, situated at New Wana No. 1 Fatehpur and more fully described in the sale deed, registered by Registering Authority, Calcutta vide registration No. 2884 dated 8-6-1978.

SHRI SHANKER  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 22-1-1979

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) 1. Sh. Jugal Kishore Jalan,  
7 Digamber Jain Temple Road, Calcutta.
2. Laxmi Dutt Jalan, Jalandhar, Punjab.
3. Hari Pd Jalan, Jaipur, Rajasthan.
4. Purshotamlal Jalan,  
7 Digamber Jain Temple Road, Calcutta.
5. Kishan Deo Jalan,  
109, M.G.D. Road, Calcutta-7.

(Transferors)

S/Shri

- (2) 1. Abdul Aziz
2. Mohd. Alias
3. Bulam Nabi
4. Gulam Sarwar
5. Abdul Aziz
6. Abdul Gaffar
7. Liyakat Ali
8. Mohd. Ali
9. Fatch Mohammad.
10. Esmail
11. Mohd. Hussan
12. Gaffar
13. Basheer
14. Subedar Darab Khan Fatehpur Sikar.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd January 1979

Ref. No. Raj/IAC (Acq)/576.—Whereas I, HARI SHANKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. Land, situated at Fathepur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 7-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. Land situated at New Ward No. 1 and more fully described in the sale deed registered by Registering Authority Calcutta, vide registration No. 2858 dated 7-6-1978.

HARI SHANKER  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 22-1-1979  
Seal :

## FORM TINS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 22nd January 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/606.—Whereas I, HARI SHANKER, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 122, situated at Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 24-5-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri V. K. Lodlay,  
Dy. Manager, D.C.M. Kota.

(Transferor)

(2) Major General F. Bhatia S/o E. C. Bhatia,  
Mala Road, Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 122 measuring 9600 sq. ft. situated at Dushera ground Scheme, Kota and more fully described in the schedule registered by S.R. Kota vide his No. 691 dated 24-5-1978.

HARI SHANKER  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 22-1-1979  
Seal :

FORM 11NS— —

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th January 1979

Ref. No. LDH/4/78-79.—Whereas I, O. P. BANSAL, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Kothi No. 167J measuring 383 Sq. yards, in Kartar Singh Sarabha Nagar situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Ludhiana in May, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

15—456GI/78

- (1) Smt. Gurdev Kaur w/o  
Shri Kartar Singh, s/o Niranjan Singh,  
r/o Buij Nakalian, Teh. Jagraon,  
Distt. Ludhiana  
through Shri Amarjit Singh s/o Bachan Singh  
Village Dango, Teh. & Distt. Ludhiana.

(Transferor)

- (2) Shri Hardev Singh s/o Shri Bakhshish Singh,  
r/o Village Gagra Teh. Jagraon,  
Distt. Ludhiana  
Through Shri Surinder Singh attorney  
167-I, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 167-J measuring 383 Sq. yards situated at Kartar Singh Sarabha Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 442 of May, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana.)

O. P. BANSAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-1-1979

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th January 1979

Ref. No. LDH/5/78-79.—Whereas I, O. P. BANSAL, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Annexce Plot No. 57-D, measuring 1003 sq. yards in Kartar Singh Sarabha Nagar, situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Manjinder Singh s/o Ujagar Singh, r/o Village Narangwal, Distt. Ludhiana through Shri Dhanna Singh s/o Shri Chanan Singh, Village Narangwal, Distt. Ludhiana.

(Transferor)

- (2) Mrs. Paranjit Kaur w/o Shri Pritam Singh, r/o 57-D, Sarabha Nagar, Ludhiana & Shri Darshan Singh s/o Sh. Santokh Singh, r/o Village Basraon, Teh. Jagraon, Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Annexce Plot No. 57-D, measuring 1003 sq. yards situated at Kartar Singh Sarabha Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 462 of May, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

O. P. BANSAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-1-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th January 1979

Ref. No. CHD/145/78-79.—Whereas I, O. P. BANSAL, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing;

House No. 118, Sector 18-A, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on Chandigarh in May, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Avtar Singh Sekhon,  
r/o 118, Sector 18-A, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Dr. Swaran Singh Ahluwalia and  
Shri Charanjit Singh Ahluwalia,  
Model Town, Link Road,  
Bharat Nagar Chowk, Ludhiana.

(Transferee)

- (3) Shri M. S. Yadav and  
Shri N. C. Tandon,  
r/o 118, Sector 18-A, Chandigarh.

[Person in occupation of the property]

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property No. 118, Sector 18-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 154 of May, 1978 of the Registering Officer Chandigarh).

O. P. BANSAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-1-1979

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Smt. Maya Chawla, c/o  
M/s Chawla Cloth House, Sector 22-D,  
Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Lt. Col. Sarwan Singh,  
H. No 3101, Sector 21-D, Chandigarh.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th January 1979

Ref. No. CHD.151.78-79. Whereas I, O. P. BANSAL,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition  
Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value exceed-  
ing Rs. 25,000/- and bearing

House No. 3101, Sector 21-D, Chandigarh  
situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule  
annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the  
office of the Registering Officer at  
Chandigarh in May, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 3101, Sector 21-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed  
No. 193 of May, 1978 of the Registering Officer,  
Chandigarh.

O. P. BANSAL  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-1-1979  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Smt. Dalip Kaur wd/o  
Maharaja Bhujinder Singh,  
r/o Kothi Lal Bagh, Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST'T. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th January 1979

Ref. No. PTA/118/78-79.—Whereas I, O. P. BANSAL,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition  
Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Agricultural land measuring 46 kanals 19 marlas situated at  
Village Ghalori, Teh. Patiala

situated at Patiala  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at

Patiala in May, 1978  
than the fair market value of the aforesaid property and  
I have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such trans-  
fer as agreed to between the parties has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(2) Shri Jaswinder Singh s/o Shri Pritam Singh,  
v. Ghalori (Patiala)  
Village Ranbirpura, Teh. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-  
movable property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 46 kanals 19 marlas, situated  
at Village Ghalori, Tehsil, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed  
No. 782 of May, 1978 of the Registering Officer,  
Patiala).

O. P. BANSAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-1-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th January 1979

Ref. No. 11DH/33/78-79.—Whereas I, O. P. BANSAL, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House property No. -B-XX-1192, Sarabha Nagar, Ludhiana on plot No. 38-D situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Ludhiana in May, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Parshotam Singh s/o Sh. Gurcharan Singh, r/o 4708 Ridge Carret Var Zinia 23803-U.S.A. through Mukhtiar-lam Shri Mit Singh Banipal s/o Shri Gurcharan Singh, r/o 4-D, 16-A, Janak Puri, Vidya Marg, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Swaran Singh s/o Shri Dalip Singh and Smt. Savinder Kaur w/o Shri Swaran Singh, r/o 38-D, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property No. 38-D, Sarabha Nagar, Ludhiana (M.C. No. B-XX-1192).

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 792, of May, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

O. P. BANSAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-1-1979

Seal :

FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd January 1979

Ref. No. CHD/140/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Free hold middle Residential plot No. 35 (Mew No. 168) Sector 19-A, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Parkash Chand Jairath, s/o  
Shri Sansar Chand Jairath  
Resident of 40 Syed Amir Ali Avenue,  
Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Kumar Jain, s/o  
Shri Sumer Chand Jain  
Resident of 36, Sector 19-A,  
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Free hold middle residential plot No. 35 (new 168) measuring 1305.3 Sq. yds. situated in Sector 19-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 107 of May, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 22-1-1979

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Mrs. Harbans Kaur, w/o Sh. Prabhbad Singh,  
r/o 202, Sector 19-A, Chandigarh.  
(Transferor)
- (2) Shri D. N. Bhasin s/o  
Shri Nanak Chand Bhasin and  
Mrs. Kanta Bhasin w/o Shri D. N. Bhasin,  
r/o 202, Sector 19-A, Chandigarh.  
(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd January 1979

Ref. No. CHD/154/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House Property No. 202, Sector 19-A, Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property No. 202, Sector 19-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 221/1 of May, 1978 of the Registering Authority, Chandigarh).

NATHU RAM  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 22-1-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd January 1979

Ref. No. AML/39/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 5 bighas situated in village Jasran near Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in May, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

16—456GI/78

(1) Smt. Sarla Devi w/o Shri Raj Pal,  
r/o Patiala.

(Transferor)

(2) S/Shri Gurmit Singh,  
Ravinder Singh,  
Gurdeep Singh,  
Charanjit Singh,  
minor sons of Shri Bhag Singh Foreman,  
M/s Kaushal Steel Rolling Mills,  
Village Jasran,  
Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within **45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.**

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 5 bighas, situated at Village Jasran, near Mandi Gobindgarh, Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 137 of May, 1978 of the Registering Authority, Amloh).

NATHU RAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 22-1-1979

Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd January 1979

Ref. No. DS/22/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 5 bighas, situated at Ram Nagar Chuni Wala alias Devigarh, Sub-Tehsil Dudan Sudhan, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dudan Sudhan, in May, 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Ram Lal s/o Sh. Wadhwa,  
r/o Ram Nagar Chuni Wala, alias Devigarh,  
Distt. Patiala.

(Transferor)

- (2) (a) Shri Ujagar Singh s/o Sh. Dalip Singh,  
(b) Sh. Romesh Kumar s/o Sh. Ved Parkash,  
(c) M/s Ram Sarup & Sons, through Karta  
Sh. Ram Sarup s/o Sh. Sondhi Ram,  
(d) Sh. Mukhi Ram s/o Hansa Ram,  
(e) Sh. Ram Kishan s/o Sh. Chiranji Lal &  
Kewal Krishan s/o Sh. Daya Ram,  
(f) Sh. Om Parkash s/o Sh. Ram Dhari,  
(g) Sh. Babu Ram s/o Sh. Sohan Lal &  
Sh. Swaran Singh s/o Sh. Waryam Singh,  
(h) Amir Chand, Sat Pal ss/o  
Sh. Gurdit-tamal &  
Vijay Kumar s/o Sh. Des Raj,  
(i) Sh. Pirthi Chand s/o Sh. Chattar Mal,  
(j) Sh. Om Parkash s/o S. Mangal Ram, &  
Sh. Sohan Lal s/o Sh. Badri Mal  
(k) Sh. Ram Daya s/o Sh. Ganga Ram,  
(l) Sh. Gopal Chand & Sh. Jagdish Chand ss/o  
Sh. Ram Chand,  
(m) Shri Kulwant Rai s/o Sh. Raunak Ram,  
(n) Sh. Pawan Kumar & Baldev Raj,  
ss/o Sh. Banarsi Dasa,  
(o) Sh. Hans Raj & Baldev Raj, ss/o  
Sh. Tirath Ram,  
(p) Sh. Madan Lal s/o Sh. Sant Ram,  
all residents of Adda Devigarh,  
Sub-Tehsil Dudan Sudhan,  
Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 5 bighas, situated at Ram Nagar Chuni Wala, alias Devigarh, Sub-Teh. Sudan Sudhan, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 93 of the Registering Officer, Dudan Sudhan, Distt. Patiala of May, 1978).

NATHU RAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commission of income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 22-1-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
4-VIVEKANAND MARG, JAIPURACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd January 1979

Ref. No. DS/21/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 5 bighas 7 biswas, situated at Ram Nagar Chuni Wala (Devigarh) Sub-Tehsil Dhudan Sudhan, Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dudan Sudhan, in May, 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Banta Ram s/o Shri Wadhwa,  
r/o Ram Nagar Chuni Wala, alias Devigarh,  
(Transferor)
- (2) (a) Shri Ujagar Singh s/o Sh. Dalip Singh,  
(b) Sh. Romesh Kumar s/o Sh. Ved Parkash,  
(c) M/s Ram Sarup & Sons, through Karta  
Sh. Ram Sarup s/o Sh. Sondhi Ram,  
(d) Sh. Mukhi Ram s/o Hansa Ram,  
(e) Sh. Ram Kishan s/o Sh. Chiranji Lal &  
Kewal Krishan s/o Sh. Daya Ram,  
(f) Sh. Om Parkash s/o Sh. Ram Dhari,  
(g) Sh. Babu Ram s/o Sh. Sohan Lal &  
Sh. Swaran Singh s/o Sh. Waryam Singh,  
(h) Amir Chand, Sat Pal ss/o  
Sh. Gurdittamal &  
Vijay Kumar s/o Sh. Des Raj,  
(i) Sh. Pirthi Chand s/o Sh. Chhattar Mal,  
(j) Sh. Om Parkash s/o S. Mangal Ram, &  
Sh. Sohan Lal s/o Sh. Badri Mal  
(k) Sh. Ram Daya s/o Sh. Ganga Ram,  
(l) Sh. Gopal Chand & Sh. Jagdish Chand ss/o  
Sh. Ram Chand,  
(m) Shri Kulwant Rai s/o Sh. Raunak Ram,  
(n) Sh. Pawan Kumar & Baldev Raj,  
ss/o Sh. Banarsi Dass,  
(o) Sh. Hans Raj & Baldev Raj, ss/o  
Sh. Tirath Ram,  
(p) Sh. Madan Lal s/o Sh. Sant Ram,  
all residents of Adda Devigarh,  
Sub-Tehsil Dudan Sudhan,  
Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 5 bighas 7 biswas, situated at Ram Nagar Chuni Wala, alias Devigarh, Sub-Teh. Dudan Sudhan, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 93 of the Registering Officer, Dudan Sudhan, Distt. Patiala of May, 1978).

NATHU RAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 22-1-1979  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 25th January 1979

Ref. No. PTA/71/78-79.—Whereas J. NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 5238 Sq. yds., situated at Village Alipur Areaian, Teh. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Sh. Amar Singh s/o S. Jhanda Singh,  
Pritpal Singh s/o Amar Singh  
Village Alipur Areaian, Teh. Patiala.  
(Transferor)

(2) (i) Sh. Sahib Rai Khosla s/o  
Shri Khidmat Rai Khosla,  
Shri Khidmat Rai Khosla,  
(ii) Karan Bhushan s/o Shri Muni Lal  
Raghu Majra, Patiala.  
(iii) Baldev Singh s/o Ganga Ram,  
Patiala.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot measuring 5238 sq. yds. situated at Village Alipur Areaian Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1951 of 6/78 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 25-1-1979  
Seal :



## FORM ITNS—

- (1) Sh. Kulwant Singh s/o Sh. Amar Singh,  
Village Alipur Arcaian, Teh. Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 25th January 1979

Ref. No. PTA/72/78-79.—Whereas I, NATHU RAM,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition  
Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot measuring 4190 sq. yds.

situated at Village Alipur Arcaian, Teh. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908), in the office of the Registering Officer at  
Patiala in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of the notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (2) S. Sohan Singh s/o S. Ganda Singh,  
Smt. Amrit Kaur w/o Sh. Kulwant Singh,  
r/o Village Alipur Arcaian, Teh. Patiala  
Shri Sahib Rai s/o Shri Khidmat Rai  
Village Raghunajra, Teh. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may  
be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot measuring 4190 sq. yds situated at Village Alipur  
Arcaian Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed  
No. 1952 of June, 1978 of the Registering Officer,  
Patiala).

NATHU RAM

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 25-1-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 25th January 1979

Ref. No. LDH/17/78-79.—Whereas I NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property No. B-XX-1065, situated on Ferozepur Road, situated at near Old Octroi Post, Ludhiana (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1978 **which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —**

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Padam Dass & Co. (Woollen Mills), Ferozepur Road, Ludhiana through Sh. Satish Kumar Dhanda s/o Sh. Gurcharan Dass, Smt. Sudershan Dhanda wd/o Nam Adhar Dhanda, Vijay Kumar, Surinder Kumar, Inder Kumar, ss/o Sh. Padam Dass, Sh. Sarabjit s/o Sh. Nam Adhar, Smt. Phulan Rani wd/o Sh. Nand Kishore, Sh. Inderpal Dhir s/o Sh. Milkhi Ram, Sh. Parmodh Kumar Dhir s/o Shri Inderpal Dhir, all r/o of Ludhiana.

(Transferors)

- (2) M/s. Ram Jain Hosiery, Kucha No. 2, Madhopuri, Ludhiana, through Sh. Ram Kumar Jain, Om Parkash Jain, Jaininder Kumar Jain, Surinder Kumar Jain, ss/o Sh. Amar Nath & Smt. Satwanti wd/o Sh. Amar Nath Jain, partners of the firm.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. B-XX-1065, situated on Ferozepur Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 566 of May, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana.

NATHU RAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 25-1-1979

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 25th January 1979

Ref. No. LDH/21/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot measuring 17322 Sq. yds. situated at Village Bhawea, Teh. Ludhiana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

(1) M/s. Dewan Kirpa Ram Saran Dass,  
Mandi Kesarganj Ludhiana  
through Dewan Ram Saran Dass, Rajinder Kumar  
Subash Chander, Brijbhushan s/o Dewan Ram  
Dass s/o Sh. Kirpa Ram &

M/s. Sughru Mal Ram Dass,  
through Dewan Girdhari Lal and  
Dewan Om Parkash ss/o Dewan Ram Dass of  
Gur Mandi, Ludhiana.

(Transferors)

(2) M/s Nev Bharat Banaspati & Allied Industries,  
through Kishore Lal s/o Ram Rattan,  
r/o Doraha.

(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot measuring 17322 sq. yds. situated at Village Bhaura, Teh. Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 601, of May, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 25-1-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-I

Bangalore-I, the 10th November 1978

C. R. No. 62/18014/78-79/ACQ/B.—Whereas I, J. S. RAO, being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Premises bearing Corporation Door No. 32, Division No. 17), situated at Kuber Sahujee lane, now called Dewan Surappa lane, Chickpet cross, Bangalore-53 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Document No. 434/78-79 on 5-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Sonabai alias Venkamma, w/o Shri B. G. Subba Rao Sahujee.
  2. Sri Ganesh Sahujee alias B. S. Ganesha Rao, s/o Shri B. G. Subba Rao Sahujee both residing at premises No. 8, First Block, III Cross, Jayanagar, Bangalore-560011.
- (Transferors)
- (2) Smt. Periyannayaki w/o Sri K. Ramaswamy, P/r, M/s. Apsara Traders, 1-18, Dewan Surappa lane, Chickpet, Bangalore-560053
- (Transferees)
- Main tenant
- (3) (i) M/s Devichand Pannaji and Co.
- Sub tenant :
- (1) M/s P. T. Kaudaswamy Mudaliar
  - (2) M/s Panna Textiles.
- [Person in occupation of the property]

- (4) 1. Sri P. Pragchand Rathod  
S/o late Punamchand,  
Huriopet, R.T. Street, Cross, Bangalore.
  2. Sri Moolchand s/o Jethmal,  
D.S. Lane, Chickpet Cross, Bangalore.
  3. Sri Mohanlal D. Jain,  
S/o late Devichand, P/r of  
M/s. Devichand Pannaji and Co.,  
No. 32, D.S. Lane, Chickpet,  
Bangalore-53.
- (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 434/78-79, dated 5-5-1978)  
Premises bearing corporation Door No. 32, Division No. 17, Kuber Sahujee lane, now called Dewan Surappa lane, Chickpet cross, Bangalore-53.

## Boundaries :

E : Pamadi Subrama Setty's shop.  
M : Himatmal's shop.  
N : Kubera Sahujee lane and  
S : Devichand Pannalal building.

J. S. RAO  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 10-11-78

Seal :

## FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 23rd November 1978

C.R. No. 62/18572/78-79/ACQ/B.—Whereas, I. P. RANGANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore,  
417, 18th Main, IV Block  
situated at Jayanagar, Bangalore-11

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jayanagar, Bangalore Document No. 391/78-79 on 4-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

17-45604/78

(1) Sri K. V. Subramanyam  
S/o Sri K. S. Venkataram,  
No. 417, 18th Main, IV Block,  
Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferor)

(2) Smt. R. N. Gangamma  
W/o Sri H. Dasanna,  
No. 3 Krishna Road, Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 391/78-79 Dated 4-5-78]  
Property bearing No. 417, 18th Main, IV Block, Jayanagar, Bangalore-11.

Boundaries :

E : 18th Main Road.  
W : Site No. 392.  
N : Site No. 418.  
S : Site No. 416.

P. RANGANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur.

Dated : 30-11-78.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 15th December 1978

Ref. No. C.R. No. 62/18137/78-79/ACQ/B.—Whereas, I. P. RANGANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 90.00 Acres of Sagu Cardamom land from out of Sy. No. 6/1 of 166.40 acres situated at Thannimani Village, Madikeri Taluk, Coorg Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at H.Q. Sub-Registrar, Mercara Document No. 196/78-79 Mercara I/c. on 10-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S/Shri

- (1) 1. S. V. S. Rao S/o Late Sri S. Venkatramana Bhat,
2. Arvind S. Rao,
3. Vasant S. Rao,
4. Ramesh S. Rao,
5. Bhaskar S. Rao,
6. Chandrashekar S. Rao,
- (2) to (6) all sons of Sri S. V. Rao, residing at No. 11 Chandrika, 9th Road, Chembur, Bombay-71 and acting by their Attorney Sri S. V. S. Rao
7. Ganesh S. Rao S/o S. V. S. Rao, No. 1708, 2nd Floor, Sector 22B, Chandigarh and represented by his acting attorney Sri S. V. S. Rao,
8. S. Venkat Rao S/o Late S. Subraya Bhat, Flat No. 5, Vasudha, 7th Cross Road, Chembur, Bombay-71,
9. S. Nagesh Rao S/o Late S. Subraya Bhat, No. 59C, Sunder Apartments, Sion-Trombay Road, Chembur, Bombay-71. No. 8 and 9 are represented by their acting attorney Sri S. V. S. Rao,
10. S. Sukarna,

11. S. Mohan,
12. S. Sudhakar, S/o of Late Sri S. Subraya Bhat, Bhagamandala Madikeri Taluk, Kodagu Dist.,
13. Mrs. B. Subbamma W/o Late Sri S. Subraya Bhat,
14. Miss S. Sugangala,
15. Miss S. Kalpana,
16. Mrs. Sathyavathi W/o Sri B. V. Radhakrishna, Teacher, Devarayana Hundi, Nachanuballi, Palya Post, Mysore Dist.,
17. Mrs. Vatsala W/o Sri R. K. Narayana, Parimala Nilaya, Gundlupet, Mysore Dist.,
18. Mrs. Vannala W/o Sri Kumaraswamy, Baipadithaya, Thodikana Village, Sullia Taluk, S. K. Dist. No. 14 to 18 all daughters of Late Sri S. Subraya Bhat, residing at Bhagamandala, Madikeri Taluk, Coorg Dist and Vendors 13 to 18 represented by their acting attorney Sri S. V. S. Rao,
19. Mrs. B. Nirmala Prabhakar W/o Sri B. V. Prabhakar, BEL, Jalahalli, Bangalore and D/o Sri Subraya Bhat and rep. by her acting attorney Shri S. V. S. Rao.

(Transferor)

- (2) Sri George Jacob S/o P. I. Jacob, Planter, "Kainady House", Koodathai Post, Thammasheri, Calicut, Kerala State and now residing at 'Kainady Estate' Charambane Post, Madikeri Taluk, Kodagu Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 196/78-79 Mercara I/C Dated 10-5-1978)

90.00 Acres of the land being the eastern portion, from out of Sagu Cardamom land bearing Sy. No. 6/1 of 166.40 acres known as "Kote Malai" situated at Thannimani Village, Madikeri Taluk, Coorg Dist.

Boundaries :

East : Sy. No. 10/A,  
West : Remaining part of Sy. No. 6/1,  
North : Sy. No. 10/A, and  
South : Sy. No. 8.

P. RANGANATHAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 15-12-1978

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIAOFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 16th December 1978

C.R. No. 62/18392/78-79/ Acq/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 76.40 Acres of sagu cardamom land from out of Sy. No. 6/1 of 166, 40 acres situated at Thinnimani Village, Madikeri Taluk, Coorg District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at H.Q. Sub-Registrar, Mercara Document No. 197/78-79 Mercara I/C on 10-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S/Shri

- (1) 1. S. V. S. Rao S/o Late Sri S. Venkatramana Bhat,  
2. Arvind S. Rao,  
3. Vasant S. Rao,  
4. Ramesh S. Rao,  
5. Bhaskar S. Rao,  
6. Chandrashekar S. Rao,  
Sons of Sri S. V. S. Rao. No. 1 to 7 residing at No. 11, Chandrika, 9th Road, Chembur, Bombay-71 and Nos. 2-6 are represented by their acting attorney Shri S. V. S. Rao

7. Ganesh S. Rao S/o S. V. S. Rao,  
No. 1708, 2nd Floor, Sector 22B, Chandigarh and represented by his acting attorney Sri S. V. S. Rao,
8. S. Venkat Rao S/o S. Subraya Bhat,  
Flat No. 5, Vasudha, 7th Cross Road, Chembur, Bombay-71.
9. S. Nagesh Rao S/o Late S. Subraya Bhat,  
No. 59C, Sunder Apartments, Sion-Trombay Road, Chembur, Bombay-71. No. 8 and 9 are represented by their acting attorney Sri S. V. S. Rao,
10. S. Sukmara,
11. S. Mohan,
12. S. Sudhakar,  
S/o of Late Sri S. Subraya Bhat, residing at Bhagamandala Madikeri Taluk, Coorg Dist.
13. Mrs. B. Subbamma W/o Late S. Subraya Bhat,
14. Miss S. Sumangala
15. Miss S. Kalapana,
16. Mrs. Sathyavathi W/o Sri B. V. Radhakrishna,  
Teacher, Devaravana Hubli, Nachanahalli, Palya Post, Mysore Dist.
17. Mrs. Vatsala W/o Sri R. K. Narayana,  
Parimala Nilaya, Gundlupet, Mysore Dist.
18. Mrs. Vanmala W/o Sri Kumaraswamy,  
Baipadithaya, Thodikana Village, Sullia Taluk, S. K. Dist.  
No. 14 to 18 all daughters of Late Sri S. Subraya Bhat, residing at Bhagamandala, Madikeri Taluk, Coorg Dist and Vendors 13 to 18 represented by their acting attorney Sri S. V. S. Rao,
19. Mrs. B. Nirmala Prabhakar  
W/o B. V. Prabhakar,  
BEL, Jalahalli, Bangalore-13.  
D/o Sri Subraya Bhat and rep. by acting attorney Shri S. V. S. Rao.

(Transferors)

- (2) Mrs. Lalitha George W/o Sri George Jacob,  
"Kainad Estate", Charamban Post, Madikeri Taluk, Coorg.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 197/78-79/Mercara I/C, Dated 10-5-78).

76.40 Acres of Sagu Cardamom land from out of Sy. No. 6/1, of 166,40 acres situated at Thappimani Village, Madikeri Taluka, Coorg Dist.

P. RANGANATHAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 16-12-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 22nd December 1978

C.R. No. 62/19393/78-79/Acq.—Whereas, I, P. RANGA-NATHANI,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingNo. 75, situated at Hospital Road, Balepet Cross,  
Bangalore-560002 (and more fully described in the Schedule  
annexed hereto),has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Gandhinagar, Bangalore Document No.  
992/78-79 on 23-6-1978for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property, and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds  
the apparent consideration therefor by more than fifteen per-  
cent of such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

- (1) 1. T. V. Parthasarathy Setty  
S/Shri  
S/o Bidadi T. Venkatachala Setty,  
2. Smt. P. Jamuna W/o T. V. Parthasarathy Setty,  
3. Miss T. P. Geetha,  
4. Kumari T. P. Srinivasa Murthy,  
5. Kumari T. P. Venkatesha Murthy,  
6. Kumari T. P. Indra.

Children of  
Sri T. V.  
Parthasarathy  
SettyAll are residing at No. 13/2, "Parvathi Nilaya",  
H Main Road, Park Road, 'Tulasithotam, Banga-  
lore City. The said T. V. Parthasarathy Setty  
being the Father and the natural guardian of  
Minors vendors from 3 to 6.

(Transferor)

- (2) Shri T. K. Doraiswamy  
S/o P. S. Kandaswamy Mudaliar,  
Raw Silk Merchant, Sri Chaminideswari Stores.  
Sri Raghavendra Market, Revenue Road  
Bangalore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons.  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 992/78-79, Dated 23-6-1978)  
Property bearing No. 75, Hospital Road, Balepet Cross,  
Bangalore-560002.

Boundaries :

North : Hospital Road,

South : House No. 111, belonging to D. Narasimha Iyen-  
gar and Municipal lane.

East : Property bearing No. 58 and Municipal Lane.

West : Property belonging to Sri D. Narasimha Iyengar.

P. RANGANATHAN  
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 22-12-1978

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 22nd December 1978

C.R. No. 62/18562/78-79/AC Q/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Non-Agricultural house site measuring 0.33 Acres with the building bearing Door No. 15-7-403, in R.S. No. 258A, T.S. No. 242-A situated at Aryasamaj Road, 15th Bendur Ward, Kadari Village, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer H. Qrs. Sub-Registrar, Mangalore City Doc. No. 167/78-79 on 19-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri U. L. Narayana Rao,  
S/o Late Dr. U. Sunder Rao,  
Advocate, No. 581, 3rd Main Road,  
Sadasiyanagar, Bangalore-560006  
and represented by his G.P.O.A. holder  
Sri R. Narayana Achar S/o Late K. R. Char,  
Advocate, Kadari Road, Mangalore-575003.

(Transferor)

(2) Shri A. H. Kudroli,  
S/o Sheikh Ibrahim,  
No. 68, Central Market,  
Mangalore-575001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 167/78-79, dated 19-5-1978]  
Non-agricultural house site measuring 0.53 Acres along with the building bearing Door No. 15-7-403, in R.S. No. 258A, T.S. No. 242-A situated at Arya Samaj Road, 15th Bendur Ward, Kadari Village, Mangalore.

## Boundaries :

North : T.S. No. 243-A,  
South : T.S. No. 241,  
West : T.S. No. 246 and 247 and  
East : Aryasamaj Road.

P. RANGANATHAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-12-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 9th November 1978

Ref. No. JDR/6/78-79.—Whereas, I,  
RAVINDER KUMAR PATHANIA,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition  
Range, Rohtak,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak,  
Land measuring 13 bighas 19 biswas  
situated at Gobindpuri, Teh. Jagadhari  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Jagadhari in May, 1978

for an apparent consideration which is  
less than the fair market value of the aforesaid property and  
I have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-  
sideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

(1) Shri Joti Ram s/o Shri Nanak Chand,  
Tanga Brahman R o Govindpuri (self)  
and attorney of Shri Ishwar Dutt s/o Gobind Ram.  
(Transferor)

(2) M/s. Luxmi Dass Madan Lal,  
109-A, Model Town,  
Yamunanagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may  
be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 13 bighas 19 biswas bearing Khata No.  
52, Khatoni No. 143, Khasra Nos.

176	177	178	179	180	183	175
-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----

3	2	3	15	5	2	4	14	6	12	5	2	1	8
---	---	---	----	---	---	---	----	---	----	---	---	---	---

situated at Gobindpuri (Jagadhari).

(Property as mentioned in the sale deed registered at Serial  
No. 630 of May, 1978 with the Sub-Registrar, Jagadhari)

RAVINDER KUMAR PATHANIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 9-11-1978

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
SONPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 9th November 1978

Ref. No. KTI./4/78-79.—Whereas, I,  
RAVINDER KUMAR PATHANIA,Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.Land measuring 15 kanal 8 marlas  
situated at Patti Chowdhrian, Kaithal(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Kaithal in August, 1978for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely :—(1) S/Shri Sidhu Ram and Siri Ram,  
Sons of Shri Kudri,  
R/o Kaithal.

(Transferor)

(2) M/s. Shiv Shankar Rice Mills,  
Kaithal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned---(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 15 kanal 8 marlas situated at Patti Chow-  
dhrian, Kaithal.(Property as mentioned in the sale deed registered at serial  
No. 1550 dated 30-8-1978 with the Sub-Registrar, Kaithal).RAVINDER KUMAR PATHANIA,  
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 9-11-1978

Seal :

## FORM ITNS —————

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 15th December 1978

Ref. No. THN/5/78-79.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land measuring 63 kanal 13 marla situated at Tohana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Tohana in June, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1) Shri Harkishan s/o Shri Gurdittamal,  
Tea Stall, Subzi Mandi,  
Near Gandhi Chowk, Tohana.

(Transferor)

(2) Shri Budhu Ram s/o Shri Gahna Ram,  
Baan Marchant, Gandhi Chowk,  
Tohana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 63 kanal 13 marla situated at Tohana.

"Property as mentioned in sale deed registration No. 483 dated 8-6-1978 and registered in the office of the Registering Authority, Tohana."

RAVINDER KUMAR PATHANIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 15-12-1978  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 15th December 1978

Ref. No. MHM/1/78-79.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land measuring 113 kanal 6 marla situated at Village Bahelba, Teh. Mahem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Mahem in June, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
18—456GI/78

(1) Shri Manek Baba Prakash Nath,  
Chela Baba Vidya Nath  
Village Bahelba, Teh. Mahem,  
Now at Village Sangria,  
Distt. Sriganaganagar.

(Transferor)

(2) Ch. Dalip Singh s/o Shri Sarup Singh and  
Shri Baljit Singh S/o Shri Dalip Singh  
Village Bahelba, Teh. Mahem,  
Distt. Rohtak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 113 kanal 6 marla situated at Village Bahelba, Teh. Mahem, Distt. Rohtak.

"Property as mentioned in sale deed registration No. 325 dated 306-1978 and registered in the office of the Registering Authority, Mahem."

RAVINDER KUMAR PATHANIA,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 15-12-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 15th December 1978

Ref. No. MHM/2/78-79.— Whereas, I,  
RAVINDER KUMAR PATHANIA,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition  
Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land measuring 113 kanal 6 marla situated at Village Bahelba, Teh. Mahem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mahem in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Manek Baba Prakash Nath,  
Chela Baba Vidya Nath  
Village Bahelba, Teh. Mahem,  
Now at Village Sangria,  
Distt. Sriganaganagar.

(Transferor)

- (2) Shri Raj Singh, Advocate,  
S/o Shri Daryao Singh,  
Village Bahelba, Teh. Mahem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 113 kanal 6 marla situated at Village Bahelba, Teh. Mahem, Distt. Rohtak.

"Property as mentioned in sale deed registration No. 326 dated 30-6-1978 and registered in the office of the Registering Authority, Mahem."

RAVINDER KUMAR PATHANIA,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 15-12-1978

Seal ;

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 23rd January 1979

Ref. No. KNL/4/78-79.—Whereas, I, **RAVINDER KUMAR PATHANIA**, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 1211 kanal 3 marla alongwith 4 Tubewells and building etc. situated at Village Chopri Teh. Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in May, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harbans Singh s/o Shri Sohan Singh  
C/o Shop No. 49, Patel Cloth Market,  
G.T. Road, Karnal and attorney of  
2. S/Shri Kuldip Singh, Kartar Singh,  
Ss/o Shri Sohan Singh  
3. Shri Gurcharan Singh s/o Shri Amar Nath  
4. Smt. Tirlochan Kaur w/o Shri Mohinder Singh  
5. Smt. Gurcharan Kaur w/o Shri Ajit Singh.  
(Transferors)

- S/Shri
- (2) 1. Krishan Lal }  
2. Sewa Ram } Ss/o Shri Bhagwan Dass  
3. Daulat Ram }  
4. Om Parkash }  
5. Ved Parkash s/o Shri Krishan Lal  
6. Rajinder Paul s/o Shri Sewa Ram  
7. Manoj Kumar s/o Shri Daulat Ram  
8. Mahesh Kumar s/o Shri Om Parkash  
9. 9. Raj Kumar } Ss/o Shri Narain Dass  
10. Prem Kumar }  
Residents of Tarori, Teh. Karnal.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1211 kanal 3 marla alongwith 4 Tubewells, 4 Engines, 4 Rooms, Connection, Securities and residential house, as mentioned in the sale deed registered at serial No. 768 dated 16-5-1978 with the Sub-Registrar, Karnal.

**RAVINDER KUMAR PATHANIA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 23-1-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
SHILLONG

Shillong, the 4th August 1978

Ref. No. A-188/DHU/78-79/2202-3.—Whereas, I, EGBERT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Dag No. 143 and P. Patta No. 214 situated at Pargana Jamira, Dhubri Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhubri on 17-5-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Bela Rani Das w/o Sri Rashik Chandra Das, R. K. Mission Road, Dhubri, Dist. Goalpara.  
(Transferor)
- (2) Smt. Prova Rani Roy w/o Sri Brijendra Chandra Roy, N.S. Road, Dhubri.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1 (One) Katha 15 Lessa along with a part of R.C.C. building situated at Pargana Jamira, Daffarin Road, Ward No. 6 of Dhubri town in the District of Goalpara, Assam.

EGBERT SINGH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Shillong.

Date : 23-8-78  
Seal :



FORM ITNS-----

(1) Smt. Bala Rani Das w/o Sri Rashik Chandra Das,  
R. K. Mission Road, Dhubri, Dist. Goalpara.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Shankar Chandra Roy s.o  
Sri Brajendra Chandra Roy,  
N. S. Road, Dhubri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
SHILLONG

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Shillong, the 24th August 1978

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. A-189, DIHU/78-79/2208-9. --Whereas, I, EGBERT SINGH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 143 and P. Patta No. 214 situated at Pargana Jamira, Dhubri Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhubri on 17-5-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land measuring 1 Katha 10 Lessa along with a part of R.C.C. building situated at Pargana Jamira, Ward No. 6 of Dhubri town at Dafferin Road, in the District of Goalpara, Assam.

EGBERT SINGH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Shillong.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 23-8-78  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
SHILLONG

Shillong, the 18th January 1979

Ref. No. A-205/78-79/6433.—Whereas, I,  
E. J. MAWLON, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Patta No. 435, Dag No. 3104 and 3105 situated at Near Tinsukia Pukuri, Mouza Tinsukia, Dist. Dibrugarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tinsukia on 2-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Jiban Chandra Mukherjee  
2. Shri Sushil Kumar Mukherjee  
3. Shri Adhir Kumar Mukherjee  
4. Shri Ajit Kumar Mukherjee  
All are sons of late Jhan Ch. Mukherjee,  
G. N. B. Road, near Satya Narayan Press,  
Tinsukia (Assam).

(Transferor)

- (2) 1. Shri Sudhangshu Bikash Sen,  
S/o Late S. K. Sen,  
Satya Narayan Press, Tinsukia (Assam).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 2600 sq.ft. along with a Assam type house situated near Tinsukia Pukuri of Tinsukia Town, Mouza Tinsukia in the district of Dibrugarh, Assam.

E. J. MAWLON  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Shillong.

Date : 18-1-79  
Seal :

## FORM TINS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE,  
SHILLONG

Shillong, the 18th January 1979

Ref. No. A-206/TSK/78-79/78-79/6438.—Whereas, I, E. J. MAWLONG, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 435, Dag No. 3104 and 3105 and Kutcha Patta No. 435 situated at Near Tinsukia Pukuri, Mouza Tinsukia, Dist. Dibrugarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tinsukia on 2-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri Jiban Chandra Mukherjee  
2. Shri Sushil Kumar Mukherjee  
3. Shri Adhir Kumar Mukherjee  
4. Shri Ajit Kumar Mukherjee  
All are sons of late Jhan Ch. Mukherjee,  
G. N. B. Road, near Satyanarayan Press  
Tinsukia (Assam).

(Transferor)

- (2) 1. Shri Shiba Prasad Roy  
2. Shri Subhas Kumar Roy  
3. Shri Shyamal Kumar Roy  
All sons of late Khagendra Kumar Roy, Subachani Road, Tinsukia (Assam).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4 (four) Katha 17 Lessa situated near Tinsukia pukuri Mouza Tinsukia in the district of Dibrugarh, Assam

E. J. MAWLONG  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Shillong.

Date : 18-1-1979  
Seal :

FORM ITNS - ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-6

Madras-6, the 5th October 1978

Ref. No. 2/May/78. --Whereas, I, O. ANANDARAM  
being the competent authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

20, situated at Chatram Street, Dindigul  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
JSRO, I, Dindigul (Document No. 249/78) on 29 May 1978  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Shri Sathu Rengaswamy,  
10, Halvasia Mansion, 6/2 Moira St.,  
Calcutta-17  
by power agent—  
Shri S. Jayachandran,  
c/o Shri A Swaminathan,  
20, Chatram Street,  
Dindigul.

(Transferor)

(2) Smt. K. Vijiavalakshmi  
Prop. Vijaya Electric Stores,  
182, East Car Street,  
Dindigul.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Buildings situate at No. 20, Chatram Street Dindi-  
gul.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 5-Oct 1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 3rd November 1978

Ref. No. 23/May/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 318, situated at Linghi Chetty Street, George Town, Madras-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO II, Madras North (Document No. 1606/78) on 6th May, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—456GI/78

- (1) 1. Shri D. Venkata Rao;  
2. Smt. Sarojini;  
3. Smt. E. Radha Bai;  
4. Smt. G. Rajalakshmi; &  
5. Shri V. T. Sankara Rao,  
No. 21, Dr. Nair Road,  
T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

- (2) M/s. Rajan Trading Co.,  
84/85, Sembudoss St. (1st Floor),  
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Buildings at No. 318, Linghi Chetty St., George Town, Madras-1.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6.

Date : 3-11-1978,  
Seal ;

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

MADRAS-6, the 3rd November 1978

Ref. No. 36/May/78.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2/2, situated at Taylors Road, Kilpauk, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Document No. 449/78) on 19 May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Bhupinder Kaur,  
W/o Shri Inderpal Singh,  
14A(1), Venkatachala Mudali Street,  
Purasawalkam, Madras-7.

(Transferor)

- (2) Smt. K. Vanithamani,  
W/o. Shri A. Kesavan,  
35, Veerabadra Achari Street,  
Pudupet, Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and buildings at 2/2, Taylors Road, Kilpauk, Madras-10.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
MADRAS-6.

Date : 3-11-1978.  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

MADRAS-6, the 3rd November 1978

Ref. No. 37/May/78.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2/2, situated at Taylors' Road, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Madras (Document No. 450/78) on 19 May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Bhupinder Kaur,  
W/o. Shri Inderpal Singh,  
14A(1), Venkatachala Mudali Street,  
Purasawalkam,  
Madras-7.

(Transferor)

(2) Smt. Kanthimathi,  
W/o. Shri Mahadevan,  
60, Jamedar Street,  
New Town,  
Vaniyambadi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and buildings at No. 2/2, Taylors Road, Kilpauk, Madras-10.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6.

Date : 3-11-1978.

Seal :

FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 8th November 1978

Ref. No. 19/May/78.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 62/IB1, situated at Yercaud Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Yercaud (Document No. 90/78) on 26 May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mr. Donald Cyril Wagstaff Hellein,  
S/o. Mr. John Xavier,  
"Sunshine Cottage",  
Yercaud, Salem District.

(Transferor)

(2) 1. Smt. SP Theivanai Achi,  
W/o KN Subramanian Chettiar;  
2. Smt. KN Visalakshi,  
W/o. SP Kannappa Chettiar,  
(Arumanaisiruvayal, Ramnad)  
Yercaud.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

15 acres in a total area of 31.51 acres of Coffee Estate, situate at Yercaud Village, Salem District.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I.

Date : 8-11-1978,  
Seal :



FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 8th November 1978

Ref. No. 20/May/78.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. — situated at Yercaud (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Yercaud (Document No. 91/78) on 26-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Donald Cyril Wagstaff Hellein,  
S/o John Xavier,  
"Sunshine Cottage",  
Yercaud, Salem District.

(Transferor)

- (2) 1. Shri KN Subramanian Chettiar,  
S/o. Kannappa Chettiar;  
2. Shri KN SP Kannappa Chettiar,  
S/o. Shri KN Subramanian Chettiar,  
Aranmanaisiruvayal,  
Ramanathapuram District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

16.51 acres of Coffee Estate land in a total area of 31.51 acres situate at Yercaud.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6.

Date : 8-11-1978.  
Seal :

## FORM TINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 10th November 1978

Ref. No. 13/May/78.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 59/60, situated at Moore Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO II, Madras (Document No. 1672/78) on 15th May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri H. M. Mohammed Hussain Saheb,  
S/or, Late Haji Md. Mohideen Sahib,  
113, P. V. Koil Street,  
Royapuram, Madras 600 013.

(Transferor)

- (2) Shri K. Venkataramana Achar,  
S/o. K. Madhavachar,  
1-A/3, Taylors Road,  
Kilpauk, Madras 600 010.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Land & Buildings at No. 59/60, Moore Street, Madras-1.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6.

Date : 10-11-1978.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 30th November 1978

Ref. No. 33/May/78.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15, situated at Marshall's Road, Egmore, Madras-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras (Document No. 394/78) on 4th May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

(1) Smt. K. V. A. Rukaiya Bivi,  
W/o. S. M. S. Sathak Abdul Cadar,  
West Street,  
Kilakkarai, Ramanad District.

(Transferor)

(2) Smt. P. M. Rajalakshmi,  
D/o. P. R. Madhavan,  
79, Seethamma Colony 6th Street,  
Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

4820 sq. ft. of land & super-structure thereon situate at No. 15, Marshall's Road, Egmore, Madras-8.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6.

Date : 30-11-1978.  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 30th November 1978

Ref. No. 34/May/78.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15, situated at Marshalls Road, Egmore, Madras-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Document No. 395/78) on 4-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1) Smt. K. V. A. Rukaiya Bivi,  
W/o. S. M. S. Sathak Abdul Cadar,  
West Street,  
Kilakkarai, Ramnad District.

(Transferor)

(2) Smt. P. M. Sridevi,  
D/o. P. R. Madhavan,  
79, Seethamma Colony 6th Street,  
Madras.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

4820 Sq. ft. of land & superstructure situate at No. 15, Marshalls Road, Egmore, Madras-8.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6.

Date : 30-11-1978.

Seal :

## FORM TINS—

(1) Shri S. G. Loganathan,  
S/o S. R. Govindasamy Naidu,  
Kaveripattinam.

(Transferor)

(2) Shri N. Parasuraman,  
S/o Irusanarayana Chetty,  
Kaveripattinam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 1st December 1978

Ref. No. 11/June/78.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Errahalli Village, Kaveripattinam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO, Kaveripattinam (Document No. 821/78) on 12 June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land & Buildings situate at Errahalli Village, Kaveripattinam, in Survey No. 520/A1.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 01-12-1978.  
Seal :

FORM TNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 1st December 1978

Ref. No. 31/May/78.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4, situated at Velayudham Chetty Street, Ambur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambur (Document No. 800/78) on 15-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri D. S. Varadaraj Chetty,  
S/o D. N. Sivalinga Chetty,  
5, Sharoff Velayutha Chetty St.,  
Ambur.

(Transferor)

(2) Smt. Gowarpathi Bai,  
W/o Sreelal Mutha,  
4, Sharoff Velayutha Chetty St.,  
Ambur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land & Buildings situated at No. 4, Velayudham Chetty Street, Ambur.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6.

Date : 01-12-1978.  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 2nd December 1978

Ref. No. 18/May/78.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 8, situated at Balaji Nagar, Salem-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I, Salem (Document No. 1408/73) on 31-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Fathima Begum,  
First W/o Shri S. H. Yacoob,  
No. 9, Park Street,  
Salem Town.

(Transferor)

(2) Shri B. Gopalakrishnan,  
S/o. Shri K. L. K. Balavenkataseetharama Chettiar,  
12, Arunachala Chetty St.,  
Shevapct, Salem-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

8909 Sft. of land in Plot No. 4 & buildings thereon at Balaji Nagar, Salem-4.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6.

Date : 02-12-1978.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 8th December 1978

Ref. No. 22/May/78.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5, situated at Acharappan Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR II, Madras North (Document No. 1644/78) on 9-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri N. D. M. Mustafakamal,  
No. 5, Annasamy Naicken Street,  
Madras 600 002.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. D. S. Jamrooth Begum,  
w/o D. Seyed Ibrahim,  
Muckanamalaipatti,  
Pudukottai District.

- (2) 2. Smt. D. K. Ameena Beeva,  
W/o. D. Kalifullah,  
No. 4110, South 3rd Street,  
Pudukkottai,  
Pudukkottai District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1388 Sq. ft. of land & 1200 Sq. ft. of built up area therein situate at No. 5, Acharappan Street, Madras-1.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6.

Date : 8-12-1978.  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Shri V. Chidambaram,  
'Riviera',  
Madras-85.

('Transferor')

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Southern Petro Chemical  
Industrial Corporation Ltd.,  
99, Armenian Street,  
Madras-1.

('Transferee')

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 19th December 1978

Ref. No. 44/May/78.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 25/15-4A, situated at 'Meena Vilas', Chettiar Road, Kodaikanal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSRO-I, Madras North, Madras (Document No. 1091/78. May, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property in S. No. 25/15-4A extending 1 acre and 86 cents known as 'Meenu Vilas', Chettiar Road, Kodaikanal, Madurai District.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6.

Date : 19-12-1978.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) K. Sadagopan, S/o R. Kuppuswamy,  
67, Mall Road, Komptee, Nagpur Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ramesh Gandhi, S/o Mangaldas Gandhi,  
5/6, Hind Avenue, Shastri Nagar,  
Madras-20.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th January 1979

Ref. No. 6229.—Whereas, I T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-6, Hind Avenue situated at Shastri Nagar, Madras-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet, Madras (Doc. No. 508/78) on May 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair

market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building at S-6, Hind Avenue, Shastri Nagar,  
Adyar, Madras-20.  
(Doc. No. 508/78)

T. V. G. KRISHNAMURTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-1-1979.  
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ramveer S/o Bundi,  
R/o Vill. Narangpur, P.O. Khas,  
Distt. Meerut.

(Transferor)

(2) Smt. Pirtho W/o Hansha Singh,  
R/o Vill. Jataula, Parg. Kithaur,  
P.O. Narangpur, Distt. Meerut.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th September 1978

Ref. No. Acq/1824-A/MRT/77-78.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mawana on 12-5-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used here, in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land situated at village Muzaffarpur Khundi, Distt. Meerut transferred for an apparent consideration of Rs. 27,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 20-9-78.

Seal :

FORM ITNS-- -- --

Shri Nyadar S/o Kale,  
R/o Vill. Shamaspur,  
Parg. Kithaur, Teh. Mawana,  
Distt. Meerut.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S/Shri Brahm Singh & Peetam Singh S/o Khacher  
Singh, Rameshpal S/o Kiran Singh, Subhash S/o  
Chandu Singh, All R/o Vill. Shamaspur, P.O.  
Bahsuma, Parg. Hastinapur, Teh. Mawana,  
Distt. Meerut.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 20th September 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Acq/1836-A/Meerut/77-78.—Whereas I, B. C.  
CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Mawana on 11-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the  
fair market value of the property as aforesaid exceeds the  
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent  
of such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land situated  
at Vill. Tajpura, Parg. Hastinapur, Teh. Mawana, Distt.  
Meerut, transferred for an apparent consideration of  
Rs. 35,000/-.

B. C. CHATURVEDI,

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 20-9-78.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th September 1978

Ref. No. Acq/134/Chibramau/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chibramau on May, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—456GI/78

- (1) S/Shri Radhey Shyam & Ghanshyam  
Sons of Rameshwar Dayal,  
R/o Vill. Naugai, Parg. Chibramau,  
Distt. Farrukhabad.

(Transferor)

- Shri Vimlesh Chand S/o Lalta Prasad and  
Ram Prakash S/o Baladeen Dubey and  
Sadanand S/o Ram Bharosey,  
R/o Vill. Naugai, Parg. Chibramau,  
Distt. Farrukhabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land situated at Vill. Baugai, Teh. Chibramau, District Farrukhabad, transferred for an apparent consideration of Rs. 31,700/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 20-9-78.

Seal :

FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th September 1978

Ref. No. Acq/54/KPR/78-79.—Whereas, J. B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 1-5-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Narain Dass s/o Hassanand,  
r/o 101/71, Talaq Mohal, Kanpur.

(Transferor)

- (2) Shri Narain Dass s/o Bhikhand and  
Ganga Ram son of Sadhumal,  
R/o 123/520, Fazalganj, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property land measuring 800 sq. yds. with compound wall bearing No. 3, Block 'K' scheme I, Govind Nagar, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 55,000/-.

B. C. CHATURVEDI,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kanpur.

Date : 28-9-78.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th September 1978

Ref. No. Acq/Agra/105/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 26-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Chand Narain Mathur, Harish Narain Mathur, Prakash Narain Mathur, Rajendra Narain Sherry, Guru Pratap Narain Sherry, Hanumant Narain Mathur, Rajesh Narain Mathur, Kandeep Narain Mathur and Pandeep Narain Mathur all R/o Chhili Int Road, Agra.

(Transferor)

(2) Shri Bal Kishan Maheshwari s/o Kapoor Chand Maheshwari r/o Chhatkarna, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land and building bearing No. 17/254 old (new No. 17/254-A), situated at Chhili Int Road, Agra transferred for an apparent consideration of Rs. 90,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 28-9-78.

Seal :

## FORM ITN-1

(1) Shri Mahendra Singh, R/o 2,  
Sir P. C. Benerji Road,  
Allahabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashok Kumar Agrawal,  
3/50, Nawabganj, Kanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th September 1978

Ref. No. Acq/44/KPR/78-79 --- Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 13-4-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property land and building bearing No. 3-A/2, situated at Azadnagar, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 95,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 28-9-78.  
Sd/-



FORM ITNS-----

(1) Shri Chachakki Lal S/o Puttu Lal,  
R/o Nawalpur, Vill. Larkhaur,  
Distt. Etawah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

(2) S/Shri Angan Singh & Kunwar Bahadur Singh  
Sons of Manohar Singh,  
R/o Vill. Jhingupur, Distt. Etawah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

Kanpur, the 28th September 1978

Ref. No. Acq/144/Etawah/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Etawah on May, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land measuring 21.63 Acre situated at Vill. Haivara, Distt. Etawah, transferred for an apparent consideration of Rs. 22,750/-

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely :—

Date : 28-9-78.  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th September 1978

Ref. No. Acq/64/Etawah/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Etawah on April, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagdish Narain S/o Pyare Lal,  
R/o Nagla Rampura, Bishunpur Lohrai,  
P.O. Basrechar, Distt. Etawah.

(Transferor)

- (2) S. Shri Malkhan Singh, Babu Singh,  
Shobran Singh sons of Jiwar Singh,  
Gopal Singh & Brijpal Singh (Minors)  
Sons of Su. endia Singh, under  
Guardianship of Smt. Usha Kiran, Mother,  
R/o Chaiti, Vill. Kharisar,  
P.O. Basrechar,  
Distt. Etawah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land measuring 5.10 Acre, situated at Vill. Bishunpur Lohrai, Distt. Etawah transferred for an apparent consideration of Rs. 32,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 28-9-78.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th September 1978

Ref. No. Acq/56/Kanpur/78-79.—Whereas I. B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 19-5-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. Virendra Swaroop,  
S/o Vijendra Swaroop,  
R/o 15/96, Civil Lines,  
Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Brij Mohan Kisnaga S/o  
Maharaj Kisnaga,  
R/o 15/96, Civil Lines,  
Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of House Property bearing No. 15/264, Civil Lines, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 72,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 30-9-78.

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Meharban S/o Shri Allaraji, R/o  
Vill. Utawara, Post-Khair, Aligarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jakir Ali and Jafar Ali S/o  
Shri Bakar Ali, R/o Burka Khair, Aligarh.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 82/Acq./Khair/78-79.—Whereas I, VIJAY  
BHARGAV,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Khair, Agra on 24-5-78

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely : —

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land measuring 15 Bighas 18 Biswa and 10  
Biswansi situated at Utwara Khair, Aligarh transferred for  
an apparent consideration of Rs. 46,000/- as against fair  
market value of Rs. 72,000/-

VIJAY BHARGAV,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4-11-1978

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th November 1978

Ref. No. 197/Acq/Ferozabad/78-79 —Whereas I, VIJAY BHARGAV,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozabad on 27-5-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

22—456GI/78

- (1) Shri Durga Prasad s/o Shri Hira Lal,  
R/o Vill. Lalau, Ferozabad, District-Agra.  
(Transferor)
- (2) Shrimati Chandra Devi W/o Shri Arjun Singh,  
Shri Aneg Singh S/o Shri Pitamber Singh,  
R/o Vill. Daulatpur, Ferozabad, Distt. Agra.  
(Transferee)
- (3) As in 1 above. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Vill. Lalau, Ferozabad, District Agra transferred for an apparent consideration of Rs. 43,000/- as against the fair market value of Rs. 80,000/- reported by the Valuation Officer, Agra.

VIJAY BHARGAV,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 27-11-78  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th November 1978

Ref. No. 196/Acq./Ferozabad/78-79/4377.—Whereas, I, VIJAY BHARGAV, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ferozabad on 10-5-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Phool Chand S/o Shri Pyare Lal, R/o Attawala Kasba, Ferozabad and Smt. Madhu Mittal W/o Shri Pramod Kumar and others. (Transferor)
- (2) Sarvodaya Shahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Ferozabad through Shri Hanuman Prasad Garg S/o Shri Ambika Prasad, Bagh Chhiggamal, Agra Gate, Ferozabad. (Transferee)
- (3) As in 1 above. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4141 Sq. Ft. transferred for an apparent consideration of Rs. 41,415/- as against fair market value of Rs. 95,000/- reported by the Valuation Officer, Agra.

VIJAY BHARGAV,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 27-11-78,  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 276D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th November 1978

Ret. No. 195/Acq./Ferozabad/78 79.—Whereas I, VIJAY BHARGAV,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ferozabad on 4-5-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Narain S/o Shri Ram Ratan Sharma, R/o Vill. Akbarpur, Nagau, Ferozabad. (Transferor)
- (2) S/Shri Ashok Kumar, Arun Kumar & others sons of Shri Chhotey Lal Sharma, R/o Vill. Akbarpur, Nagau, Ferozabad. (Transferee)
- (3) Sri Narain. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land transferred for an apparent consideration of Rs. 38,000/- as against fair market value of Rs. 60,000/- reported by the Valuation Officer, Agra.

VIJAY BHARGAV,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 27-11-78.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 8th December 1978

Ref. No. 84/Acq/Khair/78-79.—Whereas 1, VIJAY BHARGAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Khair, Aligarh on 31-5-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Ranbir, Chandra Pal sons of Shri Ram Singh R/o Vill. Bajota, P.O. Bajota, Distt. Aligarh.  
(Transferor)
- (2) S/Shri Amichandra, Manohar Lal Sharma S/o Shri Shiv Lal R/o Vill. Bajota, P.O. Bajota, Distt. Aligarh.  
(Transferee)
- (3) As in 1 above. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Vill. & P.O. Bajota, District Aligarh transferred for an apparent consideration of Rs. 28,000/- an against fair market value of Rs. 60,000/- reported by the valuation officer.

VIJAY BHARGAV,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 8-12-1978.  
Seal :



FORM ITNS—

(1) S/Shri Ram Prakash & Dayanand sons of Sri Sheoram Das Vill. Chitmona Post Syana, Bulandshahr.  
(Transferor)

(2) Shri Baleshwar s/o Kalicharan vill. Thal Inayatpur Post Syana, Bulandshahr.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd December 1978

Ref. No. 292-A/B.Shahar/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahr on 29-5-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property of agricultural land situated at Vill. Chitmona Pargana Syana Distt. Bulandshahr transferred for an apparent consideration of Rs. 45,750/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 22-12-1978.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) S/Shri Lakhi and Sohan Lal sons of Sri Dal Chandel Saini r/o Mohalla Kot, Teh. Khurja, Distt. Bulandshahar.

(Transferor)

(2) S/Shri Ashok Kumar and Rakesh Kumar sons of Sri Shyam Lal Saini r/o Mohalla Kot, Teh. Khurja, Distt. Bulandshahar.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 22nd December 1978

Ref. No. 304-A/B.Shahar/78-79.—Whereas I. B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khurja, Bulandshahar on 17-5-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269/D of the said Act to the following person namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Immoveable property of agricultural land at Teh. Khurja, Bulandshahar sold for an apparent consideration of Rs. 20,000/-.

**B. C. CHATURVEDI,**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 22-12-1978.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd December 1978

Ref. No. 356-A/D.Dun/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dehradun on 10-5-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Satyawati Gupta,  
28-C Chakrata Road,  
Yamuna Colony, Dehradun.

(Transferor)

- (2) Shri Hari Singh s/o Sri Gattu Singh and  
Raghubir Singh s/o Sri Gyan Singh  
r/o vill. Sarsawa Tah. Nakur, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property No. 28-C, Chakrata Road, Yamuna Colony, Dehradun for an apparent consideration of Rs. 60,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 23-12-1978.  
Seal :

FORM ITNS . . . .

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th January 1979

Ref. No. 258-A/Mrt/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mowana on 16-5-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Lal Singh, S/o Shri Ganga Sahai,  
R/o Vill : Ataura, Post Mowana,  
Parg. Hastinapur, Teh. Mowana,  
Distt. Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Ram Sharan, s/o Shri Kale Singh,  
r/o Vill. Khareki Jadid,  
Ram Singh, Shyam Singh and Sunehra  
and Shyampati, sons of Shri Lal Singh,  
r/o Vill : Ataura, Parg. Hastinapur,  
Post Mowana, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Vill : Ataura, Parg. Hastinapur, Teh. Mowana, Distt. Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 43,400/-, stamp value of which is Rs. 90,113/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4-1-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th January 1979

Ref. No. 367-A/Mrt/78-79.—Whereas I. B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mowana on 11-5-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following 23—456GI/78

- (1) Smt. Premwati, Widow of Shri Tikaram,  
R/o Vill. & Post Parikchhitgarh,  
Distt. Meerut.

(Transferor)

- (2) S/Shri Mahesh Chand & Naresh Chand, sons of  
Shri Jagwant Singh Tyagi, and  
Shri Shivcharan Sharma, s/o Shri Harswaroop  
Sharma, r/o Vill. Rajpur, Majra Parikchhitgarh,  
Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Vill : Parikchhit Garh, transferred for an apparent consideration of Rs. 45,000/-, stamp value of which is Rs. 1,22,087/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4th Jan., 1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th January 1979

Ref. No. 66/Acq/Hathras/78-79.—Whereas I. B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hathras on 5-5-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Mahadevi, W/o Shri Chhajju Singh, and Smt. Kishan Devi, W/o Shri Ram Swaroop, R/o Vill : Bisana, Teh. Hathras, Distt. Aligarh. (Transferor)
- (2) Smt. Gulab Devi, W/o Shri Ram Saran, and Smt. Kiran Devi, W/o Shri Malkhan Singh, R/o Bisana, Post Bisana, Teh. Hathras, Aligarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Vill. Bisana, Tehsil Hathras, transferred for apparent consideration of Rs. 27,000/-, stamp value of which is Rs. 80,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 6-1-79.  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 6th January 1979

Ref. No. 139/Acq/Pukhrayan/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pukhrayan on 16-5-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Chhiddi, S/o Shri Har Prasad,  
R/o Vill : Budhera, Derapur,  
Parg. Bhognipur, Distt. Kanpur.

(Transferor)

(2) S/Shri Ram Swaroop, Babu Ram & Ram Sewak,  
sons of Shri Ram Sanchi, R/o Vill :  
Budhera, Derapur, Distt. Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land situated at Vill : Budhera, Derapur, Parg. Bhognipur, Distt. Kanpur, transferred for apparent consideration of Rs. 44,000/-, stamp duty of which is Rs. 88,000/-.

**B. C. CHATURVEDI,**  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 6-1-79.

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPI/1211/78-79.—Whereas, I B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. plot situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 27-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Snehlata Bai, W/o Shri Bhupal Singh, Dhariwal, R/o Bhilwara at present Manorama Ganj, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Pradip Kumar Gaya Prasad Jain, resident of 92 Janki Nagar, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 5-A, Area 40'×180' Victory State Colony, 21, Residency Area, Indore.

B. L. RAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 28-12-78.

Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1212/78-79.—Whereas, I B. L. RAO, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (part) situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 3-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Shri Chandrasen Rao, S/o Shri Govind Rao Matkar and (2) Smt. Neela Suri W/o Shri Raman Kumar Suri residents of 3, Residency area, A. B. Road, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Brij Mohan S/o Bhonduramji Agrawal, R/o 419, Mahatma Gandhi Marg, Indore.

(Transferee)

(3) Tenants. [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of House No. 304 situated at Jawahar Marg, Indore.

B. L. RAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 28-12-1978.  
Seal

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPI/1213/78-79.—Whereas, I, B. L. Rao, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (part) situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 10th May, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) (1) Shri Chandrasen Rao, S/o Govind Rao Matkar; and (2) Smt. Neela Suri, W/o Shri Ramankumar Suri, R/o 3, Residency Area, A. B. Road, Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Mukesh, S/o Shri Laxmi Narain, R/o 197, Tilak Path, Indore.

(Transferee)

- \*(3) Tenants. (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of House No. 304 situated at Jawahar Marg, Indore.

B. L. RAO.  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 28-12-1978.

Seal:

FORM ITNS-----

(1) (1) Shri Chandrasen Rao, S/o Shri Govind Matkar  
and (2) Smt. Neela Suri, W/o Shri Ramankumar  
Suri, R/o 3, Residency Area, A. B. Road, Indore.  
(Transferor)

(Shri Shyamsunder, S/o Shri Laxminarain Agarwal,  
R/o 197, Tilak Path, Indore.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1214/78-79.—Whereas, I,  
B. L. RAO,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter refer-  
red to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. House (part) situated at Indore  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
Indore on 10th May 1978  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 304 situated at Jawahar Marg, Indore.

B. L. RAO,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 28-12-1978.  
Seal .

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1215/78-79.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (part) situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 15th May, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Shri Chandrasen Rao, S/o Shri Govind Rao Matkar and (2) Smt. Neela Suri, W/o Shri Ramankumar Suri, R/o 3, Residency Area, A.B. Road, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Bhagwandas, S/o Shri Brij Mohan Agrawal, R/o 419, M. G. Road, Indore.

(Transferee)

(3) Tenants. (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of House No. 304 situated at Jawahar Marg, Indore.

B. L. RAO,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 28-12-1978.

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.**

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1216/78-79.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Bungalow situated at Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 6th May, 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Vinay Bhaskar,  
S/o Shri T. N. Bhaskar  
R/o 659, Napier Town, Jabalpur. (Transferor)
- (2) Shri Jaswant Rai Handa,  
S/o Late Shri Dheramal Handa,  
R/o Vill. & P.O. Ukwa, Distt. Balaghat. (Transferee)
- (3) 1. Smt. Kamla Devi Uppal,  
W/o Late Shri C. L. Uppal.  
2. Shri R. K. Uppal,  
S/o Late Shri C. L. Uppal  
3. Shri J. M. Uppal,  
S/o Late Shri C. L. Uppal  
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Bungalow No. 650/651, Napier Town, Jabalpur.

B. L. RAO,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal,

Date: 28-12-1978

Seal :

**FORM ITNS ———****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1217/78-79.—Whereas, I,  
B. L. RAO,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
open land situated at Indore  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Indore on 21st June, 1978  
for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds  
the apparent consideration therefor by more than fifteen per-  
cent of such apparent consideration and that the considera-  
tion for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the 'said Act', to the following per-  
sons, namely :—

- (1) Shri Maharajkishan Kaul,  
S/o Shri Nandlalji Kaul,  
R/o 7/1, Ushaganj, Indore.

(Transferors)

- (2) Shri Shyamsunder Dwivedi, S/o  
Late Shri Hiralalji Dwivedi, R/o  
7/1, Ushaganj, Indore.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

**THE SCHEDULE**

Open land situated at 7/1, Ushaganj, Indore measuring  
4000 Sq. ft.

B. L. RAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal,

Date: 28-12-1978  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Shimladevi W/o  
Shri Ramesh chandraji Janwasia, R/o  
323, M.G. Road, Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Lalaramji, S/o  
Shri Budhumal Chowrasia, R/o  
15/1, Krishnapura, Indore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1218/78-79.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 2nd June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Three storeyed building bearing No. 22/2 situated at Devi Ahilya Marg, Jail Road, Indore.

B. L. RAO,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal,

Date: 28-12-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1219/78-79.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Dhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhar on 17th June, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kishorilal Surajmal,  
C/o Ms. Hazarilal Kishorilal,  
68, Jawahar Marg, Dhar.

(Transferor)

(2) Shri Kailash Kumar,  
S/o Shri Nathulalji Sanu,  
R/o Osanbagh, Kannod Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One double-storeyed house bearing No. 188, Ward No. 7, Bakhtawarsingh Marg, Dhar.

B. L. RAO,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 28-12-1978

Seal :



## FORM ITNS—

- (1) Shri Balkishan S/o  
Shri Laxmandas, R/o  
14/1 Sakkar Bazar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

- (2) 1. Shri Chandrakant Manilal Parikh  
R/o 56, Ballabh Nagar, Indore.  
2. Shri Sureshchand Sumanlal Chudgarh,  
R/o 74, Ballabh Nagar, Indore.  
3. Shri Pankajkumar Sumanlal Chudgarh,  
84, Ballagh Nagar, Indore.

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th December 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1220/78-79.—Whereas, I,  
B. L. RAO,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.  
House situated at Indore,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Indore on 7th July, 1978  
consideration which is less than the fair market value of the  
aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair  
market value of the property as aforesaid exceeds the appa-  
rent consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration for  
such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the object  
of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House No. 20/1, Siyaganj, Main Road, Indore.

B. L. RAO,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

Date: 28-12-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1221/78-79.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. land with bldg. situated at Rewa (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rewa on 26th July, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) or section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri Pawandas,  
S/o Shri Hansraj Sindhi.  
2. Shri Pritamdas Sindhi,  
both R/o Mohalla Dodhar, P.O. Rewa.  
(Transferors)
- (2) 1. Shri Pushpraj Singh (Minor),  
S/o Shri Tirathraj Singh  
2. Smt. Urmila Devi,  
W/o Shri Tirathraj Singh,  
R/o Gram, Sidhi, Teh. Gopat Banas,  
Distt. Sidhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The building known as Pushparaj Hotel, bearing No. 1/269 situated on plot No. 933 and 935 near Vikram pul at mohalla Dhodhar, Rewa.

B. L. RAO,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal,

Date: 28-12-1978  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 29th January 1979

Ref. No. I.A.C.Acq/I/S.R.II/455/May/1978-79.—

Whereas, I, MISS ANJANI OZA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 26 Block No. 172 situated at Jor Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 6-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Safeway Enterprises Private Ltd.,  
Through its Director Shri Mahender Kumar Gupta,  
R/o 1170 Kucha Mahajini, Chandni Chowk,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Lakshmi Kutty Pillai  
W/o Late Dr. P. P. Pillai,  
R/o L-1, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Perpetual Lease Rights of Plot of land admeasuring 1666.66 Sq. Yds. bearing Plot No. 26 situated in Block 172 with building standing thereon known as 26 Jor Bagh, New Delhi together with all Fixture and Fittings alongwith all filtered and unfiltered water connection No. 815270 and 4009 respectively and also domestic light and power electric connection No. K-56089-L and K-56090-P and bounded as under :

North : By Lodhi Road,  
South : By Service Road,  
West : Plot No. 25 Block No. 172,  
East : Main Road,

MISS ANJANI OZA  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, -I.  
Delhi/New Delhi.

Date : 29-1-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
PATNA

Patna, the 28th December 1978

Ref. No. III-297/Acq/78-79.—Whereas I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

old Municipality Holding No. 599, 60, M.S. Holding No. 147 M.S. Plot No. 267 Ward No. 5, of Ranchi Municipal Corporation, situated at Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ranchi on 19-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sarla Prabha Bajpai,  
W/o Late A. T. Bajpai & others  
At & P.O. Ranchi, Dist. Ranchi. (Transferor)
- (2) M/s. Kashmir Vastralaya, Through Shri Kashmir Lal Malhotra,  
At & P.O. Ranchi, Dist. Ranchi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

10 Katha 10 Chatak land with building bearing Municipal Survey Holding No. 147, M.S. Plot No. 267, Ward No. 5, situated at Ranchi described in deed No. 4626 dated 19-5-1978 registered with the D.S.R., Ranchi.

J. NATH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Patna.  
Bihar

Date : 28-12-1978

Seal :